खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 22 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-201

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार, विपक्ष का हंगामा जारी

राज्यसभा में 9 और लोकसभा में 16 घंटे होगी बहस

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मॉनसून सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के जबरदस्त हंगामे के बाद सरकार ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार हो गई है। अगले हफ्ते दोनों सदनों में मिलाकर कुल 25 घंटे इस मुद्दे पर चर्चा होगी। जिसमें लोकसभा के लिए 16 घंटे तो राज्यसभा के लिए 9 घंटे तय किए गए हैं।

मॉनसून सत्र के पहले दिन ही सदन की शुरुआत के साथ ही विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमला, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावों और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद समेत अन्य विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया।

शोर-शराबे के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब 20 मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक और फिर दो बजे तक के लिए स्थगित की गई। अपराह्न दो बजे कार्यवाही फिर आरंभ होने पर हंगामा जारी रहा। पीठासीन सभापति संध्या राय ने विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की और कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है।विपक्ष के हंगामे के चलते सभापति ने सदन की कार्रवाई दो बजे तक स्थगित कर दी लेकिन दो बजे फिर से सदन शुरू नहीं हो पाया, लोकसभा में दोपहर चार बजे तक सदन को दोबारा स्थगित कर दिया गया। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने कार्यवाही अपराह्न चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

मॉनसून सत्र के पहले दिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पहलगाम आतंकी हमले और अहमदाबाद विमान हादसे का जिक्र करते हुए दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी। लोकसभा अध्यक्ष ने हाल में आी प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुए जान-माल के नुकसान का जिक्र भी किया। इसके बाद सदन में दिवंगत लोगों के लिए कुछ देर का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

विपक्ष के हंगामे के बीच पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कहा कि आज कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक होगी जिसमें सभी की सहमति से तय होगा कि किन विषयों पर चर्चा होगी और सरकार ऐसे सभी विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं सभी सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे रक्षा संबंधी जिस भी विषय पर चर्चा चाहते हैं, जितनी लंबी चर्चा चाहते हैं, हम लोकसभा अध्यक्ष जो भी निर्णय लेंगे, उसके तहत ऐसी किसी भी चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

जानकारी के अनुसार, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में विभिन्न विधेयकों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए समय निर्धारित किया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर लोकसभा में 16 घंटे और राज्यसभा में 9 घंटे की चर्चा के लिए सहमति बनी है। इसके अलावा, 'भारतीय डाक विधेयक' पर लोकसभा में 3 घंटे की चर्चा का समय तय किया गया है। ▶10 पर

मानसून सत्र के पहले ही दिन पड़ा 'ओला'

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दे दिया इस्तीफा

बताया स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र प्रारंभ होते ही भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर ओला पड़ गया। देश के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति डॉ. जगदीप धनखड़ ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। धनखड़ ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया। डॉ. धनखड़ ने इस्तीफे की वजह अपनी अस्वस्थता बताई है। कुछ अंदरूनी राजनीतिक वजहें भी हो सकती हैं, जिसका खुलासा संभवतः बाद में होगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति को भेजे अपने त्यागपत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मंत्रिपरिषद के सदस्यों और सांसदों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि भारत की प्रगति का साक्षी बनना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात रही है। डॉ. धनखड़ ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए और डॉक्टरों की सलाह का पालन करते हुए भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। यह इस्तीफा संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के अनुसार है। मैं भारत की माननीय राष्ट्रपति को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मुझे लगातार सहयोग और एक शांतिपूर्ण कार्य संबंध प्रदान किया। यह मेरे लिए बेहद सुखद अनुभव रहा।

डॉ धनखड़ ने लिखा, मैं माननीय प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद का भी आभार प्रकट करता हूं। प्रधानमंत्री का सहयोग मेरे लिए बेहद मूल्यवान रहा है और मैंने अपने कार्यकाल के दौरान उनसे बहुत कुछ सीखा है। मुझे माननीय सांसदों से जो स्नेह, विश्वास और अपनापन मिला, वह मेरे लिए सदा अमूल्य रहेगा और मेरी स्मृति में अंकित रहेगा। मैं इस महान लोकतंत्र में उपराष्ट्रपति के रूप में मिले अमूल्य अनुभवों और ज्ञान के लिए अत्यंत आभारी हूं।

उन्होंने पत्र में लिखा है, इस महत्वपूर्ण कालखंड में भारत की अभूतपूर्व आर्थिक प्रगति और असाधारण विकास का साक्षी बनना और उसमें सहभागी होना मेरे लिए गर्व और संतोष की बात रही है। हमारे राष्ट्र के इस परिवर्तनकारी युग में सेवा करना मेरे लिए एक सच्चा सम्मान रहा है। जब मैं इस प्रतिष्ठित पद को छोड़ रहा हूं, तो मैं भारत के वैश्विक उत्थान और उसकी अद्भुत उपलब्धियों पर गर्व से भर जाता हूं, और उसके उज्ज्वल भविष्य में मेरी पूर्ण आस्था है। ▶10 पर

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ चलेगा महाभियोग

207 सांसदों ने प्रस्ताव का किया समर्थन

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कैश कांड में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने के लिए उनके खिलाफ संसद में महाभियोग चलाने की कार्यवाही शुरू हो गई है। हाई कोर्ट के जज वर्मा अपने आवास पर बेहिसाब नकदी मिलने के बाद कदाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा के 145 सांसदों ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। वहीं, राज्यसभा में 54 सांसदों ने हाई कोर्ट जज वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ को सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपे जाने के बाद जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए आगे की कार्यवाही शुरू हो गई है। ▶10 पर

'मानसून सत्र' से पहले पीएम मोदी ने मीडिया से की बात, कहा

ऑपरेशन सिंदूर, नक्सलवाद, मेड-इन-इंडिया और अर्थव्यवस्था ये 'विजय उत्सव का सत्र' है

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून सत्र से पहले पीएम मोदी ने देश की उपलब्धि को गिनवाया है। मानसून सत्र से पहले पीएम मोदी ने देश की उपलब्धि को गिनवाया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के कदम रखने और ऑपरेशन सिंदूर में देश के पराक्रम की बात कही। उन्होंने कहा कि इस दशक में शांति और प्रगति देखी गई, लाल गलियारा अब हरित विकास क्षेत्र में बदल रहा है। 2014 से पहले मुद्रास्फीति दर दहाई अंक में हुआ करती थी, ▶10 पर

2006 मुंबई ट्रेन सीरियल ब्लास्ट मामला

सभी बारह आरोपी बरी

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट ने सोमवार को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रॉसीक्यूशन यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वांटेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए। 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। ▶10 पर

'जगन मोहन रेड्डी ने ली रिश्वत', आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में पूर्व सीएम भी फंसे

एसआईटी ने चार्जशीट में बनाया आरोपी

विशाखापट्टणम, 21 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान 3,500 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में एसआईटी द्वारा दायर प्रारंभिक आरोपपत्र में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी का नाम रिश्वत प्राप्तकर्ताओं में से एक के रूप में उल्लेख किया गया है। हालांकि, जगन मोहन रेड्डी का नाम विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा शनिवार को यहां एक अदालत में दायर 305 पन्नो के चार्जशीट में शामिल है, लेकिन उन्हें मामले में आरोपी के रूप में नहीं दिखाया गया है।

अदालत ने अभी तक चार्जशीट का संज्ञान नहीं लिया है, जिसमें आरोप लगाया गया कि साल 2019 और 2024 के बीच, डिस्टिलरी से हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपये एकत्र किए गए और सहयोगियों और शेल कंपनियों के नेटवर्क के माध्यम से भेजे गए। एक गवाह का हवाला देते हुए आरोपपत्र में बताया गया कि किस प्रकार रिश्वत विभिन्न आरोपियों के माध्यम से तत्कालीन मुख्यमंत्री तक पहुंचाई गई। हालांकि, एसआईटी ने अब तक 48 व्यक्तियों और कंपनियों को आरोपी बनाया है, लेकिन आरोपपत्र में केवल 16 का नाम है। अदालत को बताया गया कि 20 दिनों में एक और आरोप पत्र दायर किया जाएगा। चार्जशीट के अनुसार, वाईएसआरसीपी सरकार ने शराब नीति को शराब वितरण पर पूर्ण नियंत्रण रखने के लिए डिजाइन किया था, जिससे आरोपी अधिकारियों को भारी कमीशन मिल सके। इस तरह की रिश्वत का अधिकांश हिस्सा नकद, सोने के रूप में प्राप्त हुआ था। एसआईटी ने दावा ▶10 पर

पाकिस्तान की छाती पर होगा एक और प्रहार

30 किमी लंबी और 11,578 ऊंचाई पर बन रही जोजिला टनल

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। लेह-लद्दाख जैसे ठंडे इलाके तक पूरे साल सड़क से पहुंचना काफी मुश्किल होता है, खासकर सर्दियों में जब बर्फबारी की वजह से रास्ते बंद हो जाते हैं। इसी समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की शुरुआत की है, जिसका नाम जोजिला टनल है। यह टनल जोजिला पास या जोजिला दर्रा के नजदीक बनाया जा रहा है, जो कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को जोड़ता है। इस टनल के बनने से पूरे साल लेह-लद्दाख तक सड़क से संपर्क बना रहेगा। ▶10 पर

तिरुपति मंदिर में देसी गाय के दूध से बने प्रसाद की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली/ तिरुपति, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश की पूजा और भोग प्रसाद में सिर्फ देसी नस्ल की गायों के दूध का इस्तेमाल करने की अर्जी दाखिल की गई।

अर्जी में तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर संस्थान के प्रबंधक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को देसी गायों के दूध का इस्तेमाल करने का निर्देश देने की मांग की गई। जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई से सिरे से ही इनकार कर दिया। हालांकि याचिकाकर्ता को यहां से याचिका वापस लेकर हाई कोर्ट जाने की छूट दे दी।

इस दौरान बेंच और वकील के बीच दिलचस्प बहस हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस सुंदरेश ने टिप्पणी की कि गाय तो गाय ही होती है। ईश्वर के प्रति सच्चा प्रेम साथी जीवों की सेवा करने में है न कि इन मुद्दों में पड़ने के लिए है। इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे समाज में मौजूद हैं। हम पूरे सम्मान के साथ आपको ये सब बता रहे हैं। इस पर याचिकाकर्ता वकील ने कहा कि आगम शास्त्रों के अनुसार भी इसमें भेद है। यह एक अनिवार्य परंपरा है। जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि यह वर्गीकरण केवल मनुष्यों के लिए है। वो भी भाषा, जाति, समुदाय, राज्य धर्म आदि के आधार पर किया गया है। ईश्वर सभी मनुष्यों के लिए समान है। दूसरे प्राणियों के लिए भी वो दयालु और समदर्शी है।

उन्होंने कहा कि आप कह सकते हैं कि ईश्वर नहीं चाहते कि दूध देसी गाय दे या किसी और नस्ल की। ईश्वर के पास कुछ और होगा ही।

हालांकि वकील की दलील थी कि भगवान की पूजा तो आगम शास्त्रों के अनुसार ही की जानी चाहिए। इसे लेकर टीटीडी का एक प्रस्ताव और फैसला है। हम बस इसे लागू करने की मांग कर रहे हैं। अदालत टीटीडी को नोटिस जारी कर सकती है, जिससे यह पता चल सके कि ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 23^0

दुश्मन के चप्पे-चप्पे पर अब होगी बाज वाली नजर

ऑपरेशन सिंदूर से मिली सीख, चीन-पाकिस्तान की गलबहियां का देगा जवाब

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। दुश्मन के चप्पे-चप्पे पर अब भारतीय सेना की बाज वाली नजर रहेगी। भारत ने ऑपरेशन सिंदूरके दौरान दिखी चीन-पाकिस्तान की गलबहियां के मद्देनजर अपनी सैन्य निगरानी क्षमताओं को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने अब धरती पर नजर रखने वाली कई अंतरराष्ट्रीय सैटेलाइट कंपनियों से संपर्क साधा है ताकि हाई-रिजोल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरों की मदद से रीयल-टाइम निगरानी को और प्रभावी बनाया जा सके।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह संकेत मिले थे कि चीन ने पाकिस्तान को लाइव सैटेलाइट इनपुट्स मुहैया कराए थे। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ स्तर की बातचीत चल रही थी, उस दौरान पाकिस्तान ने भारत के कुछ खास ठिकानों की तस्वीरें दिखाकर निशाने पर लेने जानकारी दी थी। ऐसा माना जा रहा है कि ये तस्वीरें उसे चीनी सैटेलाइट की मदद से ही मिली थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया, हम कमर्शियल सैटेलाइट तस्वीरें देने वालों के साथ बातचीत कर रहे हैं। हमें अपनी निगरानी क्षमताओं को और मजबूत बनाना होगा।' इन चर्चाओं का मकसद युद्ध जैसे हालात में रीयल-टाइम इंटेलिजेंस के जरिये बेहतर सैन्य कार्रवाई सुनिश्चित करना है। ▶10 पर

स्मार्ट वॉर रूम में ड्रोन की एंट्री...

एआई टास्क फोर्स से 2 साल में बदल जाएगी सेना की तस्वीर

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन अटैक किए थे। हालांकि, हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के नापाक एक्शन को हवा में ही ध्वस्त कर दिया था। अब भारतीय सेना और भी स्मार्ट एक्शन की तैयारी में जुट गई है। सेना 2026-27 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और बिग डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों को अपनाने की तैयारी कर रही है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, सेना इन नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल युद्ध क्षेत्र में बेहतर जानकारी जुटाने, तेजी से फैसले लेने, और सैनिकों को प्रशिक्षण देने के लिए करेगी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना ने ये फैसला लिया है। यही नहीं इसके लिए एआई टास्क फोर्स का भी गठन किया जाएगा। ▶10 पर

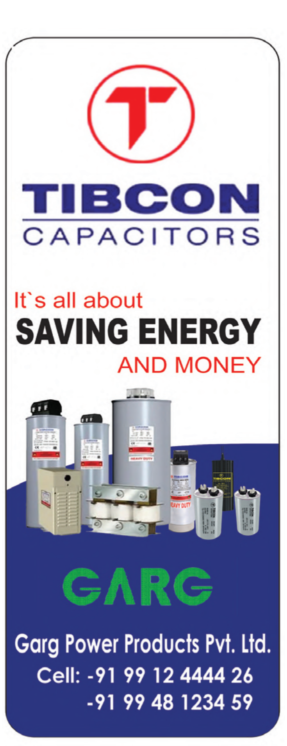

खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान में 17 आतंकी मारे गए, आठ गिरफ्तार

इस्लामाबाद,21 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने मुल्क के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में 17 आतंकवादियों को मार गिराया। इस दौरान आठ दहशतगर्दों को दबोच लिया। यह जानकारी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) और खुफिया सूत्रों ने दी।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, आईएसपीआर ने रविवार देरशाम बताया कि 16 से 20 जुलाई तक खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के मलकंद जिले में एक संयुक्त खुफिया-आधारित अभियान चलाया गया। इस दौरान नौ आतंकवादी मारे गए और आठ अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। यह सभी फितना अल-ख्वारिज से जुड़े हैं।

सात पुलिसकर्मियों का अपहरण

खबर के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस अभियान में सफलता के लिए सुरक्षा बलों और सेना की सराहना की है।

12 बस यात्रियों की हत्या

आईएसपीआर ने बताया कि आतंकवादियों के दो ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। इस दौरान हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया गया। इस बीच सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में आठ आतंकवादियों को मार गिराया। बताया गया है कि इससे पहले कलात जिले में नीमुर्ग क्रॉस के पास कराची से क्वेटा जा रही एक यात्री बोगी पर गोलीबारी में कम से कम तीन यात्रियों की मौत हो गई और सात घायल हो गए। एक अन्य आतंकी हमले में लोरलाई जिले में बसों से नौ यात्रियों का अपहरण कर उन्हें मार डाला गया।

एक अन्य घटनाक्रम में रविवार को ऊपरी दक्षिण वजीरिस्तान जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में एक संदिग्ध क्वाडकॉप्टर ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस बीच ऊपरी दक्षिणी वज़ीरिस्तान में दो अलग-अलग घटनाओं में एक सब-इंस्पेक्टर समेत सात पुलिस कर्मचारियों का अपहरण कर लिए जाने की खबर है।

न्यूज़ ब्रीफ

विमानन समझौते के उल्लंघन पर अमेरिका ने मेक्सिको की उड़ानों पर लगाया बैन

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मेक्सिको पर द्विपक्षीय विमानन समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसकी उड़ानों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि मेक्सिको 2022 से अमेरिका-मेक्सिको एयर ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट का पालन नहीं कर रहा है। विभाग के मुताबिक मेक्सिको सरकार ने अचानक स्लॉट रद्द कर दिए और अमेरिकी मालवाहक विमानों को राजधानी के मुख्य हवाई अड्डे से हटाकर नए हवाई अड्डे पर ले जाने के लिए मजबूर किया। मेक्सिको के तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रादोर ने इसे 2026 फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों के मद्देनजर जरूरी बताया था। अमेरिकी परिवहन सचिव ने तीन 'अमेरिका फर्स्ट' उपायों की घोषणा की। इसके तहत कहा गया कि सभी मेक्सिकन एयरलाइनों को अमेरिका में अपनी उड़ानों का शेड्यूल परिवहन विभाग को देना होगा। कोई भी बड़ा यात्री या मालवाहक चार्टर विमान अमेरिका से आने-जाने से पहले विभाग की अनुमति लेनी होगी। साथ ही डेल्टा एयरलाइंस और एरोमैक्सिको की साझेदारी से एंटीट्रस्ट छूट वापस ली जा सकती है। डेल्टा और एरोमैक्सिको ने 2016 में साझेदारी की थी और वे इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। कंपनियों ने तर्क दिया है कि सरकार की कार्रवाई की सजा उन्हें नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे दो दर्जन रूट प्रभावित होंगे और करीब 800 मिलियन डॉलर की उपभोक्ता बचत पर असर पड़ेगा।

फरारी बेची, कंपनी छोड़ी... जापानी शख्स ने कुत्तों के लिए खोला शेल्टर

टोक्यो। जापान के 54 वर्षीय हिरोटाका सैतो ने अपने जीवन का एक बड़ा फैसला लेते हुए अपनी कंपनी और महंगी फरारी कार बेच दी, लेकिन यह फैसला उन्होंने किसी मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि बेजुबान कुत्तों की भलाई के लिए लिया।

जानकारी अनुसार सैतो ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि करीब 12 साल पहले उनका पालतू कुत्ता, जो करीब 70 किलो का था, ने एक बेहद मुश्किल वक्त में उन्हें आत्महत्या करने से रोक दिया था। उस क्षण ने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। तभी उन्होंने मन बना लिया कि वे अब अपना सारा जीवन और कमाई पशु कल्याण को समर्पित करेंगे। सैतो का 'वान्सफ्री कैनाइन रेस्क्यू सेंटर' उन कुत्तों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है, जिन्हें किसी न किसी रूप में इंसानी दुर्व्यवहार और उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। खास बात यह है कि यहां ऐसे कुत्तों को मुफ्त में रखा जाता है, जिन्हें आमतौर पर अन्य शेल्टर स्वीकार नहीं करते। इस संबंध में खुद सैतो ने एक बातचीत के दौरान बताया, कि कई बार मुझे कुत्तों ने काटा भी है, लेकिन अब मैं पहले से कहीं ज्यादा खुश और संतुष्ट हूं। मेरा मकसद इन बेजुबानों को सिर्फ प्यार और सम्मान देना है। वर्तमान में उनके शेल्टर में 40 कुत्ते और 8 बिल्लियां रह रही हैं। सैतो की योजना है कि वह 2028 तक इस संख्या को 300 कुत्तों तक बढ़ाएं।

अगर अमेरिकी डॉलर ने दर्जा खोया, तो यह विश्व युद्ध हारने जैसा होगा

वाशिंगटन। अमेरिकी डॉलर की वैश्विक स्थिति को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चिंता बढ़ती जा रही है। ब्रिक्स देशों की ओर से डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिशों के बीच ट्रंप ने कहा है कि अगर अमेरिकी डॉलर अपना रिजर्व करेंसी का दर्जा खो देता है, तो यह अमेरिका के लिए एक विश्व युद्ध हारने जैसा होगा। एक अगस्त से अमेरिका द्वारा लागू किए जाने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर ट्रंप पहले ही जापान, ब्राजील, साउथ कोरिया, इंडोनेशिया सहित कई देशों के खिलाफ सख्त रुख अपना चुके हैं। डॉलर की वैश्विक स्थिति को लेकर ट्रंप चिंतित, ब्रिक्स देशों को दे रहे धमकी अब ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को भी चेतावनी दी गई है कि यदि वे डी-डॉलरीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो उन पर अलग से टैरिफ लगाया जा सकता है। ट्रंप ने कहा कि डॉलर का वैश्विक प्रभुत्व समाप्त हुआ तो अमेरिका पहले जैसा देश नहीं रहेगा। ब्रिक्स देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका मिलकर स्विफ्ट सिस्टम का विकल्प तैयार करने और स्थायी ब्रिक्स करेंसी लाने की तैयारी कर रहे हैं।

गाजा में मदद के लिए जुटे 85 फिलीस्तीनियों की मौत, इजराइल ने व्यापक निकासी आदेश जारी किए

दीर अल-बलाह,21 जुलाई (एजेंसियां)।

गाजा में मानवीय सहायता की तलाश कर रहे कम से कम 85 फिलीस्तीनियों की रविवार को गोलीबारी में मौत हो गई, जो पिछले 21 महीनों में सहायता पाने वालों के लिए सबसे घातक दिन रहा। गाजा की स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

इस घटना के बीच इजराइल की सेना ने केंद्रीय गाजा के कई हिस्सों में नए निकासी आदेश जारी किए हैं। यह क्षेत्र अब तक जमीन पर सैन्य अभियान से अपेक्षाकृत अछूता रहा था और जहां कई अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियां कार्यरत हैं। रिपोर्टों के अनुसार, कई संगठनों को तत्काल अपने कार्यालय खाली करने के लिए कहा गया है।

सबसे ज्यादा मौतें उत्तरी गाजा में

उत्तरी गाजा, जो भारी तबाही और भुखमरी से जूझ रहा है, वहां ज़िकिम क्रॉसिंग के पास सहायता के लिए जुटे लोगों पर गोलीबारी में कम से कम 79 फिलीस्तीनी मारे गए। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के रिकॉर्ड विभाग प्रमुख ज़ाहर अल-वाहेदी ने बताया कि इस समय संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के 25 ट्रक वहां भूख से बेहाल समुदायों के लिए मदद लेकर पहुंचे थे, तभी भारी भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों की आपबीती

ईहाब अल-ज़ेई, जो आटा लेने पहुंचे थे, ने बताया, अचानक चारों ओर टैंक आ गए और गोलियों और हमलों के बीच हम दो घंटे तक फंसे रहे। अब मैं दोबारा कभी नहीं जाऊंगा। भूख से मरना बेहतर है।

एक अन्य घायल नागरिक नाफिज अल-नज्जार ने कहा कि टैंकों और ड्रोन ने लोगों को बेतरतीब तरीके से निशाना बनाया, और उन्होंने अपने चचेरे भाई को मरते देखा।

वहीं, इजराइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि उत्तरी गाजा में हजारों लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई थी, जो सुरक्षा के लिए खतरा थी, और इसी वजह से सैनिकों ने फायरिंग की। सेना ने यह स्वीकार किया कि कुछ लोग हताहत हुए हैं, लेकिन गाजा के अधिकारियों द्वारा बताए गए आंकड़ों को उसने अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया। साथ ही, उसने हमास पर जानबूझकर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

इसके अलावा, रफाह के शकूश इलाके में 6 अन्य फिलीस्तीनियों की मौत हुई। यह स्थान अमेरिका और इजराइल द्वारा समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के वितरण केंद्र के पास है। जबकि खान यूनिस में टेंट में शरण ले रहे 7 लोगों की मौत, जिनमें एक 5 वर्षीय बालक भी शामिल था। यह जानकारी कुवैत स्पेशलाइज्ड फील्ड हॉस्पिटल ने दी। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रंप की धमकी का असर: यूक्रेन से शांति वार्ता करने को तैयार हुए पुतिन

वाशिंगटन,21 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 50 दिन का अल्टीमेटम दिया था। रूस ने पहले बयान दिया कि उसे ट्रंप की धमकियों की परवाह नहीं, लेकिन अब वो दबाव में है। रूस ने रविवार को कहा है कि पुतिन यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं, लेकिन हम अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेंगे। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि रूस 50 दिनों के भीतर युद्धविराम पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका और सख्त प्रतिबंध लगाएगा। क्रेमलिन ने कहा कि रूस अपने हितों की रक्षा करना जारी रखेगा और पश्चिमी दबाव में नहीं आएगा। क्रेमलिन प्रवक्ता ने आगे कहा कि दुनिया अब ट्रंप की कभी-कभार कठोर बयानबाजी की अभ्यस्त हो चुकी है, लेकिन यह भी सच है कि ट्रंप ने रूस को लेकर हालिया बयानों में शांति समझौते की संभावनाओं को खुला रखा है। क्रेमलिन ने कहा कि रूस बातचीत से इनकार नहीं कर रहा, लेकिन यूक्रेन और उसके पश्चिमी साझेदारों का आरोप है कि मॉस्को जानबूझकर शांति वार्ताओं में बाधा डाल रहा है। इस बीच, रूस ने यूक्रेनी शहरों पर लंबी दूरी से ड्रोन हमलों को तेज कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में एक रात में रूस ने जितने ड्रोन छोड़े, वह 2024 के कई महीनों के कुल हमलों से अधिक थे। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन रूस अपने रणनीतिक लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रविवार को कहा, शांति संभव है, लेकिन हमारे लक्ष्य सर्वोपरि हैं। यह बयान ट्रंप द्वारा रूस को 50 दिनों की डेडलाइन दिए जाने के कुछ ही दिन बाद आया है।

यूक्रेन पर रूस का हमला फरवरी 2022 में शुरू हुआ था और तब से दोनों देशों के बीच जारी युद्ध में लाखों जानें जा चुकी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को लगातार सैन्य मदद दिए जाने के बावजूद रूस ने कई इलाकों पर कब्जा बनाए रखा है। अब जब ट्रंप फिर से सख्ती के साथ सामने आए हैं और पुतिन शांति के संकेत दे रहे हैं।

दिल की गंभीर बीमारियों की पहचान कर सकता है इकोनेक्स्ट

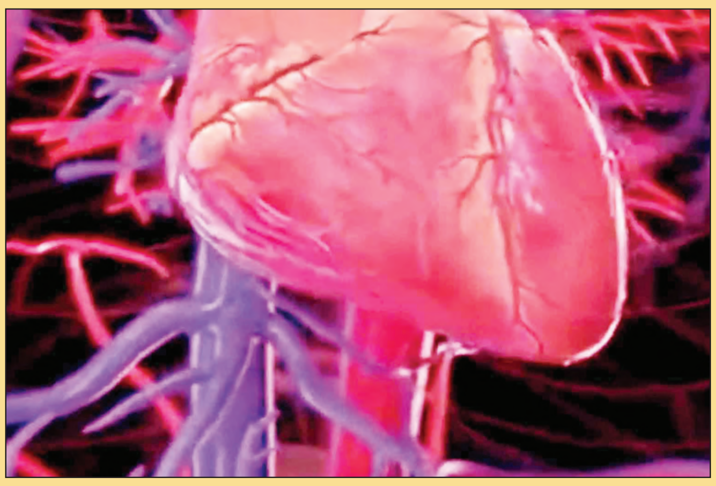

दिल की बीमारी से परेशान मरीजों के लिए वैज्ञानिकों ने एक बडी खुशखबरी दी है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल विकसित किया है, जो बेहद कम लागत वाले ईसीजी डेटा के आधार पर दिल की गंभीर और छिपी हुई बीमारियों की पहचान कर सकता है। इस टूल का नाम 'इकोनेक्स्ट' रखा गया है और यह कार्डियोलॉजिस्ट यानी हृदय रोग विशेषज्ञों से भी ज्यादा सटीक तरीके से बीमारी पकड़ने की क्षमता रखता है। दुनियाभर में लाखों लोग दिल की बीमारियों से ग्रस्त होते हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर को समय रहते बीमारी का पता नहीं चल पाता, क्योंकि जांच महंगी होती है या जरूरी तकनीक उपलब्ध नहीं होती। इसी चुनौती को देखते हुए कोलंबिया यूनिवर्सिटी की एक टीम ने यह खास टूल तैयार किया है।

भारत-बांग्लादेश के लिए मुसीबत, ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने लगा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

बीजिंग,21 जुलाई (एजेंसियां)।

चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बांध का निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने न्यिंगची शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले क्षेत्र, जिसे स्थानीय रूप से यारलुंग जांगबो के नाम से जाना जाता है, में आयोजित समारोह में बांध के निर्माण कार्य के शुरू होने की घोषणा की।

खबर के अनुसार यह समारोह तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के न्यिंगची मेनलिंग जलविद्युत स्टेशन के बांध स्थल पर आयोजित हुआ। दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना मानी जाने वाली इस जलविद्युत परियोजना ने भारत और बांग्लादेश में चिंता पैदा कर दी है।इस परियोजना में पांच जलविद्युत स्टेशन शामिल होंगे। वर्ष 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, जल विद्युत स्टेशन से प्रत्येक वर्ष 300 अरब किलोवाट घंटे से अधिक बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग और चीन के विद्युत निर्माण निगम समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने समारोह में हिस्सा लिया। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कुछ दिनों पहले ही कहा था कि राज्य की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक 'वॉटर बम' होगा और यह सैन्य खतरे के अलावा, किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। खांडू ने इंटरव्यू में कहा था कि यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी। ब्रह्मपुत्र नदी को तिब्बत में यारलुंग सांगपो नाम से जाना जाता है। खांडू ने कहा था, मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे। उन्होंने कहा, चीन से सैन्य खतरे के अलावा, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा करने वाला है।

जापान में उच्च सदन के चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन का खराब प्रदर्शन

टोक्यो,21 जुलाई (एजेंसियां)।

जापान का सत्तारूढ़ गठबंधन संसद के उच्च सदन डायट के लिए रविवार को हुए चुनाव में पिछड़ता नजर आ रहा है। जापान के प्रमुख अखबार असाही शिंबुन के एग्जिट पोल के अनुसार, सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का प्रदर्शन इस बार दमदार नहीं रहा। सरकारी प्रसारक एनएचके टेलीविजन का भी कुछ ऐसा ही दावा है।

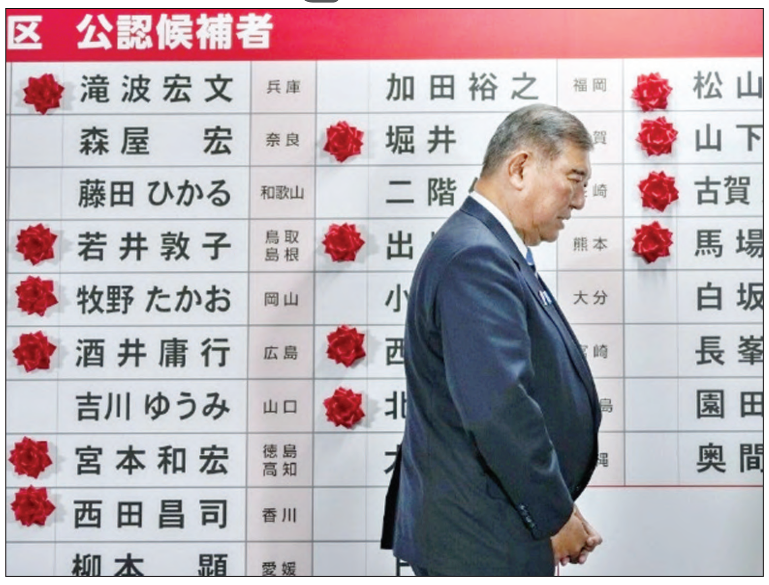

एनकेएच ने ऊपरी सदन में सत्तारूढ़ गठबंधन की सीटें कम होने का अनुमान जताया है। एनकेएच के अनुसार, इस चुनाव में धुर-दक्षिणपंथी सैनसेतो पार्टी ताकत के रूप में उभरी है।

एनएचके में प्रसारित एक्जिट पोल में इशिबा के गठबंधन को 32-51 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है। अन्य चैनलों के मुताबिक इस गठबंधन को 40-43 सीट मिल सकती हैं। एलडीपी को अकेले 32 से 35 सीटें मिलने का अनुमान है। एलडीपी अभी भी संसद में सबसे बड़ी पार्टी है।

एनएचके के अनुसार, मुख्य विपक्षी दल कान्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी को 18 से 30 सीटें मिलने का अनुमान है। पहले उसे 22 सीटें मिली थीं।धुर दक्षिणपंथी सैनसेतो पार्टी अपने जापानी फर्स्ट अभियान की वजह से मतदाताओं को प्रभावित कर रही है। इस पार्टी को 10-22 सीटें मिलने की संभावना है। इसे पिछले चुनाव में एक सीट मिली थी। इस पार्टी की शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान यू-ट्यूब के जरिये हुई थी।

अल्पमत की सरकार चला रहे प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन की सीटें कम होने से जापान में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने की आशंका है। हालांकि इस चुनाव से सीधे तौर पर प्रधानमंत्री इशिबा की सरकार पर असर नहीं पड़ेगा, लेकिन उच्च सदन में झटका लगने से उन पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ सकता। महत्वपूर्ण यह है कि अक्टूबर में हुए निचले सदन के चुनाव में भी इशिबा की पार्टी का प्रदर्शन 15 वर्षों में सबसे खराब रहा था। उन पर अविश्वास प्रस्ताव का खतरा भी मंडरा रहा है।

खबर के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन उच्च सदन में अपना बहुमत खो सकता है। इस चुनाव को प्रधानमंत्री और एलडीपी के लिए करारा झटका माना जा रहा है। इशिबा ने रविवार देररात सरकारी प्रसारक एनएचके से कहा कि वह फिलहाल सरकार में बने रहेंगे।

एलडीपी महासचिव हिरोशी मोरियामा ने कहा कि वह इशिबा के साथ इस बात पर चर्चा करेंगे कि नतीजों की जिम्मेदारी कैसे ली जाए। प्रधानमंत्री इशिबा ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा, हमें अनुमानित परिणाम को विनम्रता से स्वीकार करना होगा। एलडीपी को सत्तारूढ़ दल के रूप में अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी चाहिए।

ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन के बांध बनाने से फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं : हिमंत बिस्व सरमा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को ब्रह्मपुत्र पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण के चीन के कदम पर आशंकाओं को कम करने की कोशिश की और कहा कि उन्हें तत्काल चिंता की कोई बात नहीं दिखती क्योंकि नदी को अपना अधिकांश पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से मिलता है। यहां एक समारोह के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए, सरमा ने कहा कि पिछले सप्ताह शुरू हुए इस विशाल बांध के वास्तविक प्रभाव के बारे में अभी ठीक से जानकारी नहीं है क्योंकि इसे लेकर अलग-अलग धारणाएँ बनाई जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी।

चीन ने पिछले शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाले एक विशाल जलविद्युत बांध का औपचारिक निर्माण शुरू कर दिया है, जिसे तिब्बत में यारलुंग ज़ंगबो के नाम से जाना जाता है। इस परियोजना में पाँच जलप्रपात जलविद्युत स्टेशन शामिल हैं, जिसने भारत और बांग्लादेश जैसे निचले इलाकों के देशों में जल सुरक्षा और पारिस्थितिक प्रभावों को लेकर चिंताएँ पैदा कर दी हैं।

सरमा ने यहां एक समारोह से इतर संवाददाताओं से कहा कि पिछले सप्ताह शुरू हुए इस विशाल बांध से वास्तव में क्या प्रभाव पड़ेगा, फिलहाल इसकी ठोस जानकारी नहीं है क्योंकि अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी।

सरमा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं फिलहाल चिंतित नहीं हूं क्योंकि ब्रह्मपुत्र एक विशाल नदी है और यह किसी एक स्रोत (पानी) पर निर्भर नहीं है।'' बांध के कारण असम में नदी के निचले क्षेत्र पर संभावित प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि यह सकारात्मक रहेगा या नकारात्मक। उन्होंने कहा, ''ब्रह्मपुत्र को अपना अधिकांश पानी भूटान, अरुणाचल प्रदेश और हमारे राज्य से वर्षा जल और अन्य जल स्रोतों से मिलता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन द्वारा बांध के संबंध में दो वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। उन्होंने कहा, ''पहला - अगर चीन ब्रह्मपुत्र के प्रवाह को बाधित करता है तो पानी कम हो सकता है और परिणामस्वरूप जैव विविधता प्रभावित होगी। लेकिन एक विपरीत पहलू यह भी है कि अगर कम पानी आएगा तो बाढ़ की आशंका भी कम हो जाएगी। इसलिए, मुझे नहीं पता कि कौन सा (दृष्टिकोण) सही है।'' शर्मा ने कहा कि इस विषय पर केंद्र बेहतर निर्णय ले सकता है और वही इस पर निर्णय लेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि वे (केंद्र) पहले से ही चीन के साथ चर्चा कर रहे होंगे।

भारतीय वायुसेना 23 से 25 जुलाई तक राजस्थान में करेगी बड़ा अभ्यास

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना 23 से 25 जुलाई के बीच राजस्थान में बाड़मेर से जोधपुर तक एक बड़ा सैन्य अभ्यास करने वाली है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राजस्थान सीमा से लगे क्षेत्र में एक नोटम (वायुसैनिकों को सूचना) जारी किया गया है। गौरतलब है कि नोटम एक आधिकारिक अधिसूचना है जो पायलटों और हवाई यातायात नियंत्रकों को हवाई क्षेत्र के उपयोग में अस्थायी परिवर्तनों या खतरों के बारे में सूचित करने के लिए जारी की जाती है। ये सूचनाएँ उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये कर्मियों को बंद रनवे, हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों या नेविगेशनल सहायता में खराबी जैसे संभावित जोखिमों के प्रति सचेत करती हैं।

गिरगांव स्थित इस्कॉन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, मामला दर्ज

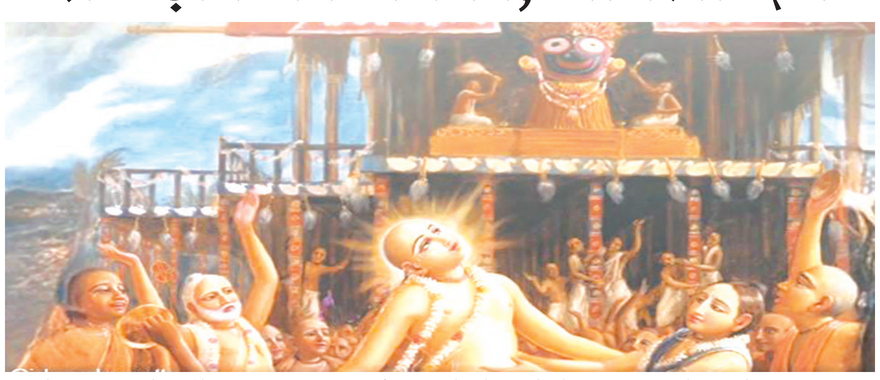

मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के गिरगांव इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि अगर 16 घंटे के भीतर कुछ माँगें पूरी नहीं की गईं तो परिसर को पाँच आरडीएक्स बमों से उड़ा दिया जाएगा। यह मंदिर शहर के एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र चौपाटी के पास स्थित है। यह धमकी इमैनुएलसेकरन नाम की आईडी से एक ईमेल के ज़रिए भेजी गई थी। ईमेल में, कथित तौर पर भेजने वाले ने तमिलनाडु की डीएमके सरकार से तमिलनाडु स्थित एक पुलिस संगठन के नेता, दिवंगत नैनार दास की सिफ़ारिशों को लागू करने की माँग की थी। ईमेल में चेतावनी दी गई थी कि ऐसा न करने पर मंदिर को निशाना बनाकर विस्फोट किया जाएगा।

धमकी के बाद, मुंबई पुलिस ने तुरंत इलाके में कड़ी निगरानी कर दी और केंद्रीय व राज्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। गिरगांव के गामदेवी पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जाँच जारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पहले भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले हैं, जिनका पैटर्न एक जैसा है। हालाँकि, जाँच के दौरान अब तक कोई विश्वसनीय सबूत या संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली है। अधिकारी इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और मानक सत्यापन और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन जारी रखे हुए हैं।

स्कूलों में सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

सीबीएसई ने दिए ऑडियो-विजुअल सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को अपने सभी संबद्ध स्कूलों को ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग क्षमता वाले उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। इस नए उपाय का उद्देश्य स्कूल परिसरों में सुरक्षा बढ़ाना है और छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए अक्सर उपलब्ध रहने वाले विभिन्न क्षेत्रों को कवर करना है। सभी सीबीएसई-संबद्ध स्कूलों को अब एक सीसीटीवी प्रणाली लागू करनी होगी जो वास्तविक समय की ऑडियो-विजुअल निगरानी का समर्थन करती हो।

रिकॉर्डिंग को कम से कम 15 दिनों तक संग्रहीत किया जाना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर अधिकारियों द्वारा समीक्षा के लिए उपलब्ध रखा जाना चाहिए। कक्षाओं और सार्वजनिक क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य है। स्कूल के सभी प्रवेश और निकास द्वारों, लॉबी, गलियारों, सीढ़ियों, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, कैंटीन, स्टोररूम, खेल के मैदानों और अन्य साझा स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने चाहिए। शौचालय और वाशरूम इस आवश्यकता से बाहर हैं। निगरानी प्रणाली में ऐसे स्टोरेज उपकरण होने चाहिए जो कम से कम 15 दिनों की रिकॉर्ड की गई फुटेज को सुरक्षित रख सकें।

बोर्ड ने स्कूलों को रिकॉर्डिंग का बैकअप रखने और सिस्टम का नियमित रखरखाव करने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य पूरे परिसर में व्यापक निगरानी सुनिश्चित करना और पहले से मौजूद सुरक्षा ढाँचे को मज़बूत करना है। नवीनीकृत सुरक्षा उपाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा जारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षा संबंधी नियमावली के अनुरूप हैं। नियमावली के अनुसार, स्कूलों को एक ऐसा सुरक्षित वातावरण प्रदान करना चाहिए जो बच्चों को दुर्व्यवहार, हिंसा, प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं, आग के खतरों, परिवहन संबंधी समस्याओं और भावनात्मक आघात से बचाए।

भावनात्मक सुरक्षा को चिंता का विषय बताया गया है, खासकर बदमाशी के संदर्भ में। मार्गदर्शन में कहा गया है कि बदमाशी से छात्रों में आत्म-सम्मान में कमी और दीर्घकालिक तनाव हो सकता है, जिससे निवारक निगरानी और एक सहायक वातावरण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। सीबीएसई ने दोहराया है कि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक स्कूल की प्राथमिक ज़िम्मेदारी है। इसने सतर्क कर्मचारियों और तकनीक के उचित उपयोग द्वारा समर्थित एक सुरक्षित और सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनाने के महत्व पर ज़ोर दिया है। शिक्षकों, कर्मचारियों, आगंतुकों, ठेकेदारों और छात्रों, सभी से इस लक्ष्य में योगदान की अपेक्षा की जाती है।

उत्तरी आंध्र प्रदेश में निम्न दबाव के कारण भारी बारिश की चेतावनी, जरग-तूफान और बारिश का बनेगा कॉकटेल

विशाखापट्टणम, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। 24 जुलाई को उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनने वाले संभावित निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश (एनसीएपी) के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, एनसीएपी में तीन दिनों के बाद बारिश की तीव्रता बढ़ने की उम्मीद है। इस बीच, रविवार को आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई है। यह चक्रवाती हवा पश्चिम मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी ओडिशा, उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यनम पर बनी हुई है। इसी समय, दक्षिण कर्नाटक से दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश (एससीएपी) तक एक द्रोणिका रेखा गुजर रही है, जिससे बारिश हो रही है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के अलग-अलग भागों में 21 से 27 जुलाई के बीच सात दिनों तक भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने 21 जुलाई को दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश (एससीएपी) में भारी से बहुत भारी वर्षा और बिजली चमकने के साथ 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान व्यक्त किया है।

अमरावती स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश (एनसीएपी), यनम, एससीएपी और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

पूर्वानुमान अवधि के दौरान सभी चार क्षेत्रों में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने की संभावना है, तटीय क्षेत्रों में इसकी गति और अधिक होने की उम्मीद है। विभाग ने कहा कि 22 से 25 जुलाई तक एनसीएपी, यनम, एससीएपी और रायलसीमा में भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने समेत तेज हवाएं चल सकती हैं।

26 और 27 जुलाई को एनसीएपी और यनम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही 26 जुलाई को एससीएपी और रायलसीमा में भी गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 24 जुलाई के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में और अधिक वर्षा हो सकती हैं।

केरल के पूर्व सीएम अच्युतानंदन का निधन 101 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

तिरुवनंतपुरम, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन का सोमवार को तिरुवनंतपुरम के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 101 वर्ष के थे। वह 2006 से 2011 तक मुख्यमंत्री रहे। अच्युतानंदन 2019 में मामूली स्ट्रोक के बाद सार्वजनिक जीवन से दूर हो गए थे। उसके बाद से वे अपने बेटे वी. अरुण कुमार के तिरुवनंतपुरम स्थित आवास पर जीवन व्यतीत कर रहे थे। अनुभवी कम्युनिस्ट और स्वतंत्रता सेनानी केरल में कम्युनिस्ट आंदोलन के एक मजबूत प्रतीक थे और दशकों तक राज्य की राजनीति में

उनकी उपस्थिति बहुत मजबूत थी।

विपक्ष के एक जुझारू नेता के रूप में, अच्युतानंदन वंचितों और कठिन सार्वजनिक मुद्दों के लिए एक ध्वजवाहक थे, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता, आर्द्रभूमि संरक्षण, नर्सों के लिए बेहतर वेतन, ट्रांसजेंडर अधिकार और मुफ्त सॉफ्टवेयर शामिल थे। अच्युतानंदन ने 16 साल की उम्र में अलप्पुझा में सामंती ज़मींदारों और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लोकप्रिय विरोध में शामिल होकर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। उन्होंने कुट्टनाड में गिरमिटिया खेतिहर मज़दूरों और एस्पिनवॉल फ़ैक्टरी मज़दूरों को संगठित करके एक कार्यकर्ता और आंदोलनकारी के रूप में अपनी पहचान बनाई।

अच्युतानंदन 1946 में औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ उग्र वामपंथी आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल थे, जिसकी परिणति प्रसिद्ध और दुखद पुन्नप्रा-वायलार विद्रोह के रूप में हुई। वे भूमिगत हो गए, लेकिन उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस हिरासत में यातनाएँ दी गईं।

बाढ़ के पानी से सड़क पर जलजमाव नाराज ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद के मोरहर नदी में आई बाढ़ के कारण शकूराबाद-बभना सड़क मार्ग पर पानी चढ़ गया है, जिससे ग्रामीणों का आना-जाना पूरी तरह बाधित हो गया। इसी को लेकर सोमवार को शाहपुर गांव के पास ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर घंटों प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले चार-पांच दिनों से सड़क पर जलजमाव बना हुआ है, जिससे बच्चों को स्कूल जाने और लोगों को बाजार आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सड़क पर खड़ा कर

आवागमन पूरी तरह रोक दिया और सरकार एवं प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंडुई गांव के पास बेलदारी बीघा गांव के कुछ लोगों ने निकासी की पईन को बंद कर दिया है, जिससे बाढ़ का पानी बहने के बजाय शाहपुर गांव के पास सड़क पर भर गया है। लगातार पानी भरे रहने से स्थिति और खराब होती जा रही है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जल निकासी की समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई गई, लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। मजबूरन आज उन्हें सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही शकूराबाद थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर सड़क जाम हटवाया। जाम के कारण कई छोटे-बड़े वाहन घंटों तक फंसे रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे फिर से सड़क जाम जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे।

सीवान में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का दौरा, अल्पसंख्यक विमर्श पर दिया बड़ा संदेश

सीवान (एजेंसियां)। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को सीवान जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने अहमद गनी नगर स्थित जेडए इस्लामिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय में नव-निर्मित विज्ञान भवन का उद्घाटन भी किया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रमेन्द्र कुमार बाजपेयी भी मौजूद

रहे। जेडए इस्लामिया कॉलेज, जेपी विश्वविद्यालय के अंतर्गत एकमात्र मुस्लिम अल्पसंख्यक महाविद्यालय है। इस कारण कार्यक्रम के दौरान कई वक्ताओं ने बार-बार 'अल्पसंख्यक' और 'अकिलियत' जैसे शब्दों का उल्लेख किया। इस पर राज्यपाल ने अपने 25 मिनट के भाषण में तीखा लेकिन तथ्यपरक दृष्टिकोण सामने रखा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारतीय संविधान और किसी भी कानून में 'अल्पसंख्यक' को कोई विशेष अधिकार नहीं दिया गया है। देश में सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं। हमें अपने अधिकारों को कृपा नहीं, अधिकार की तरह स्वीकार करना चाहिए।

राज्यपाल ने अपने भाषण को उर्दू और फारसी शायरी से भी सजाया और श्रोताओं से शिक्षा, आत्मसम्मान और सामाजिक एकता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि समाज को जाति, धर्म या वर्ग के नाम पर बांटने का परिणाम हमेशा नुकसानदेह रहा है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हम पहले ही जातिगत और सांप्रदायिक विभाजन की भारी कीमत चुका चुके हैं।

अब समय है एक ऐसी चेतना की शुरुआत का, जिसमें हम विविधताओं को सम्मान दें, न कि विभाजन का माध्यम बनाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक, अभिभावक और शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे। कॉलेज प्रशासन और छात्रों ने राज्यपाल के विचारों की सराहना की और इसे सामाजिक समरसता और शैक्षणिक चेतना की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया।

सुभाष घई को पसंद आई फिल्म सैयारा, बोले

नई स्टारकास्ट ने मचाया धमाल

मशहूर फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर सुभाष घई ने अहान पांडे और अनीत पड्डा की डेब्यू फिल्म सैयारा की जमकर तारीफ की। रविवार को सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की एक फोटो शेयर की और टीम की खूब सराहना की।

बता दें कि सुभाष घई ने लगभग 60 साल से फिल्म इंडस्ट्री में

हैं। उन्होंने कर्ज, हीरो, ताल और राम लखन जैसी कई हिट फिल्में बनाई हैं, जो अपने समय की क्लासिक फिल्में मानी जाती हैं। ऐसे में उनकी तारीफें मिलना सैयारा टीम के लिए काफी मायने रखती हैं।

सुभाष घई ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, जब नई स्टार कास्ट से सजी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाती है, तो यह फिल्म इंडस्ट्री को कुछ साफ संदेश देती है कि अच्छी कहानी वाली फिल्मों में जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च न करें, बड़े स्टार्स पर इतना पैसा न लगाएं कि प्रोडक्शन का खर्च बढ़ जाए, स्टार्स की मांगों को सीमित करें और दिखावे वाले मार्केटिंग स्टंट्स पर भी बेवजह खर्च करने से बचें। अगर कहानी अच्छी हो और सही कलाकार हों, तो दर्शक ऐसी फिल्में देखना जरूर पसंद करते हैं।

सुभाष घई ने आगे लिखा, मेरी तरफ से आदित्य चोपड़ा और मोहित सूरी को दिल से बधाई, जिन्होंने हिंदी कमर्शियल सिनेमा के मूल सिद्धांतों को सही साबित किया और सैयारा जैसी फिल्म का नाम इतिहास में दर्ज करा दिया।

उन्होंने कहा कि एक अच्छा प्रोड्यूसर, प्रतिभाशाली डायरेक्टर, बेहतरीन कहानी, शानदार म्यूजिक, सही कलाकारों का चुनाव, सामान्य बजट और अच्छी शूटिंग ही फिल्म के लिए मायने रखती है। बाकी और कुछ जरूरी नहीं होता।

उन्होंने आखिर में लिखा, आप सभी को सफलता की ढेर सारी शुभकामनाएं। सिनेमा जिंदाबाद! सैयारा में अहान पांडे 'कृष कपूर के किरदार में हैं, जो गुस्सैल लेकिन टैलेंटेड सिंगर है। उसकी आवाज में एक अलग एहसास है। एक दिन उसका सामना वाणी बत्रा नाम की लड़की से होता है, जिसका किरदार अनीत पड्डा ने निभाया है। वह एक शांत और मशहूर लेखिका है। कहानी में सुर और शब्द जब मिलते हैं, तो एक जादुई प्रेम कहानी शुरू होती है।

मैं काम में स्पष्टता और विजन से समझौता नहीं करती : तनीषा मुखर्जी

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने बताया कि वह पहले की तुलना में अब प्रोजेक्ट्स का चुनाव करने में सतर्क हो चुकी हैं। अब वह ऐसे काम करना चाहती हैं, जहां स्पष्टता और नया नजरिया दोनों हों।

तनीषा ने करियर में की गई गलतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि अब वह केवल उन प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ना चाहती हैं, जहां स्पष्ट विजन और पैशन दोनों हों।

तनीषा ने कहा, एक कलाकार के रूप में हम अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करते हैं। कभी यह सही होता है, तो कभी गलत। मैंने भी अपने करियर में कई गलतियां की हैं। लेकिन, आत्ममंथन और अनुभव से मैंने सीखा है कि पुरानी गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए। पहले मैं लोगों के विजन पर भरोसा कर उनके साथ काम कर लेती थी। लेकिन, कई बार यह भरोसा मुझे भारी पड़ा और मैं निराश हुई। अब मैं समय और एनर्जी केवल उन प्रोजेक्ट्स में लगाना चाहती हूं, जहां पूरी स्पष्टता हो।

तनीषा ने कहा, लोगों पर भरोसा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना अच्छा है, लेकिन अगर यह आपके काम और विश्वसनीयता की कीमत पर हो, तो यह समझदारी नहीं। अब मैं केवल उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं, जिनके पास स्पष्ट विजन और ज्ञान हो। वे चाहे अनुभवी हों या नए, लेकिन उनका नजरिया स्पष्ट होना चाहिए।

तनीषा का मानना है कि आज के कई नए निर्देशक सिनेमा का गहन अध्ययन करते हैं और पूरी तैयारी के साथ आते हैं। वे कहती हैं, पहली बार फिल्म बनाने वाला निर्देशक भी शानदार काम कर सकता है, बशर्ते उसने अपना होमवर्क अच्छे से किया हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा नई संभावनाओं को तलाशना चाहती हूं और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हूं। लेकिन, अब मैं उन लोगों के साथ काम नहीं करूंगी, जो अभी भी 'खोज' रहे हैं।

उनके लिए अब दो चीजें ऐसी हैं, जिसे लेकर वह समझौता नहीं कर सकती और वह हैं स्पष्टता और विजन। तनीषा ने कहा, अनुभव से आप समझ जाते हैं कि कौन स्पष्टता के साथ आ रहा है और कौन नहीं। मैं अब उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं, जो पैशन और स्पष्ट नजरिए के साथ प्रोजेक्ट बनाते हैं, न कि सिर्फ फिल्म बनाने के लिए। आजकल लोग दूसरों की नकल करने में लगे हैं, लेकिन मैं कॉपीकैट्स के साथ काम नहीं करना चाहती। मैं उन लोगों के साथ काम करना चाहती हूं, जिनमें पैशन, स्पष्टता और अपना नजरिया हो।

पुणे में संत तुकाराम फिल्म के शो रद्द, निर्देशक बोले

हमें नुकसान हुआ

आदित्य ओम की 'संत तुकाराम' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। वहीं, पुणे में फिल्म का विरोध देखने को मिला। संत तुकाराम संस्थान की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद पुणे में फिल्म के शो रद्द कर दिए गए हैं। इस घटना को लेकर फिल्म के निर्देशक का बयान सामने आया।

फिल्म के निर्देशक आदित्य ओम ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा, पुणे शहर में संत तुकाराम के शो रद्द हुए हैं। संत तुकाराम संस्थान की आपत्तियों के बाद पुणे पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में सिनेमाघरों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सावधानी बरतने को कहा गया है। इसके चलते, ज्यादातर सिनेमाघरों ने फिल्म के शो रद्द करने का फैसला लिया है।

आदित्य ने आगे बताया, फिल्म को सेंसर बोर्ड ने बिना किसी कट के यू सर्टिफिकेट दिया था। इसके बावजूद, शो रद्द होने से निर्माताओं को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है।उन्होंने कहा कि फिल्म को पूर्ण भक्ति और संत तुकाराम के मूल्यों व शिक्षाओं को फैलाने के उद्देश्य से बनाया गया है।

संत तुकाराम 17वीं सदी के संत-कवि तुकाराम के जीवन और उनकी भक्ति से भरी अभंग रचनाओं पर आधारित है। यह फिल्म उनके आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान को दिखाती है।फिल्म में आदित्य ओम के साथ सुबोध भावे, अरुण गोविल, शिशिर शर्मा, संजय मिश्रा, शिवा सूर्यवंशी, शीना चौहान, हेमंत पांडे, गणेश यादव, ललित तिवारी, मुकेश भट्ट, गौरी शंकर, ट्विंकल कपूर, रूपाली जाधव और डीजे अकबर सामी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

कर्जन फिल्म्स और पुरुषोत्तम स्टूडियोज के सहयोग से निर्मित और बी. गौतम ने फिल्म को प्रस्तुत किया है। इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिल रहा। लेकिन, पुणे में हुए इस विवाद ने इसके प्रदर्शन पर असर डाला है। फिलहाल, फिल्म देशभर के अन्य सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है।

अंकिता लोखंडे का शायराना अंदाज, बोलीं

खूबसूरती को बताया सूरज की रोशनी सरीखा

छोटे पर्दे की बड़ी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया जिसमें वह अनफिल्टर्ड खूबसूरती को लेकर विचार साझा कर रही हैं। शायराना अंदाज में नेचुरल ब्यूटी की खासियत बता रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बालकनी में खड़ी होकर पोज देती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बॉडीकॉन ड्रेस पहन रखी है, जिसके साथ उन्होंने बाल खोल रखे हैं। तस्वीर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा,नेचुरल ब्यूटी को न ही तो आप फिल्टर कर सकते हैं, न ही प्लान, यह उस तरह है जैसे हवा बिखरे बालों में गुनगुनाती है, जैसे सूरज की रोशनी आपको महसूस होती है।

अंकिता का ये शायराना अंदाज पति विक्की की तारीफ करते हुए भी दिखा था। एक पोस्ट में उन्होंने रिश्ते, सादगी और मुस्कान को लेकर खूबसूरत लाइनें लिखी थीं। इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, सादगी में भी शान होती है, प्यार की भी अपनी एक पहचान होती है। उसकी मुस्कान में मेरी दुनिया और मेरी चुप्पी में उसकी जान होती है, कुछ रिश्ते बेमिसाल होते हैं, जिन्हें बस दिल से निभाना होता है।

वर्कफ्रंट की बात करें, तो अंकिता को टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' से घर-घर पहचान मिली। शो में उनका नाम 'अर्चना' था और उनके साथ लीड रोल में सुशांत सिंह राजपूत थे। छोटे पर्दे के अलावा, अंकिता 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी' (2019), 'बागी 3' (2020), और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में भी दिखाई दी हैं। अभिनेत्री फिलहाल कॉमेडी रिएलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड 2' में अपने पति विक्की जैन के साथ नजर आ रही हैं। शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह भी प्रतियोगी हैं। इस शो की मेजबानी भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी कर रहे हैं।

अंकिता और विक्की जैन ने दिसंबर 2021 में मुंबई के ग्रैंड हयात में आयोजित एक भव्य समारोह में शादी की थी। बाद में इस जोड़े ने सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए 'बिग बॉस 17' में भाग लिया था, जहां रियलिटी शो में उनके उतार-चढ़ाव भरे सफर ने खूब सुर्खियां बटोरीं।

सिने जगत पर मैंडोलिन का जादू चलाने वाले अनोखे थे संगीतकार सज्जाद हुसैन

हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर में एक ऐसी शख्सियत ने अपनी धुनों से अमिट छाप छोड़ी, जिन्हें मैंडोलिन का जादूगर कहा जाता है। एक मौलिक संगीतकार सज्जाद हुसैन की रचनाएं आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जिंदा है। उनकी 21 जुलाई को पुण्यतिथि है। 15 जून 1917 को मध्य प्रदेश के सीतामऊ में जन्मे सज्जाद हुसैन का संगीत से रिश्ता बचपन से ही था। उनके पिता, शौकिया सितार वादक थे। उन्होंने सज्जाद को इस वाद्य यंत्र की बारीकियां सिखाईं। सज्जाद का मन वाद्य यंत्रों में ऐसा रमा कि किशोरावस्था तक उन्होंने सितार, वीणा, वायलिन, बांसुरी, पियानो और मैंडोलिन जैसे 20 से अधिक वाद्य यंत्रों में महारत हासिल कर ली। खासकर मैंडोलिन को उन्होंने सितार की तरह बजाया, जिसे हिंदुस्तानी शास्त्रीय रागों के साथ मिश्रित कर अनोखी धुनें रचीं। उनकी यह कला हिंदी सिनेमा में दुर्लभ थी।

सज्जाद का करियर साल 1944 में फिल्म 'दोस्त' से बतौर स्वतंत्र संगीतकार शुरू हुआ। हालांकि, असली पहचान 1950 की फिल्म खेल से मिली, जहां लता मंगेशकर की आवाज में 'भूल जा ऐ दिल मोहब्बत का फसाना' ने दशक के सर्वश्रेष्ठ गीतों में जगह बनाई। 1951 की हलचल का गीत आज मेरे नसीब ने मुझको रुला-रुला दिया उनकी सर्वश्रेष्ठ रचना में एक माना जाता है। सज्जाद खुद इसे अपनी सबसे प्रिय रचना मानते थे। 1952 में आई 'संगदिल' उनकी व्यावसायिक रूप से सबसे सफल फिल्म रही। इसका गीत वो तो चले गए ऐ दिल याद से उनकी प्यार कर दादरा ताल में खमाज और कलावती रागों का मिश्रण था, जो आज भी संगीत प्रेमियों की जुबान पर है। उनकी आखिरी चर्चित फिल्म 'रुस्तम-सोहराब' (1963) थी, जिसने उनके संगीत की गहराई को फिर साबित किया।

सज्जाद की खासियत थी उनकी मौलिकता। वे किसी से प्रेरित नहीं थे, बल्कि अपनी संगीतमय दुनिया खुद रचते थे। तकनीकी रूप से जटिल उनकी धुनें गायकों के लिए चुनौती थीं। लता मंगेशकर ने एक बार कहा था, सज्जाद साहब का संगीत मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ऐसा संगीत कोई और नहीं बना सका। सज्जाद हुसैन भारतीय फिल्म संगीत से जुड़ी ऐसी हस्ती थे, जिनके लिए न कोई आदर्श था न कोई प्रेरणा का स्रोत, उन्होंने खुद ही संगीत की अपनी दुनिया रची और मैंडोलिन में महारत हासिल की। वह अपने संगीत को लेकर सख्त थे और लगभग एक परफेक्शनसिस्ट। कई बार उनका यह स्वभाव फिल्म इंडस्ट्री के दस्तूर से मेल नहीं खाया तो कई दफा उनको एक अड़ियल इंसान का दर्जा भी मिला।

हालांकि यह कुछ ऐसी बातें हैं जिनको भारत की स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने स्वीकार भी किया और इसका खंडन भी किया। सज्जाद के साथ काम चुकीं लता मानती थी कि वह एक शानदार संगीतकार थे। वह खुद अपने लिए प्रेरणा बनना चाहते थे। उनको कुछ अलग करके दिखाना था। इस बात को सज्जाद ने भी बड़ी सहजता से स्वीकार किया और अपनी तपस्या को लेकर उनमें स्वाभिमान भी नजर आया। यह स्वाभिमान उनके जीवन में हमेशा रहा।

अक्सर चीजें उनके परफेक्शन के हिसाब से नहीं होती तो वह नाराज हो जाते थे। लता ने एक बार बताया था कि अगर कोई गायक अच्छा नहीं गा पाता था या वादक साज के साथ मेल नहीं मिल पाता था तो सज्जाद कठोरता से केवल इतना कह देते थे, अरे भाई कम से कम साज के साथ तो मेल बैठाओ। लता बताती हैं कि बात अक्सर इतनी ही होती थी, लेकिन लोगों ने उनके स्वभाव को कई बार ठीक से नहीं समझा। इसके बावजूद अक्खड़ संगीतकार का टैग सज्जाद के साथ लगा रहा। वह केवल चुनिंदा फिल्मों में ही संगीत दे पाए।

दो दशकों के करियर में उनकी रचनाएं गिनती में कम थीं, लेकिन क्लास में अधिक। सज्जाद ने कहा था कि चाहे उनकी रचना सफल रही हो या दर्शकों का उसे प्यार मिला हो, उन्होंने अपनी हर काम को अलग अंदाज में किया। उनका काम अनूठा था और सज्जाद को इस पर हमेशा गर्व रहा। सज्जाद का स्वाभिमान उनकी पहचान थी। वे अपनी शर्तों पर काम करते थे। वह अपने आप में पूरी टीम थे। उनके संगीत में भावनाओं की गहराई और तकनीकी जटिलताएं थीं, जो उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे अनूठे संगीतकारों में शुमार करती है।

गजकेसरी योग का उत्तम संयोग से कन्या सहित अन्य राशियों को मिलेगी मनचाही सफलता

आज यानी 22 जुलाई मंगलवार है। आज के दिन चंद्रमा का गोचर मिथुन राशि में होने वाला है। जबकि आज मंगलवार होने से मंगल ग्रह का प्रभाव पूरे दिन रहेगा। इस पर आज मंगला गौरी व्रत रखा जाएगा। इसके साथ ही आज गुरु और चंद्रमा के बीच युति होगी जिससे आज के दिन गजकेसरी योग का उत्तम संयोग बनेगा। यही नहीं आज के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बनने जा रहा है और मृगशिरा नक्षत्र के संयोग में वृद्धि योग का भी शुभ संयोग बन रहा है। इस पर आज का दिन मंगलवार होने से हनुमान जी को समर्पित होगा। ऐसे में आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज सावन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी है। ऐसे में आज प्रदोष व्रत भी रखा जाएगा जो भगवान शिव को समर्पित है। ऐसे में आज मंगलवार को गजकेसरी योग और हनुमानजी और महादेव की कृपा से कन्या सहित 5 राशियों को भाग्य का साथ मिलेगा। इसके साथ ही आज इन राशियों को करियर और कारोबार में मनचाही सफलता मिल सकती है। इनके परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। इसके साथ आज हनुमान चालीसा का पाठ करने और शिवलिंग पर जल चढ़ाने का इन राशियों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन मंगलकारी रहने वाला है। हनुमानजी की कृपा से आपके बल बुद्धि और विद्या में बढ़ोतरी होगी। आप साहसिक फैसले लेंगे जिससे अपने विरोधियों को चित करेंगे। कारोबार में छोटी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है। यात्रा आपके लिए शुभ और सफल होगी। लेखन, मीडिया, कम्युनिकेशन, शोध, टीचिंग आदि के कार्यों से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। आज आपको छोटे भाई बहनों का पूरा साथ मिलेगा जिससे आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही आज आपके परिवार में सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे। वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा।

उपाय : आज मंगलवार को हनुमानजी को चमेली के तेल वाला सिंदूर का चोला चढ़ाएं। इसके साथ ही आज 108 बार ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। आपके कार्य संपन्न होंगे और अटकी हुई योजनाएं गति पकड़ेंगी। इसके साथ ही आज आप सुख सुविधाओं के ऊपर भी खर्च करेंगे। आपके मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुडे. जातकों के लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपको पद और प्रतिष्ठा का लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आपकी सफलता को देखकर आपके प्रतिद्वंद्वी भी हैरान होंगे। वहीं परिवार में आज आनंद का माहौल रहेगा। अगर जीवनसाथी के साथ अनबन चल रही थी तो आज के दिन वह दूर हो जाएगी।

उपाय : आज मंगलवार को हनुमानजी को लंगोट चढ़ाएं। इसके साथ ही लाल धोती पहनकर लाल आसन में बैठें और सुंदरकांड का पाठ करें। आपके मनोरथ सिद्ध होंगे।

कन्या राशि –कन्या राशि के जातकों के लिए आज मंगलवार का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आपको कारोबार में मनचाही सफलता मिलने के आसार हैं। आपके कार्यों में तेजी आएगी। सरकारी सेवाओं से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभकारी रहने वाला है। आज आपको शासन और प्रशासन की तरफ से कार्यों में अपेक्षित सहयोग मिलने के आसार हैं। अगर आप ठेकेदारी आदि के काम से जुड़े हैं और सरकारी ठेका पाने के लिए प्रयास कर रहे थे तो आज के दिन आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों को आज नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार में आपके माहौल अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आपके कहे बिना आपकी बात को समझ जाएगा।

उपाय : आज मंगलवार को हनुमान जी को लाल झंडा चढ़ाएं। इसके साथ ही 108 बार ॐ रामदूताय नमः मंत्र का जप करें। रामभक्त हनुमान का आशीर्वाद मिलेगा।

तुला राशि– तुला राशि के जातकों पर आज के दिन किस्मत मेहरबान रहने वाली है। आज आपका कहीं अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। जिससे आपके कार्य पूरे होंगे। इसके साथ ही आपके कार्य को पहचान मिलेगी। प्रभावशाली लोगों के साथ संपर्क हो सकता है जिससे आज के दिन आपको मुनाफे का सौदा मिल सकता है। विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में आ रहीं अड़चनें दूर होंगी। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और आपको कहीं से सम्मानित किया जा सकता है। परिवार में आपको पिता का स्नेह और सहयोग मिलेगा जिससे आपके आत्मबल में बढ़ोतरी होगी। कोई दिली इच्छा पूरी हो सकती है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

उपाय : आज मंगलवार को हनुमानजी को बूंदी का भोग लगाएं। इसके बाद संकटमोचक हनुमानाष्टक और बजरंग बाण का पाठ करें। इससे आपके संकट दूर होंगे।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए आज मंगलवार का दिन उम्मीद से बढ़कर लाभदायक रहने वाला है। आज आपको कारोबार में इच्छित परिणामों की प्राप्ति हो सकती है। आपके पूर्व में किए गए प्रयास आज आपको अच्छा लाभ दिला सकते हैं। इसके साथ ही आज आपको अपने पुराने निवेश पर अच्छा रिटर्न हासिल करने का मौका मिल सकता है। आज फिल्म, आजा, सिंगिंग, डांसिंग, डिजाइनिंग आदि का काम करने वालों को अलग पहचान मिल सकती है। इसके साथ ही आज आप किसी के बहकावे में नहीं आएंगे। अपनी बुद्धिमत्ता से फैसले लेंगे जो आपको फायदा भी दिलाएंगे। परिवार में आपके सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी से संबंध मधुर रहेंगे।

उपाय : आज मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर बजरंगबली को पान का बीड़ा अर्पित करें। इसके साथ ही 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

सावन के दूसरे मंगलवार को ये उपाय करने पर

हनुमानजी देंगे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

सावन का महीना 11 तारीख, शुक्रवार से शुरू हो गया है। यह पूरा महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। ऐसे में भक्त इस दौरान पूरे श्रद्धा भाव से शिवजी की पूजा-पाठ और व्रत में लग जाते हैं। वहीं, अगर आप सावन के दूसरे मंगलवार को कुछ विशेष उपाय कर लें तो इससे भोलेनाथ के साथ-साथ बजरंगबली की कृपा भी आप पर बनी रह सकती है। हिंदू धर्म में मंगलवार का दिन खासतौर से हनुमानजी को समर्पित माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन शास्त्रों में बताए गए कुछ उपाय आजमाने से जातक की किस्मत चमक सकती है और जीवन से धन संबंधी समस्याएं भी दूर होने लगती हैं।

कर्ज से मुक्ति के लिए मंगलवार का उपाय

अगर आप लंबे समय से भारी कर्ज का सामना कर रहे हैं, तो सावन के इस दूसरे मंगलवार पर एक छोटा सा उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए हनुमानजी के मंदिर जाकर विधि-पूर्वक पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें। साथ ही, उन्हें गुड़ और चने का भोग भी लगाएं। इसके बाद, लाल मसूर की दाल, गुड़ और एक तांबे के सिक्के को लाल रंग के वस्त्र में बांधकर मंदिर में रखें। पूजा पूरी होने के बाद पोटली को उठाकर अपने मंदिर में रख लें। साथ ही, इस पोटली को अगले मंगलवार जरूर बदलें। ऐसा करने से जातक को कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, जीवन में सकारात्मकता आती है।

जीवन में सफलता के लिए मंगलवार का उपाय

अगर आप जीवन या करियर में बार-बार समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो मंगलवार को एक छोटा सा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और लाल रंग के वस्त्र धारण करें। मंगलवार को लाल वस्त्र पहनना सबसे उत्तम माना गया है। अब सुबह विधि-पूर्वक हनुमानजी की पूजा करें। इसके बाद, शाम के समय चमेली का तेल बजरंगबली को अर्पित करें या एक चमेली के तेल का दीपक उनके सामने प्रज्वलित करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा करने से जातक को जीवन की समस्याओं से निजात मिल सकती है। साथ ही, करियर, कारोबार और नौकरी में खूब तरक्की हासिल होती है।

भगवान हनुमान को प्रसन्न करने का उपाय

मंगलवार का दिन भगवान हनुमान को समर्पित होता है। ऐसे में उन्हें प्रसन्न करने के लिए आप इस दिन हनुमानजी के मंदिर जरूर जाना चाहिए। साथ ही, उन्हें बूंदी का प्रसाद भी जरूर चढ़ाएं। इसके बाद, मंदिर के बाहर किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को मसूर की दाल का दान करें। इस उपाय को करने से भगवान हनुमान प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा जातकों पर बनी रहती है। अगर आपके जरूरी कार्यों में बार-बार रुकावटें आती हैं तो एक बार इस उपाय को जरूर करके देखें। ऐसा करने से बिगड़े काम भी बनने शुरू हो सकते हैं और जीवन में सफलता प्राप्त होती है।

धन-दौलत में वृद्धि के लिए मंगलवार का उपाय

अगर आप पैसों की तंगी से परेशान हैं या आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए मंगलवार को एक छोटा सा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए शाम के समय भगवान हनुमान के सामने एक दीपक जलाएं और साफ आसन पर बैठकर 'ओम हनुमते नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। साथ ही, मंदिर के बाहर किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को लाल रंग के वस्त्र दान करें। इस उपाय को करने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से निजात मिल सकती है। साथ ही, धन-दौलत में वृद्धि होती है और मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं।

बिना मन की दिशा बदले, जीवन की परिस्थितियां नहीं बदलती

आप अपने मन को बदल सकते हैं और जब मन बदलता है तो परिस्थितियां बदलती हैं। बाहरी परिस्थितियों में परिवर्तन लाने के लिए ग्रह स्थिति के साथ-साथ मनःस्थिति में अनुकूलता आवश्यक है। ग्रहों का उपाय तभी लाभ लाभदायक रहता है, जब उपाय के साथ-साथ मनःस्थिति भी संशय मुक्त होकर सफलता की अभिलाषा करें। जब हम भीतर से उलझे रहते हैं तो बाहर की दुनिया भी बिखरी-बिखरी सी लगती है। जैसे ही मन स्पष्ट और शांत होता है, हमारे निर्णय बेहतर होने लगते हैं, संबंध सुधरते हैं और अवसर अपने आप मिलने लगते हैं। किसी ने सही ही कहा है कि समय केवल घड़ी में नहीं चलता, समय मन में भी चलता है। जन्मकुंडली में दशा और गोचर बाहर के योग दिखाते हैं, लेकिन उनका फल व्यक्ति की आंतरिक ग्रह स्थिति यानी उसके मन के अनुसार घटित होता है।

बाहर कुछ नहीं बदलता जब तक भीतर से आप न बदलें

एक व्यक्ति रोज शिकायत करता था कि दुनिया बहुत खराब है, लोग काफी स्वार्थी हैं, रिश्ते खोखले हो गए हैं और किस्मत भी उसका साथ नहीं देती। एक दिन एक साधु ने उससे मुस्कराकर कहा, 'दर्पण को कोसने से चेहरा सुंदर नहीं होता, खुद को भीतर से निखारो, फिर दुनिया भी सुंदर लगेगी।' उस दिन के बाद से उसने अपने भीतर झांकना शुरू किया और सच में उसकी दुनिया बदलने लगी। जब तक आप अपने भीतर बदलाव नहीं लाते, तब तक बाहरी दुनिया भी वैसी ही बनी रहती है। भीतर की रोशनी जलाओ, तभी बाहर का अंधकार दूर होगा।

ज्योतिषीय शोध के दौरान अनेक लोगों की जन्मपत्री एवं उनकी ग्रह दशा को देखने के बाद यह निष्कर्ष निकलता है कि जब तक आप अपने विचारों, भावनाओं और दृष्टिकोण को नहीं बदलते, तब तक बाहरी परिस्थितियाँ भी वैसी ही बनी रहती हैं। परिवर्तन की शुरुआत भीतर से होती है, वही परिवर्तन धीरे-धीरे आपके जीवन के हर क्षेत्र में झलकने लगता है। इसलिए जब भी आप पूजा-पाठ अथवा कोई भी ज्योतिषीय उपाय करें तो अपनी मनःस्थिति पर भी ध्यान रखें ताकि आपको पूर्ण शुभ फल प्राप्त हो सके।

कांवड़ यात्रा की इच्छा रखने वाले अगर नहीं जा पा रहें, तो कैसे घर बैठे पाएं इस यात्रा का फल

कांवड़ यात्रा को हिंदू धर्म में धार्मिक रूप से विशेष माना गया है। यह यात्रा भगवान शिव के प्रति भक्तों का प्रेम और समर्पण है। साल 2025 में कांवड़ यात्रा की शुरूआत 11 जुलाई से हो रही है, जिसका समापन 23 जुलाई को सावन शिवरात्रि के दिन होगा। आर्ज लोग कांवड़ यात्रा पर नहीं जा पाते लेकिन उस यात्रा का पुण्य प्राप्त करना चाहते हैं। जानते हैं कैसे घर बैठे इस पवित्र यात्रा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सावन माह की शिवरात्रि के दिन यानि 23 जुलाई, बुधवार के दिन सुबह, प्रदोष काल यानि शाम के समय या रात्रि के समय स्नान करें और घर में रखें किसी भी पवित्र नदी के जल से शिवलिंग का अभिषेक करें। सावन माह के शिवरात्रि के दिन जलाभिषेक करते समय महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है और भक्तों का कल्याण होता है। साथ ही जो लोग कांवड़ यात्रा का लाभ पाना चाहते हैं वो लोग इस दिन व्रत जरूर करें। इस दिन व्रत करने से भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सावन शिवरात्रि के दिन जरूरतमंदों की सेवा जरूर करें। इस दिन किसी को भी घर से खाली हाथ ना जाने दें। गरीबों को दान दें और भोजन कराएं।

सावन शिवरात्रि और महाशिवरात्रि में क्या अंतर होता है?

अक्सर लोग सावन शिवरात्रि को महाशिवरात्रि समझ लेते हैं, तो वहीं कुछ लोग मासिक शिवरात्रि और महाशिवरात्रि को एक मानते हैं। लेकिन इन दोनों में बहुत अंतर होता है।

महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि दोनों ही भगवान शिव को समर्पित हैं, लेकिन दोनों में कुछ महत्वपूर्ण अंतर हैं। महाशिवरात्रि साल में एक बार मनाई जाती है, जबकि सावन शिवरात्रि सावन के महीने में आती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के रूप में मनाया जाता है, जबकि सावन शिवरात्रि को भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए मनाया जाता है। महाशिवरात्रि हर साल फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। जबकि सावन महीने में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को सावन शिवरात्रि मनाई जाती है। सावन शिवरात्रि भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए एक विशेष अवसर है।

धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। वहीं, हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है, जिनमें से एक सावन शिवरात्रि भी है। जहां सावन शिवरात्रि पर सिर्फ महादेव की पूजा की जाती है। वहीं, महाशिवरात्रि पर महादेव के साथ माता पार्वती की पूजा का भी विधान है। सावन शिवरात्रि पर पूजा करने से भगवान शिव की कृपा बरसती है। वहीं, महाशिवरात्रि पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा से वैवाहिक जीवन में मधुरता आती है।

सावन माह का दूसरा मंगला गौरी व्रत आज, जानें शुभ मुहूर्त और महत्व

सावन माह के हर मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत रखा जाता है। इस दिन मां पार्वती की आराधना की जाती है। इस दिन सुहागिन महिलाएं मां पार्वती के लिए व्रत करती हैं। मंगला गौरी व्रत और भगवान शिव-माता पार्वती की पूजा करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साल 2025 में सावन माह में कुल 4 मंगला गौरी व्रत पड़ेंगे। 22 जुलाई, 2025 मंगलवार को पड़ने वाला मंगला गौरी व्रत द्वादशी तिथि के दिन पड़ेगी। इस दिन कामिका एकादशी व्रत का पारण भी किया जाएगा। सावन का दूसरा मंगला गौरी व्रत बहुत विशेष होने वाला है। इस दिन आर्ज पर्व, वार का संयोग बन रहा है। मंगला गौरी का व्रत मंगलवार के दिन पड़ रहा है जो हनुमान जी का दिन है, साथ ही इस दिन कामिका एकादशी व्रत का पारण किया जाएगा। साथ ही सावन माह का पहला प्रदोष व्रत भी 22 जुलाई को रखा जाएगा। इस प्रदोष व्रत को भौम प्रदोष व्रत कहा जाएगा।

सावन 2025 दूसरा मंगला गौरी व्रत

सावन के दूसरे मंगला गौरी व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:14 मिनट से लेकर 04:56 तक रहेगा। यह समय स्नान के लिए श्रेष्ठ है। दिन का शुभ समय यानि अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:00 से 12:55 तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 02:44 से दोपहर 03:39 तक रहेगा।

मंगला गौरी व्रत का महत्व

सावन में सुहागन महिलाएं और कुंवारी कन्याएं मंगला गौरी का व्रत रखती हैं। इस व्रत को करने से पति की आयु बढ़ती हैं और स्वास्थ्य अच्छा रहता है। साथ ही शादीशुदा जीवन में खुशियों का आगमन होता है। मंगला गौरी का व्रत वो कन्याएं भी रख सकती हैं जिनके विवाह में कोई बाधाएं आ रही हो या दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हो।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

अंतरिक्ष से लौटा 'लाल'

वे कितने अद्भुत, अव्यक्त, बेहद भावुक और भयभीत पल थे, जब शुभांशु शुक्ला और उनके तीन सहयात्री अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर लौट रहे थे। बीच में कुछ मिनट का ऐसा फासला आता है, जब सब कुछ 'शून्य' होता है। कोई संचार और संवाद नहीं। बाहर का तापमान 1600-1700 डिग्री सेल्सियस। अंतरिक्ष और धरती के वायुमंडल के बीच की कशमकश...। जीवन और मौत के बीच के वे क्षण...! उस सन्नाटे और आग के बड़े गोले को पार कर जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं, तो उससे बड़ी जीत और बेपनाह खुशी का एहसास और क्या हो सकता है! शुभांशु की मां ने भावुकता में ठीक ही कहा है कि उनका बेटा दूसरा जन्म लेकर लौटा है। बहरहाल ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सर्वप्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर गए और 18 सफल दिनों का अपना मिशन संपन्न कर लौटे हैं। बेशक उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय थे, लेकिन उनका दल पृथ्वी के ही चक्कर काटता रहा। अंतरिक्ष स्टेशन की तब व्यवस्था नहीं थी। इस बार शुभांशु और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी के 322 फेरे लगाए और अंतरिक्ष स्टेशन की गति 28,000 किमी प्रति घंटा रही। कुल यात्रा करीब 1.40 करोड़ किमी की रही। यह यात्रा इतनी ब्रह्मांडीय थी कि एक यात्री चंद्रमा पर 35 बार आ-जा सकता था। यकीनन यह अकल्पनीय कीर्तिमान है और नया इतिहास है। इस अंतरिक्ष मिशन ने शुभांशु शुक्ला को 'अवतारी पुरुष' बना दिया है। अंतरिक्ष में जब भी मानव-जीवन संभव होगा या वनस्पतियां उगने लगेंगी। ऑक्सीजन का पर्यावरण होगा और जल के स्रोत मिल जाएंगे, तब पीढियां उन अदम्य साहसी और सुदृढ़ मानसिक शक्ति वाले चेहरों को याद करेंगी, जिन्होंने अंतरिक्ष में आकर जीवनोपयोगी स्थितियों की बुनियाद रखी। शुभांशु ने अंतरिक्ष में 7 अति महत्वपूर्ण, बेशकीमती प्रयोग किए, हालांकि पूरी टीम को 60 प्रयोग करने थे। 'भारत के लाल' ने मेथी और मूंग के बीजों को अंकुरित किया, जो अंतरिक्ष में पोषण और खाद्य सुरक्षा की दिशा में 'भोजन' साबित हो सकते हैं। अंतरिक्ष में सूक्ष्म जीवों के जीवन, पुनर्जीवन, प्रजनन और जीन परिवर्तनों पर प्रयोग किया। अंतरिक्ष में बीजों की वृद्धि और प्रतिक्रिया का भी अध्ययन किया। भविष्य में अंतरिक्ष मिशन के लिए ऑक्सीजन, बॉयोफ्यूल के स्रोत के तौर पर माइक्रोएल्गी का भी अध्ययन किया गया। अंतरिक्ष उड़ान के दौरान आंखों की गति और समन्वय पर असर को समझने का प्रयोग किया। दिमाग के रक्त-प्रवाह पर फोकस किया गया, जिससे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और उच्च स्तर की कार्बन डाइऑक्साइड के असर को जानने का प्रयास किया गया। अंतरिक्ष में मानव मांसपेशियों, हड्डियों पर अंतरिक्ष के प्रभावों की भी जांच की गई। यह अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नगण्य होता है, लिहाजा यात्री की मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। लौटने पर वह अपने पांव पर खड़ा होने और चलने में असमर्थ-सा रहता है। यह यात्रा 18 दिन की ही थी, लिहाजा यात्रियों पर इतने गहरे प्रभाव न पड़े हों, लेकिन फिर भी उनका पुनर्वास किया जा रहा है। उनकी पूरी तरह मेडिकल जांच होगी, इलाज किए जाएंगे, ताकि वे नए सिरे से पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार ढल सकें। अंतरिक्ष टीम ने 'एक्वायर्ड इक्विबेलेंस टेस्ट' नामक एक मानसिक प्रयोग में भी भाग लिया, जो अंतरिक्ष में रहने की क्षमता को मापता है। यकीनन शुभांशु के जरिए यह भारत की 'अपवादीय उपलब्धि' है। अंतरिक्ष विज्ञान का जो भारतीय इतिहास लिखा जा रहा है, यह यात्रा उसका प्रथम अध्याय है, लिहाजा अभी बहुत दूर जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा है कि शुभांशु के इस मिशन ने एक अरब सपनों को प्रेरणा दी है। बेशक यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' की दिशा में 'मील का पत्थर' है। शुभांशु के अनुभव और प्रयोगों से बहुत मदद मिलेगी।

जीवन और मौत के बीच के वे क्षण...! उस सन्नाटे और आग के बड़े गोले को पार कर जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं, तो उससे बड़ी जीत और बेपनाह खुशी का एहसास और क्या हो सकता है! शुभांशु की मां ने भावुकता में ठीक ही कहा है कि उनका बेटा दूसरा जन्म लेकर लौटा है। बहरहाल ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सर्वप्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर गए और 18 सफल दिनों का अपना मिशन संपन्न कर लौटे हैं। बेशक उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय थे, लेकिन उनका दल पृथ्वी के ही चक्कर काटता रहा। अंतरिक्ष स्टेशन की तब व्यवस्था नहीं थी। इस बार शुभांशु और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी के 322 फेरे लगाए और अंतरिक्ष स्टेशन की गति 28,000 किमी प्रति घंटा रही। कुल यात्रा करीब 1.40 करोड़ किमी की रही। यह यात्रा इतनी ब्रह्मांडीय थी कि एक यात्री चंद्रमा पर 35 बार आ-जा सकता था।

विश्व बैंक के समानता सूचकांक को गिनी सूचकांक भी कहा जाता है

समानता रिपोर्ट में बेहतरी की ओर भारत

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में आपातकाल के दिनों जोड़े गए शब्दों 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' को लेकर बहस हो रही है, ठीक उसी वक्त आई विश्व बैंक की रिपोर्ट ने भारतीय समाज को ज्यादा समतामूलक बताया है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस रैंकिंग में चोटी के चार देशों में शामिल हो गया है, जबकि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो अर्थव्यवस्थाएं यानी अमेरिका और चीन उससे पीछे हो गए हैं। भारत से आगे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। दिलचस्प यह है कि जिस समय यह रिपोर्ट आई, ठीक उन्हीं दिनों ऑक्सफैम जैसी दूसरी एजेंसियों की ओर से आई रिपोर्टों के हवाले से भारत में बढ़ती आर्थिक आर्थिक असमानता को लेकर सवाल उठ रहे थे।

इसे संयोग कहें या कुछ और, जिस समय भारतीय संविधान की प्रस्तावना में आपातकाल के दिनों जोड़े गए शब्दों 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' को लेकर बहस हो रही है, ठीक उसी वक्त आई विश्व बैंक की रिपोर्ट ने भारतीय समाज को ज्यादा समतामूलक बताया है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस रैंकिंग में चोटी के चार देशों में शामिल हो गया है, जबकि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो अर्थव्यवस्थाएं यानी अमेरिका और चीन उससे पीछे हो गए हैं। भारत से आगे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। दिलचस्प यह है कि जिस समय यह रिपोर्ट आई, ठीक उन्हीं दिनों ऑक्सफैम जैसी दूसरी एजेंसियों की ओर से आई रिपोर्टों के हवाले से भारत में बढ़ती आर्थिक आर्थिक असमानता को लेकर सवाल उठ रहे थे। ऐसे में विश्व बैंक की इस रिपोर्ट का आना और उसके समानता सूचकांक में भारत का बेहतर प्रदर्शन करना सुखद आश्चर्य का कारण तो बनता ही है। विश्व बैंक के समानता सूचकांक को गिनी सूचकांक भी कहा जाता है। एक तरह से यह आर्थिक विकास को सामाजिक समानता से जोड़ने का सूचकांक है। इस आंकड़े के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। इस सूचकांक के अनुसार, भारत 'सामान्य से कम' असमानता श्रेणी में है। मानकों के अनुसार, इस श्रेणी के लिए स्कोर 25 से 30 के बीच होता है। यह 'कम असमानता' वाले समूह के मानक से कुछ ही ज्यादा है। इस श्रेणी में स्लोवाक गणराज्य शामिल है। स्लोवाक का गिनी इंडेक्स 24.1 है। इसी तरह दूसरे स्थान पर रहे सोवियत संघ के पूर्व हिस्से और मौजूदा स्लोवेनिया देश का सूचकांक 24.3 है। इसके बाद 24.4 अंकों के साथ बेलारूस है। इन तीनों के बाद भारत का नंबर है। गौरतलब है कि विश्व बैंक ने दुनिया के 167 देशों का गिनी इंडेक्स जारी किया है। इनमें भारत की स्थिति बहुत बेहतर है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ़ 30 देश 'सामान्य से कम' असमानता वाली श्रेणी में आए हैं। जिनमें अत्यधिक लोक कल्याण वाले अनेक यूरोपीय देश जैसे आइसलैंड, नॉर्वे, फ़िनलैंड, बेल्जियम और पोलैंड शामिल हैं। इसमें संयुक्त अरब अमीरात जैसा धनी देश भी शामिल है। इस सूचकांक के लिहाज से भारत का प्रदर्शन विगत के डेढ़ दशक की तुलना में बहुत बेहतर है। साल 2011 में भारत का गिनी सूचकांक 28.8 था। साल 2022 में यह 25.5 पर पहुंच गया। गिनी सूचकांक के जरिए यह समझने की कोशिश की जाती है कि देश विशेष के घरों या व्यक्तियों के बीच आय, संपत्ति और उसके उपभोग के वितरण में कितनी समानता है। इसे शून्य से लेकर 100 के सूचकांक के स्तर पर मापा जाता है। इस सूचकांक के अनुसार, जिस देश का स्कोर शून्य है, उसका मतलब है कि उस देश में पूरी तरह समानता है यानी आय का वितरण पूरे नागरिकों में समान है। इस सूची में 100 स्कोर का अर्थ है कि एक ही व्यक्ति के पास पूरी आय और संपत्ति है और वही सबसे ज्यादा उपभोग करता है, जबकि दूसरों के पास कुछ भी नहीं है। इसका मतलब यह होता है कि उस

देश विशेष में पूरी तरह असमानता व्याप्त है। मोटे तौर पर समझ सकते हैं कि जिस देश का गिनी इंडेक्स जितना ज्यादा होगा, उस देश में उतनी ही असमानता होगी। विश्व बैंक का मानना है कि गिनी इंडेक्स में भारत की मजबूत स्थिति की वजह उसके गरीबी हटाओ उपाय हैं। जिनके जरिए ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में गरीबी को कम करने में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार, बीते दशक में 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की गई है। विश्व बैंक ने गरीबी के लिए रोजाना 2.15 अमेरिकी डॉलर से नीचे की आय को रखा है। इस लिहाज से भारत में 2011-12 के दौरान करीब 16.2 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे जी रहे थे, उनकी संख्या में साल 2022-23 में घटकर सिर्फ 2.3 प्रतिशत रह गई है। भारत में समानता लाने में मोदी सरकार की योजनाओं का बहुत योगदान है। इसमें नई योजनाएं हैं और पुरानी का बेहतर कार्यान्वयन भी है। इन योजनाओं के जरिए लोगों तक आर्थिक पहुंच में सुधार करना, राज्य की ओर से दिए जा रहे कल्याणकारी फायदों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना और इस पूरी प्रक्रिया में समाज के कमज़ोर और कमजोर प्रतिनिधित्व वाले समूहों का सहयोग करना है। इसमें प्रधानमंत्री जन धन योजना को पहले स्थान पर रखा जा सकता है। जिस योजना के तहत 25 जून, 2025 तक 55.69 करोड़ से ज़्यादा लोगों के पास जन धन खाते थे। इनके जरिए ना सिर्फ लोगों को राज्य की ओर से मिलने वाली कल्याणकारी योजनाओं का फायदा सीधे पहंच रहा है, बल्कि वित्तीय कामकाज के लिए बैंकों तक इन लोगों का जुड़ाव बढ़ा है। इससे लोगों की आर्थिक स्थिति सुधर रही है। आधार और डिजिटल पहचान के जरिए कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हुई है। तीन जुलाई, 2025 तक देश के 142 करोड़ से अधिक लोगों के आधार कार्ड जारी किए जा चुके थे। राज्य के कल्याणकारी योजनाओं का भुगतान और सब्सिडी आदि को अब सीधे लोगों के खातों में पहुंचाया जा रहा है। इसकी वजह से देश की बचत बढ़ी है। एक आंकड़े के अनुसार, मार्च 2023 तक देश की संचयी बचत ₹3.48 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी थी। जाहिर है कि इनमें से ज्यादातर लोगों का पैसा प्रत्यक्ष और सीधे खातों तक वित्तीय मदद पहुंच रहा है। भारत की आर्थिक और सामाजिक असमानता को कम करने में आयुष्मान भारत योजना का भी हाथ मान सकते हैं। इसके जरिए इससे कवर परिवार को सालाना 5 लाख रूपए तक का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार तीन जुलाई, 2025 तक देशभर में 41.34 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। जिसके दायरे में देश भर के 32,000 से अस्पताल शामिल हैं। इस योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना शुरू की जा चुकी है, चाहे उनकी आय जो भी हो। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की वजह से यह प्रयास और मजबूत हुआ, जिसमें लोगों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए 79 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य खाते बनाए जा चुके हैं। भारत में आर्थिक और सामाजिक असमानता को दूर करने में स्टैंड-अप इंडिया जैसी योजना के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्थापित इस योजना के जरिए दलित और आदिवासी एवं महिला उद्यमियों को ग्रीनफील्ड उद्योग स्थापित करने के लिए 10 लाख से एक करोड़ रूपए तक का कर्ज दिया जा रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार इस साल जुलाई के पहले हफ्ते तक इस योजना के तहत पूरे देश में 2.75 लाख से अधिक आवेदन स्वीकृत किए जा चुके थे। इसके तहत नव उद्यमियों को 62,807.46 करोड़ रूपए दिये जा चुके हैं। एक तरह से इस योजना के जरिए वंचित समुदाय की आर्थिक तरक्की हो रही है। आर्थिक तरक्की की राह सामाजिक विकास को भी प्रभावित करती है। भारत में जारी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना देश की खाद्य और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। कोरोना महामारी के दौरान शुरू की गई इस योजना तहत 80.67 करोड़ लोगों को खाद्यान्न दिया जा रहा है। मुफ़्त मिल रहे खाद्यान्न का उद्देश्य है कि देश का कोई भी व्यक्ति भूखे पेट ना सोए। भारत में गरीबी कम करने में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का भी अपना विशेष योगदान मान सकते हैं। इसके तहत पारम्परिक कारीगरों और शिल्पकारों बिना किसी जमानत के ऋण, टूलकिट, डिजिटल प्रशिक्षण और मार्केटिंग सहायता दिए जा रहे हैं। इस साल जुलाई के पहले सप्ताह तक इस योजना के तहत 29.95 लाख व्यक्तियों को फायदा मिल चुका है। इससे शहरी और ग्रामीण, दोनों तरह की गरीबी दूर करनें में मदद मिली है। इसका यह मतलब नहीं कि ऑक्सफैम की रिपोर्ट को अनदेखा कर दिया जाए। इसके अनुसार देश में आर्थिक असमानता बहुत ज्यादा है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश के सबसे अमीर महज एक प्रतिशत लोगों के पास देश की चालीस फीसद से ज्यादा की संपत्ति है, जबकि सबसे गरीब आधी आबादी के पास सिर्फ तीन प्रतिशत संपत्ति है। यह असमानता आय, संपत्ति और अवसरों में भी साफ तौर पर दिखती है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 77 फीसद % हिस्सा है।

कुछ अलग

अधूरा जवाब

अधूरा जवाब पेट्रोलियम एवं प्रावृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने बृहस्पतिवार को हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में दो टूक कहा कि रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रातिबंधों की धमकी को भारत गंभीरता से लेता ही नहीं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा था कि भारत सहित जो देश रूस से कच्चा तेल खरीदते हैं उनके खिलाफ वह ज्यादा टैरिफ लगा देंगे जिसे दूसरे शब्दों में अमेरिका प्रातिबंध की धमकी देता है। पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने स्पष्ट करते हुए कि भारत के लिए कच्चे तेल का टोटा नहीं है। भारत पहले 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था तब वह रूस से अपने वुल आयातित तेल का 2 प्रातिशत मात्र कच्चा तेल आयात करता था। आज स्थिति बदल गई है। भारत वुल 40 देशों से तेल खरीदता है।रही बात रूस से तेल आयात करने की तो फरवरी 2022 में रूस यूव्रोन युद्ध के बाद जब यूरोपीय देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया तो भारत ने रूस से 40 प्रातिशत तेल खरीदना शुरू कर दिया। कहने का मतलब यह है कि हरदीप पुरी ने यह स्पष्ट किया कि यदि भारत ने अमेरिकी टैरिफ टेरर से बचने के लिए रूस से कच्चा तेल आयात करना बंद कर भी दिया तो देश की ऊर्जा व्यवस्था को कोई क्षति नहीं होगी।

देश दुनिया से

कुदरती आपदा में हमारी जिम्मेवारी व समाधान

जिला मंडी में आई आपदा ने पूरे प्रदेश को दर्द और पीड़ा में डुबो दिया है। बाढ़ पीड़ितों का दर्द देखा नहीं जा रहा। हर व्यक्ति अपने सामथ्र्य के अनुसार तन, मन और धन से उनका दर्द बांटने में लगा है। प्रकृति के कहर से अपनों को खोने के जख्म तो शायद ही कभी भर पाएंगे, परंतु जीवन को पटरी पर लाने के लिए भी कम मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। यही अनुकूल समय है जब मंदिरों, मठों के खजाने का मुंह आपदा प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए खोल दिया जाना चाहिए। आस्था के धन का मानवता के उद्धार के लिए प्रयोग हो, इससे बढ़िया मंदिरों के धन का सदुपयोग क्या हो सकता है? पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर आपदा से लेकर अब तक निरंतर आपदा प्रभावित लोगों से मिल रहे हैं, उन्हें हौसला दे रहे हैं। प्रशासन पूरी लगन से कार्य कर रहा है। पत्रकार बंधु अपनी जान जोखिम में डाल कर पल-पल की खबर सब तक पहुंचा रहे हैं। कुल मिलाकर स्थिति बहुत ही भयानक और दर्दनाक है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अभी बरसात का मौसम बहुत लंबा चलेगा। पहाड़ सुरक्षित नहीं रहे, अब कौन जाने कब क्या हो? बारिश के मौसम में पूरे प्रदेश के बहुत से स्थानों पर घरों में दरारों का आना, जमीन का धंसना, पहाड़ों से मलबा गिरना जैसे समाचार अखबारों की सुर्खियां बन लोगों को चिंता में डाल कर बेचैन कर जाते हैं। परंतु प्रदेश की ऐसी स्थिति हुई क्यों, यह सोचना होगा। क्या पर्यावरण से छेड़छाड़ या शासकीय प्रशासकीय और राजनीतिक भ्रष्टाचार का नतीजा है यह सब? क्या मानव के लालच के आगे घुटने टेकती प्रकृति का प्रतिशोध माना जाए इसे या नदी-नालों का मार्ग अवरुद्ध कर घर बनाने का दुस्साहस कहें इसे? विकास को गति देती हमारी व्यवस्था में बैठे काले नागराजों की धृष्टता समझें इसे या अपरिपक्व एवं भ्रष्ट ठेकेदारों की अवैज्ञानिक ढंग से पहाड़ों के सीने

पर चलाई गई पोकलेन का नतीजा समझें? जिस प्रकार बाढ़ पीड़ितों का दुख बांटने के लिए हम एकजुट हुए, क्या उसी प्रकार पर्यावरण को बचाने के लिए हम एकजुट नहीं हो सकते? हम आपदा आने ही क्यों देते हैं? क्या हम आपदा को रोक नहीं सकते? सरकारों के अप्रिय फैसलों के खिलाफ हम अकेले-अकेले संघर्ष करने को बाध्य क्यों हैं? आज बिजली महादेव को रोपवे बनाने के खिलाफ वहां के लोग अकेले विरोध कर रहे हैं, हम सब प्रदेशवासी उनका साथ क्यों नहीं दे सकते? हम उनकी आवाज में अपनी आवाज क्यों मिला नहीं सकते? वो अपने देवस्थल को बचाना चाहते हैं, अस्था पर पर्यटन की छाया नहीं पडऩे देना चाहते, पेड़ों को कटने नहीं देना चाहते, पर्यावरण को बचाना चाहते हैं, तो इसमें गलत क्या है? हर बड़े प्रोजेक्ट के पीछे कुछ प्रभावशाली लोगों के स्वार्थ छुपे होते हैं, क्यों यह समझ नहीं पाते हम? पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की जमीन पर टूरिज्म विलेज का विरोध बस कुछ एक लोगों ने किया, क्यों सब साथ में नहीं चले? क्यों हम नहीं समझ पाते कि मौजूदा व्यवस्था में हमारी चुनी हुई सरकारों और हमारे चुने हुए गलत नुमाइंदों का अब सामाजिक कार्य की दृष्टि से आम जनता के उत्थान से कोई सरोकार नहीं रहा है। वो केवल अपने एवं अपने चेलों चांटों के घर भरने और सत्ता का मजा लूटने आते हैं। भू-माफिया, खनन माफिया, नशा माफिया, कोई बाहरी लोग नहीं होते, उनका सत्ता से गहरा नाता होता है, सत्ता आए या जाए, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, हर सरकार में वो अपनी गोटियां फिट कर लेते हैं, यही कारण है कि आज तक अवैध खनन बंद नहीं हुआ क्योंकि हमारे नुमाइंदों को महंगे उपहार एवं नकदी इस माफिया से मिलती रहती है। लेकिन इस खनन का खामियाजा आम, गरीब और बेकसूर जनता को भुगतना पड़ता है। वर्ष 2023 की बरसात में जिला कांगड़ा के सुलाह एवं जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्रों में जमीन का धंसना और लोगों के घरों का जमींदोज होना आज तक कोई समझ नहीं पाया। यही वो क्षेत्र हैं जहां पिछले कई वर्षों से लगातार अवैध खनन हो रहा है जिसे रोक पाना किसी भी सरकार के वश में नहीं रहा अब तक, लेकिन क्यों? भ्रष्ट व्यवस्था से लडऩा आम आदमी के बस में नहीं, वो तो केवल अपनी बेबसी पर मात्र आंसू बहा सकता है। जलवायु परिवर्तन से पूरी दुनिया जूझ रही है, समय-समय पर संगोष्ठियां और चिंतन होते रहते हैं, परंतु कारगर कदम सरकारों द्वारा उठाए नहीं जाते, न ही आम आदमी जलवायु परिवर्तन के प्रति सचेत है। आय बढ़ाने के विभिन्न स्रोतों की तरफ ध्यान तो है, परंतु दुष्परिणामों की किसी को कोई चिंता नहीं। इसी कड़ी में सरकारें पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा दे तो रही हैं, परंतु सोचना यह भी होगा कि प्रदेश की कुल जनसंख्या में से कितने प्रतिशत लोग इस व्यवसाय से लाभान्वित हो रहे हैं और वो कौन लोग हैं? ऐसे लोग राजनीति के कितने करीब हैं और टूरिज्म इंडस्ट्री से सरकार की कुल जीडीपी में कितने प्रतिशत की हिस्सेदारी है? अब उन लोगों के विषय में भी सोचना होगा जिन्हें टूरिज्म इंडस्ट्री से पर्यावरण को हुए नुकसान का खामियाजा भुगतना पड़ा और अपना घर-बार, खेत-खलिहान, संपत्ति, सब गंवाना पड़ा।

आप का नजरिया

घायल पांव, सफर इक त्रासदी

एक ओर हिमाचल त्रासदी की खुली किताब अब दर्द बता रही है, तो दूसरी तरफ केंद्र से राहत का चैप्टर खोलने का अनुनय-विनय जारी है। कम से कम मंडी त्रासदी में अगर सबसे पहले डूबे हैं, तो वे सारे चुनावी घोषणा-पत्र, जो हिमाचल को दिल से लगाते हुए बताते रहे कि किस तरह काम आएंगे, लेकिन बाढ़ के बाद पत्थरों पर चलना अब हमारी मजबूरी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अपने साथ आपदा के सारे अध्याय लेकर दिल्ली गए, तो मुलाकातों के मर्म में एक दुहाई देखी गई। एक साथ कई दरबार और दस्तक करती हिमाचल सरकार। सुनें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी कि पहाड़ ने देश को पानी भेजते-भेजते अपने कलेजे पर कितने वार कर लिए। एक पहाड़ी और प्रगतिशील राज्य की कितनी मीनारें गिरी और कांच के कवच में बैठी खुशहाली छिन्न-भिन्न हो गई। यह पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के पांव बता रहे हैं कि राहत का कितना सफर बाकी है। सुक्खू को सुनें या न सुनें, सुनाने के लिए जयराम ठाकुर के प्रयास केंद्र तक पहुंचने चाहिएं। भाजपा के राष्ट्राध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से बाढग़्रस्त क्षेत्रों की आहों की अरदास सुनी जानी चाहिए। एक बहुत बड़ा इलाका जिंदगी और देश से कटा है। वहां कटे-फटे हजारों किस्से मिलेंगे, इस खंडहर में अभी दर्द बाकी है। इसलिए अमित शाह चाहें तो नड्डा और जयराम ठाकुर से पूछ कर एहसास कर लें या सीधे राज्य सरकार की दरख्वास्त पर एहतराम कर लें। नदियां पूजने वाला देश, पानी में गंगाजल ढूंढने वाला देश, ब्यास नदी में तैरते शवों से पूछ ले कि उनकी मौत ने कितने असहाय पल देखे। अभी शवों की खोज में त्रासदी का यथार्थ पीछा कर रहा है, यह आग चिता की नहीं, कहीं किसी का रिश्ता, कहीं किसी का दिल जल रहा है। हिमाचल वर्षों से आपदा के सिंहासन पर बैठा राष्ट्रीय नीतियों और प्राथमिकताओं से जूझ रहा है। इसलिए जब कभी मौका मिलता है, प्रदेश की आर्थिक वकालत में दर्द का हर तर्क गुजारिश करता है। अब आशाओं के पुष्प अगर 16वें वित्तायोग से नजर आते हैं, तो राजस्व घाटा अनुदान जारी रखने की वजह ऐसी त्रासदियों में देखी जाए। अगर फिर से सराज विधानसभा में जयराम ठाकुर की आंखों में सपने देखने हैं, तो 16वें वित्तायोग के अध्यक्ष डा. अरविंद पनगढिया को पहाड़ के मजमून बताने पड़ेंगे। पहाड़ अपने व्यवहार में पहाड़ है, इसलिए जीने का हर लम्हा मोहलत है। पर्यावरण के नाम पर तमाम बंदिशें और जीने के नाम देश का स्पर्श उधार का। चंद दिनों में बरसात ने हजार करोड़ का विकास, जीने का आकाश और आगे बढऩे का प्रयास छीन लिया, तो हम कितनी बार लौटकर अपनी आर्थिक शून्यता से लड़ते रहेंगे। पहाड़ को एकमुश्त योजनाएं-परियोजनाएं चाहिएं, जो सिर्फ पहाड़ का नेतृत्व करें। केंद्र में पहाड़ को देखने का सामथ्र्य तब होगा, जब एक अलग से पर्वतीय विकास मंत्रालय होगा। हमें मैदानी इलाकों का आर्थिक वायुमंडल नहीं मिला और न जीवन और जमीन का संतुलन मिला है, लिहाजा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के बजाय पर्वतीय विमर्श की एक नई पहचान चाहिए। कनेक्टिविटी के सारे रास्ते नितिन गडकरी से जुड़ते हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी की हर घोषणा हिमाचल को उपहार बन कर मिली है और यही वजह है कि फोरलेन में त्रासदी के बावजूद गुजर जाने का रास्ता मिल रहा है, लेकिन सत्य यह भी है कि मंडी के एक रोपवे ने पूरे सराज की बाहों में मदद का जोश भर दिया। ऐसे में कनेक्टिविटी के अगले चरण में रज्जुमार्गों का एक ऐसा नक्शा चाहिए, जो हमारी सामाजिक व आर्थिक धडक़नों को जोड़े रखे। इसी परिप्रेक्ष्य में कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के साथ-साथ हेलिपोर्ट विकास की गाथा से पर्वतीय दुरुहता को उडऩे के लिए पंख मिलेंगे। जाहिर तौर पर आज हिमाचल जहां खड़ा या पहुंचा है, वहां विकास का एक चरण, एक अध्याय पूरा हो चुका है। अब भविष्य की नई चुनौतियों के बीच उभरा यह दर्द, हमारे अस्तित्व की परिभाषा बदल रहा है। इसी दर्द के शब्द अब केंद्र को सुनकर, इनका अर्थ समझते हुए हिमाचल को नई प्राथमिकताओं और मदद की रियायतों से जोडऩा होगा।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अपने साथ आपदा के सारे अध्याय लेकर दिल्ली गए, तो मुलाकातों के मर्म में एक दुहाई देखी गई। एक साथ कई दरबार और दस्तक करती हिमाचल सरकार। सुनें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी कि पहाड़ ने देश को पानी भेजते-भेजते अपने कलेजे पर कितने वार कर लिए। एक पहाड़ी और प्रगतिशील राज्य की कितनी मीनारें गिरी और कांच के कवच में बैठी खुशहाली छिन्न-भिन्न हो गई।

दृष्टि कोण

पारिवारिक तनाव का समाधान कैसे हो?

मनोविज्ञान से जुड़ी अनेक रिपोर्ट्स बता रही हैं कि पारिवारिक परेशानियों के कारण देश में आत्महत्याओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह एक बड़ा सामाजिक सरोकार है। आइए, इस बिंदु को खंगालें और कुछ हल टटोलें। हर दूसरे, तीसरे व्यक्ति में, पारिवारिक टेंशन, यानी कि पारिवारिक तनाव आजकल उफान पर है, यह एक ज्वलंत सामाजिक चिंता का बिंदु है। इससे परिवार के सभी सदस्य प्रभावित हो जाते हैं। क्यों बढ़ रहे हैं आजकल पारिवारिक तनाव, यह अपने आप में एक बहुत बड़ा सामाजिक सरोकार है। पारिवारिक तनाव परिवार के किसी एक या ज्यादा सदस्य को होने वाला तनाव होता है। आजकल यह तनाव परिवार के सदस्यों के बीच के भावनात्मक संबंधों, मनोदशा, कल्याण और पारिवारिक संबंधों को प्रभावित कर रहा है, और परिवारों को बिखेर रहा है। यूं तो परिवार के सदस्यों के बीच में नोकझोंक होना आम बात है, परंतु यदि यह नोकझोंक लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह विवाद में बदल जाती है, जिसकी वजह से बेहद करीबी लोग भी एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं। इसका हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। पारिवारिक विवाद बच्चों के मानसिक विकास में रुकावट डालने के साथ-साथ घर के बड़ों के लिए भी बेहद नकारात्मक रूप से कार्य करता है। हमारे आसपास यही कुछ देखने में विदित हो रहा है। पारिवारिक टेंशन यानी तनाव को काबू करना आसान काम नहीं होता है, पर बावजूद इसके, यदि आपके घर में लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा है और परिवार के सदस्यों को डील करना आपके लिए मुश्किल होता जा रहा है, तो इस स्थिति में खुद के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने की जगह अपनी भावनाओं को प्राथमिकता देना सीखें। समझें कि कौनसी स्थिति, आपको तनाव दे रही है, यदि बात अधिक बिगड़ती जा रही है तो इस स्थिति में खुद को प्राथमिकता दें। इन मामलों से खुद को कुछ

समय के लिए दूर कर लें, जब मन शांत हो तो शांति से लोगों से बातचीत करें और मसले का हल निकालने की कोशिश करें। यदि आप हर वक्त परिवार में चल रहे विवाद को सुलझाने की कोशिश करते रहते हैं, तो इसका आपके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ चीजें समय के साथ खुद ठीक हो जाती हैं, साथ ही अन्य लोगों को भी चीजों को सही करने का मौका देना चाहिए। हमेशा सलाह देने और किसी काम को करने के लिए लोगों पर दबाव बनाने से आपकी मानसिक स्वास्थ्य भी खराब होती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि खुद को मानसिक रूप से शांत रखने के लिए परिवार के सदस्यों से बेवजह की उम्मीद रखने से बेहतर है, चीजों को स्वीकार करें, यह जरूरी नहीं है कि परिवार के सभी सदस्य आपके विचार से सहमत हों, ऐसे में चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच अपनी बात को मनवाने के लिए विवाद को बढ़ावा न दें। दूसरों के विचारों को समझें और उसे अपनाएं। ऐसा करने से लोग आपकी लिए गए निर्णय को भी वैल्यू करेंगे और परिवार में नोकझोंक भी कम होगी। यदि आपके घर में पैसे से जुड़े मुद्दों को लेकर बात-विवाद चल रहा है या किसी प्रकार के अन्य संवेदनशील मुद्दे पर, तो इस स्थिति में विवादित मुद्दों पर बार-बार चर्चा न करें। क्योंकि ऐसा करने से घरेलू मतभेद अधिक बढ़ सकता है, जिससे केवल दूसरे लोग परेशान नहीं होंगे, बल्कि यह आपको भी पूरी तरह से बेकाबू कर देगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव बना रहेगा , जिससे आप की कार्यक्षमता पर भी असर दिखेगा । आपके लिए विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है। चोट लगने की आशंका है। आप आज ऊर्जा से भरपूर हैं, जो आपके काम में भी स्पष्ट दिखाई देगी । अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने साथी के लिए कुछ समय निकालें। आज आप किसी पर संदेह कर सकते है। कुसंगति से दूर रहें। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का ध्यान रखें। प्रसन्नता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का किसी सहयोगी से विवाद हो सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं स्वास्थ्य परेशान कर सकता हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन जबरदस्त रहेगा। आज आप को अनजान व्यक्तियों से मेलझोल बढाना पड सकता हैं। आप को कुसंग से दूर रहना चाहिए । सामाजिक रूप से आपका सम्मान होगा। खर्च मे कमी हो सकती है। आज आप विपरीत परिस्थिति सामना करेंगे । आज आप जीवनसाथी को घूमने लेकर जाए । किसी मुद्दे पर उनकी सलाह लेकर काम करें। आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। प्रसन्न रहें। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा बनें मन प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बडे बुजुर्गो का आशीर्वाद लेकर ही दिन की शुरुआत करें वाणी पर संयम रखें आपका किसी के साथ विवाद हो सकता है। कार्य क्षेत्र में बाधा आ सकती है। युवाओं को सफलता मिलेगी। नया काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आपको धन लाभ होने की संभावना है।जीवनसाथी की जरूरतों का ध्यान रखें। निवेश कर सकते हैं। कामकाजी लोगों को खुशखबरी मिलेगी। पैतृक मामले में प्रगति होगी। समय पर जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करें। नंदी को दाल का भूसा खिलाए गौ सेवा करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खर्चा ज्यादा होगा मित्रों से विचार विमर्श करें । आज आपको किस्मत का सहयोग प्राप्त होगा। कुसंगति से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में शामिल होंगे। व्यवसाय में लाभ होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। प्रसन्न रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । युवाओं को नौकरी मिल सकती है। नए प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू कर सकते हैं। किसी से विवाद होने की आशंका है। लम्बीत कार्य को पहले पूरा करें अनावश्यक तकलीफें दूर रहेंगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने मे कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीतेगा अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगा। बाहर जाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज अच्छे कार्यो पर आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंता में रहेंगे। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अनजान लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। कर्ज लेनदेन करते समय विशेष सावधानी रखें। आज यात्रा करनी पड रही हैं तो गुड का सेवन करके प्रस्थान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ भागमदौड ज्यादा ही होगी थकावट का अनुभव होगा । कामकाजी लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुरता रहेगी। कुछ नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। छात्रों का दृढ़ संकल्प और मेहनत रंग लाएगी। अगर आप अविवाहित हैं और विवाह सम्बन्ध के लिए परेशान है तो दुर्गा की उपासना करें कार्यसिद्धि होगी मनोवांछित परिणाम मिलेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप को कर्म का फल मिलेगा भाग्य आप का साथ देगा दिन शानदार रहेगा । धन लाभ होने की संभावना है। नए काम में मन लगेगा। किसी की मदद कर सकते हैं।प्रभु की आराधना से शांति मिलेगी। आपको पदोन्नति मिल सकती है। आपको खुशखबरी मिल सकती है। अनजान लोगों से सतर्क रहें। अपने मित्रों के साथ घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं सतर्क रहें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शिक्षा से जुडे हुए लोगों को लाभ मिलेगा एवं पदोन्नति भी सम्भव हैं प्रसन्न रहेंगे। किसी भी विवाद का हिस्सा न बनें। अपने जीवनसाथी को उपहार जरूर दें । आज घर की जिम्मेदारी के चलते व्यस्त रहेंगें। युवाओं को कैरियर के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शासकीय कार्य लंबित रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। क्षमता के अनुसार सफलता प्राप्त होगी। आज आप मे जोश और उर्जा का संचार रहेगा । आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य को लाल चंदन से अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें आपका दिन ऊर्जावान रहेगा । काफी शांत महसूस करेंगे। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। योजनाएं बनेंगी। आज अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे। आपको परिवार के सदस्य की छोटी–मोटी तकलीफ होने पर देखभाल करनी पड़ सकती है। मित्रों से मुलाकात होगी। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे शहर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें आप को घात पहुंचा सकते हैं आप को सूज–भूज का परिचय देना पडेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शारीरिक तौर आप को परेशानी हो सकती हैं ज्यादा महनत के काम से परहेज करें । जीवनसाथी की किसी बात से तनाव में रहेंगे। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न करें। किसी कार्य में काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिसकी आपको जरुरत नही है। बोलचाल के दौरान सावधान रहें। कोई आपकी सरल स्वभाव का लाभ उठा सकता है। रिश्तेदारों के यहां कार्यक्रम मे जाना पड सकता हैं खर्चा भी ज्यादा हो सकता हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यस्तता के कारण आप परिवार को समय नही दे पांएगे । व्यवसाय मे धन सम्बन्धित कमी का सामना करना पडेगा। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने में जलदबाजी न दिखाएं। तनाव दूर होगा। उधार की रकम वापस मिल सकती है। लोग आप को भ्रमित कर सकते हैं बडे सीनियर्स से वाद विवाद जैसी स्थिति बनेगी आपको हितैषी का साथ मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप द्रिज है तो यज्ञ करके ही काम की शुरुआत करें सबसे पहले अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। आपको सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान उठाना पड सकता है। बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से घिर सकते हैं। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। लोन की रकम जमा कर पाएंगे। जमीन और कन्स्ट्रक्शन कारोबार में निवेश करना आप को लाभ देगा । आपकी योजना फलीभूत होगी। किसी से भी बातचीत करते समय शब्दों का चयन बडी समझदारी से करें आप की प्रतिष्ठा बढेगी सामाजिक तौर पर लाभ दिखेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 जुलाई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 07:07 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 07:25 तक
योग : ध्रुव दोपहर 03:32 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:07 तक
चन्द्रराशि : वृषभ प्रातः 08:15 तक
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भौम प्रदोष व्रत, त्रयोदशी तिथि का क्षय ,
भद्रा रात्रि 04:40 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सड़क तंत्र सुदृढ़ीकरण को लेकर की बैठक

चंडीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में सड़क तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अंतर्राज्यीय सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हरियाणा में प्रवेश करने वाली सभी सड़कें दुरुस्त होनी चाहिए, ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

नायब सिंह सैनी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों की मरम्मत एवं विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए और गुणवत्ता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सड़कों को गड्ढा–मुक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित की जा रही मोबाइल ऐप की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि हर विभाग अपनी सभी सड़कों को शत–प्रतिशत चिह्नित कर जल्द से जल्द ऐप पर अपलोड करना सुनिश्चित करे।

उन्होंने निर्देश दिए कि मोबाइल ऐप सरल होनी चाहिए ताकि आमजन उसका आसानी से उपयोग कर सके। इस एप्लीकेशन में आमजन प्रदेश में क्षतिग्रस्त सड़कों या सड़कों में गड्ढों की शिकायत दर्ज कर सकेंगे, इससे त्वरित निपटान सुनिश्चित करते हुए सड़कों का सुधार किया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक यश गर्ग और हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश कुमार आहुजा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत के प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक स्कूल में श्रीमद्भागवत गीता पढ़ाई जानी चाहिए : विज

चण्डीगढ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि हिन्दूस्तान के प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक स्कूल में श्रीमद्भागवत गीता पढाई जानी चाहिए क्योंकि श्रीमद्भागवत गीता हमारी संस्कृति है, हमारा धर्म है और हमारी विचारधारा भी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हरियाणा के बच्चों को गीता का ज्ञान जानने का अधिकार है, अतः श्रीमद्भागवत गीता पढाई जानी चाहिए। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा उत्तराखण्ड के बाद हरियाणा में भी श्रीमद्भागवत गीता पढाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

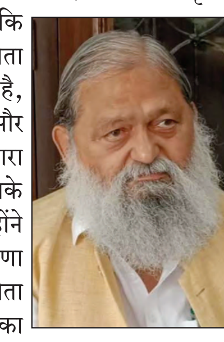

उन्होंने कहा कि हिन्दूस्तान के हर आदमी और हर स्कूल में श्रीमद्भागवत गीता पढाई जानी चाहिए क्योंकि यह हमारी संस्कृति भी है ओर हमारा धर्म भी है और हमारी विचारधारा भी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती में भगवान श्रीकृष्ण जी ने अर्जुन को गीता का संदेश दिया था और हरियाणा के बच्चों को यह जानने का अधिकार है कि श्रीकृष्ण जी ने अर्जुन को गीता में क्या ज्ञान दिया था। इसलिए श्रीमदभागवत गीता पढाई जानी चाहिए।

विज ने कहा कि राहुल गांधी जी को देश के 140 करोड लोगों पर विश्वास नहीं हैं और न ही देश की सेना पर विश्वास है तथा न ही देश के प्रधानमंत्री पर विश्वास है, उनको तो केवल पाकिस्तान पर विश्वास है। राहुल गांधी जी वही बात कहेंगें जिस पर पाकिस्तान को विश्वास है।

हरियाणा के नव नियुक्त राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने ली शपथ

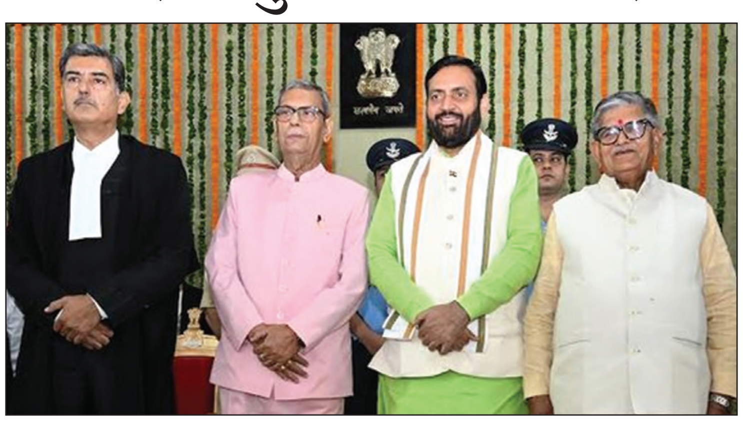

चंडीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के नव नियुक्त राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने सोमवार को राज्य के 19वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। हरियाणा राजभवन में आयोजित समारोह में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू ने प्रो. अशीम कुमार घोष को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई।

राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष, एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और अनुभवी राजनेता हैं, जो लगभग चार दशकों तक कोलकाता के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रहे। उन्होंने अकादमिक शोध और राजनीतिक विमर्श में सक्रिय योगदान सहित यूजीसी और आईसीएसए–सआर परियोजनाओं पर भी काम किया है और उनके कई लेख प्रमुख प्रकाशनों में प्रकाशित हुए हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनके अलावा, राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी सहित राज्यपाल के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। समारोह में हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, महीपाल ढांडा, डॉ. अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, कृष्ण कुमार बेदी, श्रुति चौधरी, राज्य मंत्री राजेश नागर और गौरव गौतम, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, विधायकगण, विश्वविद्यालयों के कुलपति और वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने शपथ ग्रहण समारोह में आए महानुभावों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनकी बधाई स्वीकार की।

वन भूमि पर अवैध सड़क निर्माण मामला

एक और आरोपी सकुल गिरफ्तार, सरपंच सहित कई पर करोड़ों के लेन–देन का आरोप

चंडीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने रविवार को वन भूमि पर अवैध सड़क निर्माण से जुड़े बहुचर्चित मामले में एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव बसई मेव (जिला नूंह) निवासी सकुल पुत्र रहीम खान को गिरफ्तार किया है। उसे मामले में पहले से दर्ज अभियोग संख्या 18 दिनांक 1 जून 2025 के तहत धारा 201, 318(2), 316(2), 61, 270, 329(3), 303 बीएनएस और माइनिंग, पर्यावरण संरक्षण व भूमि सुरक्षा से संबंधित विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। सतर्कता ब्यूरो की टीम ने आरोपी सकुल के खिलाफ तफतीश के दौरान पर्याप्त साक्ष्य एकत्र किए, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। सोमवार को आरोपी को जिला नूंह की अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी।

प्रकरण के अनुसार, गांव बसई मेव के तत्कालीन सरपंच हनीफ उर्फ अन्ना ने सरकारी अधिकारियों और खनन माफिया के साथ सांठगांठ कर वन विभाग की जमीन पर अवैध रूप से सड़क निर्माण करवाया। ये निर्माण कार्य गांव बसई मेव से राजस्थान की ओर गांव नांगल और छपरा तक दो रास्तों पर कराया गया।

जांच में सामने आया है कि आरोपी सकुल ने इन अवैध रास्तों के निर्माण में अपनी तीन सड़क निर्माण मशीनें लगाईं थीं। उसके बदले सरपंच हनीफ उर्फ अन्ना से उसे भारी रकम मिली थी। यह सारा कार्य बिना किसी वैध अनुमति के वन भूमि पर किया गया था, जो न सिर्फ कानून का उल्लंघन है बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी गंभीर अपराध है।इस मामले में पूर्व में भी कई बड़ी गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। जिनमें बिजेन्द्र राणा (तत्कालीन जिला राजस्व अधिकारी, नूंह), शेर मोहम्मद पुत्र ईशाक और मोहम्मद लतीफ पुत्र अशरू जैसे प्राइवेट व्यक्ति तथा चकबंदी विभाग के तीन अन्य अधिकारी शामिल हैं। सभी को सबूतों के आधार पर पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है।

वहीं, इस प्रकरण में अभी तीन आरोपी शाबिर पुत्र रहमान, शौकत पुत्र रहमान और सरपंच हनीफ उर्फ हन्ना पुत्र रूसतम फरार चल रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए ब्यूरो ने 50–50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा कर दी है। टीम लगातार उनकी तलाश में दबिशें दे रही है।

ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि प्रकरण की तफतीश अभी जारी है और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारी संभव हैं। यह मामला सिर्फ अवैध खनन और भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दर्शाता है कि किस तरह कुछ लोग मिलीभगत से प्राकृतिक संसाधनों और सरकारी जमीनों का दोहन कर रहे हैं। एजेंसियां इस केस को मिसाल के तौर पर आगे बढ़ा रही हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

जयपुर के जामडोली में युवक की हत्या का मामला

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से मुख्य आरोपी घायल, 9 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जामडोली इलाके में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अनस खान सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के दौरान अनस ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान हुई मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लग गई। घायल अनस को उपचार के लिए जयपुरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना शनिवार देर रात की है जब जयपुर के जामडोली थाना क्षेत्र में विपिन नायक नामक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हत्या पुरानी रंजिश के चलते की गई थी। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और आक्रोशित लोगों ने जयपुर–आगरा राजमार्ग पर जाम लगा दिया। बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और न्याय की मांग की। स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने मौके पर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया और क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर कई दुकानों को अस्थायी रूप से बंद करा दिया गया।

पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद पूरे शहर में पुलिस ने दबिश देकर आरोपी अनस को भट्टा बस्ती इलाके से पकड़ा। गिरफ्तारी के समय आरोपी ने पुलिस की पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया, तभी उसके पैर में गोली लगी। पुलिस का कहना है कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई।घायल अनस खान को पहले जयपुरिया अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया, जहां से उसे एक्स–रे जांच के लिए भेजा गया। चिकित्सकों ने पुष्टि की है कि गोली उसके पैर में लगी है और उसका इलाज किया जा रहा है।

राज्य को सहकारिता में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए एकजुट होकर करने होंगे पुरजोर प्रयास: सहकारिता मंत्री

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' राज्य के सहकारी सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि हमें राज्य में सहकारी सेक्टर को और अधिक मजबूत करने के लिए एकजुट होकर पूरे मनोयोग से प्रयास करने होंगे।

सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विभागीय अधिकारियों–कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी ने अपना श्रेष्ठ योगदान दिया।

सभी लोगों ने टीम भावना के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया, जिसके अच्छे परिणाम आए और कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित हो सका।

जस्टिस केआर श्रीराम बने राजस्थान हाईकोर्ट के 43वें मुख्य न्यायाधीश

69 दिन का रहेगा कार्यकाल

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट को सोमवार को नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। जस्टिस केआर श्रीराम ने आज राजभवन में आयोजित समारोह में राजस्थान हाईकोर्ट के 43वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्हें राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा सहित राज्य सरकार के अन्य मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जस्टिस केआर श्रीराम मूलतः महाराष्ट्र से हैं। उन्हें वर्ष 2013 में बॉम्बे हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। वर्ष 2016 में वे स्थायी न्यायाधीश बनाए गए। इसके बाद 27 सितंबर 2024 को उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला था। अब उनका कार्यकाल 27 सितंबर 2025 तक रहेगा। इस प्रकार राजस्थान में उनका कार्यकाल करीब 69 दिन का होगा।

जस्टिस श्रीराम की नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के तहत की गई है। कॉलेजियम ने हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव का स्थानांतरण मद्रास हाईकोर्ट और जस्टिस केआर श्रीराम का स्थानांतरण राजस्थान हाईकोर्ट में करने की सिफारिश की थी। इस सिफारिश को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी की।

हाईकोर्ट को जल्द मिल सकते हैं सात नए न्यायाधीशराजस्थान हाईकोर्ट को एक–दो दिन में सात नए न्यायाधीश मिलने की संभावना भी जताई जा रही है। इनमें एक न्यायिक सेवा से और छह अधिवक्ता कोटे से होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम इन नामों की सिफारिश पहले ही कर चुका है। अब केवल राष्ट्रपति भवन से वारंट जारी होने की औपचारिकता शेष है। यदि सभी नियुक्तियां हो जाती हैं तो यह पहली बार होगा जब राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 40 के पार पहुंच जाएगी। गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 50 है।

यह नियुक्तियां हाईकोर्ट में लम्बित मामलों के शीघ्र निपटारे और न्याय प्रक्रिया की गति को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही हैं।

अलीगढ़ में धर्मांतरण का जाल
97 महिलाएं लापता

अलीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में भी अवैध धर्मांतरण गिरोह के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। गिरोह के झांसे में आईं करीब 97 महिलाओं का पता नहीं चल पा रहा है। ये महिलाएं लापता हैं। खुफिया एजेंसियां और यूपी पुलिस की विशेष टीमें जांच में जुटी हुई हैं।

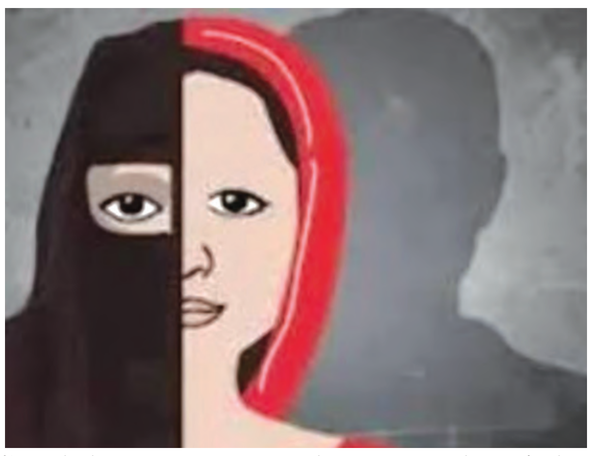

इसका खुलासा पुलिस को उमर गौतम नाम के शख्स की गिरफ्तारी से हुई है। यहा का सरगना उमर गौतम ही था जिसने छांगुर बाबा की तरह पूरा नेटवर्क फैला रखा था। मार्च 2025 में 23 साल और 18 साल की दो सगी बहनें लापता हो गईं थी। पुलिस इन्हें ढूंढ़ रही थी। सोशल मीडिया पर अचानक एक बहन एक-47 के साथ नजर आई। इसके बाद पुलिस के कान खड़े हो गए। दोनों बहनों को अवैध तरीके से धर्मांतरण कराकर कोलकाता के एक मुस्लिम बहुल इलाके में रखा गया था। यहां से दोनों को विदेश भेजने की तैयारी थी। उमर गौतम की गिरफ्तारी के बाद पता चला है कि 2018 में 33 महिलाओं का धर्मांतरण कराया गया था, जिसमें 3 अलीगढ़ की थीं। लेकिन ये नेटवर्क धीरे-धीरे महिलाओं और युवतियों को अपने झांसे में लेने लगा। यही वजह है कि जनवरी से अब तक 97 महिलाएं लापता हैं जिनमें से 17 लड़कियां कम उम्र की (टीनएजर्स) हैं।

पुलिस जांच में ये बात सामने आई है कि गैंग सोशल मीडिया, मोबाइल ऐप, डार्क वेब और दूसरे तरीके से महिलाओं से संपर्क करता था। उन्हें अपने प्रेम जाल में फंसाता था और फिर धर्मांतरण के लिए दबाव डालता था। इस नेटवर्क का संचालन इतना गुपचुप तरीके से होता था कि पुलिस को इतने साल में भनक तक नहीं लगी। गैंग के तार पीएफआई, सिमी, लश्कर ए तैयबा से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। इसकी फंडिंग अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, यूएई जैसे देशों से हो रही थी। यूपी पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के मुताबिक इस गैंग ने सैकड़ों लोगों को धर्मांतरण करवाया। गैंग में ओड़ीशा की एसबी कृष्णा उर्फ आयशा, कोलकाता का शेखर राय उर्फ अली हसन, जयपुर का मोहम्मद अली समेत कई लोग शामिल हैं। इनलोगों को 6 अलग अलग राज्यों से गिरफ्तार किया गया है।

सीएम योगी ने अवैध धर्मांतरण के खिलाफ मिशन अस्मिता चलाने का निर्देश दिया है। इसके तहत आगरा पुलिस ने 6 टीमें गठित की हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी खासा नजर रखा जा रहा है। यह पता चला है कि अवैध धर्मांतरण करा कर भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की मुहिम चलाई जा रही है। सोशल मीडिया पर ये लोग मूर्ति पूजा और हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान करते हैं। ये लोग उन मंदिरों का जिक्र भी करते हैं जिसे मुस्लिम आक्रांताओं ने तोड़ा था। ये लोग हिंदू धर्म के पूजा पद्धति और रीति-रिवाजों का विरोध करते हैं और आपत्तिजनक बयान देतें हैं। इस मामले में पुलिस के रडार पर करीब 50 लोग हैं। इनके सोशल मीडिया, मोबाइल और दूसरे अकाउंट की पुलिस जाँच कर रही है। इसमें भारत के लोगों के मन में जहर घोलने की पुष्टि हुई है।

पुलिस को गोवा की आयशा को कनाडा के सैय्यद दाऊद द्वारा फंडिंग के सबूत मिले। पुलिस को कई वीडियो मिले हैं जिसमें देश विरोधी बातें कही गई हैं। यहां तक की पीएम मोदी के मंदिर जाने के वीडियो के साथ तुरंत ताजमहल दिखता है और पीछे से आवाज आती है कि ये तारीख है इस्लाम से रिश्ते जोड़ने होंगे। बहुत बन चुके सोमनाथ अब तोड़ने होंगे।

पुलिस ने बताया कि गिरोह का नेटवर्क न सिर्फ अलीगढ़ बल्कि प्रदेश के कई हिस्सों में फैला हुआ था, और इसके तार विदेशों से भी जुड़े होने की आशंका है। इस गिरोह का काम करने का तरीका बेहद सुनियोजित था। अलग-अलग मॉड्यूल बनाए गए थे: एक ग्रुप फंडिंग जुटाता, दूसरा लोगों को कट्टरपंथ की ओर धकेलता, और तीसरा उन्हें छिपाने की व्यवस्था करता। गिरोह में शामिल लोग फंडिंग, सुरक्षित ठिकाने, कानूनी सलाह और नई सिम कार्ड जैसी सुविधाएं मुहैया कराते थे। खासकर गरीब और कमजोर तबके की महिलाओं को निशाना बनाया जाता था। कुछ मामलों में महिलाओं को डराने-धमकाने और शारीरिक शोषण का भी सहारा लिया गया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस मामले में तेजी दिखाते हुए छह राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, गोवा, उत्तराखंड और दिल्ली से 10 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें से कुछ लोग फंडिंग का इंतजाम करते थे, तो कुछ ब्रेनवॉश करने में माहिर थे। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और एंटी-टेरर स्क्वॉड (एटीएस) इस जांच में शामिल हैं। खुफिया एजेंसियां भी इस नेटवर्क के विदेशी कनेक्शन, खासकर अमेरिका और कनाडा से आने वाली फंडिंग की जांच कर रही हैं।

इस नेटवर्क में छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन का नाम भी सामने आया है, जिसे पहले ही एटीएस ने गिरफ्तार किया था। छांगुर ने लखनऊ में भी धर्मांतरण का एक अड्डा बना रखा था। उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन के साथ पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए। यह गिरोह 15 साल से ज्यादा समय से सक्रिय था और हनी-ट्रैपिंग, प्रशासनिक दबाव और नाबालिगों को निशाना बनाने जैसे हथकंडे अपनाता था। लापता 97 महिलाओं के परिवार सदमे में हैं। कुछ महिलाओं ने धर्मांतरण के बाद धमकियां मिलने की शिकायत की है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा निर्णय
पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।

अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी। हालांकि, समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियाँ, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को अब तक विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं।

अद्यतन स्थिति के अनुसार, एक ओर जहां कई गांवों में वर्षों से खेती कर रहे परिवारों ने भूमि पर स्थायी आवास बना लिए हैं, वहीं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम आज भी दर्ज नहीं हैं। दूसरी ओर, कुछ ग्रामों में वास्तव में आज भी उन परिवारों का कोई अस्तित्व नहीं है, जिन्हें पहले वहां बसाया गया था। कई परिवारों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए भूमि पर कब्जा किया है, जिससे समस्या हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं, क्योंकि यह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संवेदनशील प्रयास दशकों से उपेक्षित विस्थापित परिवारों के लिए एक नई उम्मीद और गरिमापूर्ण जीवन का द्वार खोलने वाला साबित हो सकता है। इसे केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए।

संभल जामा मस्जिद नहीं, हरिहर मंदिर है
सुनवाई होगी पांच अगस्त को

संभल, 21 जुलाई (एजेंसियां)। संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए दाखिल किए गए वाद की सुनवाई अब पांच अगस्त को होगी। वकीलों की हड़ताल होने के कारण सोमवार को सुनवाई नहीं हो पाई। संभल की शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर दायर वाद में सोमवार को चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह के न्यायालय में सुनवाई हुई। अधिवक्ताओं की हड़ताल के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायालय ने सुनवाई के लिए अगली तारीख पांच अगस्त नियत की है।

मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। हालांकि उच्च न्यायालय ने 19 मई को ट्रायल कोर्ट के सर्वे कमीशन के आदेश को सही ठहराते हुए निचली अदालत में सुनवाई पर लगी रोक हटा दी है। संभल में 19 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी, अधिवक्ता हरिशंकर जैन समेत आठ लोगों ने सिविल जज सीनियर डिवीजन जनपद संभल स्थित चंदौसी आदित्य कुमार सिंह के न्यायालय में वाद दायर किया था। 21 जुलाई दिन सोमवार को सुनवाई होनी थी।

वादी पक्ष से केला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी समेत दोनों पक्षों से लोग न्यायालय पहुंच गए। जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता शकील अहमद वारसी ने बताया कि सावन के दूसरे सोमवार और एक अधिवक्ता के आकस्मिक निधन होने पर अधिवक्ता हड़ताल पर रहे। जिससे सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायालय ने मुकदमे की सुनवाई के लिए अगली तारीख पांच अगस्त नियत कर दी है। संभल की शादी जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे के मामले दायर किए गए मुकदमे में पक्षकार बनने के लिए गाजियाबाद के सिमरन गुप्ता ने सिविल जज सीनियर डिवीजन जनपद संभल स्थित चंदौसी आदित्य कुमार सिंह के न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें उनका कहना है कि हम सनातनी हैं हमें भी उक्त मुकदमे में पक्षकार बनाया जाए।

न्यायालय ने वादी व प्रतिवादी पक्ष से आपत्ति मांगी है। इस मामले में प्रतिवादी पक्ष ने पहले ही आपत्ति दाखिल कर दी है। एएसआई और भारत सरकार के अधिवक्ता विष्णु कुमार शर्मा ने बताया कि सोमवार को वादी पक्ष से भी आपत्ति दाखिल की गई। इस पर अब सुनवाई पांच अगस्त को होगी।

बिजली चोरों पर सरकार का नहीं कोई जोर
ईमानदार उपभोक्ताओं से वसूलेंगे 186 करोड़

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बिजली निगम बिजली चोरों से 186.93 करोड़ रुपए की वसूली करने में नाकाम रहा है। अब बिजली की दरें बढ़ाकर ईमानदार उपभोक्ताओं से चोरी की भरपाई की जाएगी। बिजली निगम ने विद्युत नियामक आयोग को बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव सौंपा है। इस पर सोमवार को जनसुनवाई हुई। प्रस्ताव में घाटे का हवाला देते हुए दरें बढ़ाने की मांग की गई है। खास ये है कि राजधानी में एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच 191.75 करोड़ की बिजली चोरी पकड़ी गई। इसमें से मात्र 5.82 करोड़ रुपए ही वसूले गए हैं। बिजली चोरों से 186.93 करोड़ वसूलने में नाकाम बिजली निगम अब ईमानदार उपभोक्ताओं पर बिजली दरों का बोझ बढ़ाकर भरपाई करना चाहता है।

आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अमौसी, लखनऊ मध्य, जानकीपुरम और गोमतीनगर जोन में बिजली निगम की टीमों ने 8,992 बिजली चोरी के मामलों का भंडाफोड़ किया। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई और कुल चोरी की गई बिजली के एवज में 191.75 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया।

बिजली चोरों से वसूली के लिए जिम्मेदार जेई, एसडीओ, एक्सईएन कितने संजीदा थे, इसका अंदाज वसूली की रकम से लगाया जा सकता है। अब तक अफसर मात्र 5.82 करोड़ रुपए ही वसूल सके हैं, जो कुल रकम को मात्र तीन प्रतिशत है। वसूली में असफलता के लिए सीधे तौर पर स्थानीय जेई, एसडीओ और एक्सईएन जिम्मेदार हैं। इस मामले में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे कहते हैं कि जब घाटा बिजली चोरी और कर्मचारियों की लापरवाही से हो रहा है, तो उसकी भरपाई हर महीने बिल चुकाने वाले ईमानदार उपभोक्ताओं से क्यों की जा रही है? उपभोक्ता पहले से ही बिजली की महंगी कीमत चुका रहे हैं। बिजली दरों में बढ़ोतरी कहीं से तर्कसंगत नहीं। सच ये है कि निगम निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए ही बिजली दरों को बढ़ाने पर आमादा है।

बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोधी और उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि प्रबंधन बिजली चोरों को उनके जुर्माना पर 65 प्रतिशत की छूट देकर खुद बिजली चोरी को बढ़ावा दे चुका, जिससे घाटा हो रहा है। इस घाटे की भरपाई के लिए आम उपभोक्ता की बिजली किसी भी हालत में महंगी नहीं होने देंगे। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के अनुसार राजधानी में एक साल में 191.75 करोड़ की बिजली चोरी पकड़ी गई। प्रदेश में 75 जिले हैं, यदि लखनऊ में इतनी चोरी है तो पूरे प्रदेश का आंकड़ा हजारों करोड़ तक हो सकता है। बिजली निगम अब तक यह स्पष्ट नहीं कर पाया है कि कितनी वसूली हुई है और वसूली में फेल साबित हुए अफसरों व इंजीनियरों पर क्या जवाबदेही तय की गई।

लखनऊ की 50 लाख आबादी में 14.5 लाख कनेक्शनधारक हैं, जिनमें से करीब 20% उपभोक्ता मीटर में गड़बड़ी कर बिजली चोरी कर रहे हैं। अनुमान है कि शहर में एक लाख से अधिक जगहों पर बिजली चोरी हो रही है।

अभियंता संघ ने किया विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम में बिजली की दरों को तय करने के लिए सोमवार को नियामक आयोग में सुनवाई हुई। इस दौरान बाहर अभियंता संघ ने विरोध प्रदर्शन किया। सभी पक्षों की बात सुनने के बाद नियामक आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि इस पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा। अब 25 जुलाई को सलाहकार समिति की बैठक होगी। इस बैठक के बाद बिजली दर निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उम्मीद है कि अगस्त के पहले सप्ताह में बिजली दरें घोषित कर दी जाएगी।

नवोदय विद्यालय के 150 छात्र हॉस्टल में हुए बंद
प्रधानाचार्य पर लगाए गंभीर आरोप

लखीमपुर खीरी, 21 जुलाई (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी जिले में मितौली कस्बा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के करीब 150 छात्रों ने सोमवार को खुद को हॉस्टल में बंद कर लिया। हॉस्टल का मेन गेट भी अंदर से बंद कर दिया। छात्रों ने प्रधानाचार्य पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। लखीमपुर खीरी के मितौली कस्बा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में करीब 150 छात्रों ने सोमवार को विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए खुद को हॉस्टल के कमरों में बंद कर लिया, जिससे जिला प्रशासन तक खलबली मच गई। सूचना मिलते ही तहसील स्तरीय अधिकारी मौके पर पहुंच गए। शाम पांच बजे तक छात्र हॉस्टल से बाहर नहीं निकले थे। अधिकारी बच्चों को समझाने का प्रयास कर रहे थे। छात्रों ने मांगें पूरी न होने पर खुदकुशी करने की धमकी दी। कमरों में बंद छात्रों ने वीडियो भेजे हैं। इससे मामला और गंभीर हो गया है। पुलिस भी मौके पर मौजूद है।

सोमवार की सुबह जवाहर नवोदय विद्यालय में सीनियर हॉस्टल के छात्र अपनी मांगों को लेकर हड़ताल करने लगे। उनका आरोप है कि विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा बच्चों के प्रति गलत रवैया अपनाया जा रहा है। छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, जिससे हॉस्टल व परिसर में भय का माहौल है। छात्रों ने कई और गंभीर आरोप लगाते हुए अपने आप को कमरों में कैद कर लिया।

पीएसी जवानों को मिला अत्याधुनिक सुविधाओं वाला भवन
26वीं वाहिनी पीएसी के लिए बना 11 मंजिला बैरक टावर तैयार

गोरखपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। कानून व्यवस्था मजबूत बनाए रखने में पीएसी (प्रोविंशियल आर्म्ड कांस्टेबुलरी) के योगदान से सभी वाकिफ हैं। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीएसी के जवानों की लॉ एंड ऑर्डर में महत्वपूर्ण भूमिका की कई मंचों से सराहना कर चुके हैं। पीएसी के जवानों को अत्याधुनिक सुविधा देने के लिए योगी सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर खासा जोर दे रही है। इसी सिलसिले में गोरखपुर में स्थित 26वीं वाहिनी पीएसी परिसर में जवानों के लिए 200 की क्षमता का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुमंजिला बैरक बनकर तैयार हो गया है। जल्द ही इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों होने की उम्मीद है।

26वीं वाहिनी पीएसी में 11 मंजिला बैरक टावर बनाने के लिए 11 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत स्वीकृत की गई थी। अब यह टावर बनकर तैयार है। टावर के भूमि तल पर डायनिंग हाल, लॉबी किचन, बरामदा, टॉयलेट, दो लिफ्ट, दो स्टेयरकेस का निर्माण कराया गया है। टावर के प्रथम तल पर डायनिंग हाल, ओपेन टैरेस, लॉबी, रिक्रिएशन हाल, टॉयलेट, लिफ्ट, स्टेयरकेस निर्मित है। जबकि द्वितीय तल से 11वें तल तक प्रत्येक फ्लोर पर चार कमरे बनवाए गए हैं। हर कमरा पांच जवानों की क्षमता का है। इसके अलावा चार टॉयलेट, लिफ्ट और स्टेयरकेस का निर्माण हुआ है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए गए इस बैरक टावर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, आरसीसी टैंक, सेप्टिक टैंक, विद्युत आपूर्ति हेतु डीजी सेट, फायर सेफ्टी आदि की भी व्यवस्था की गई है। इसका निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद अब इसके लोकार्पण की तैयारी की जा रही है। बहु मंजिला बैरक टावर बन जाने से अब पीएसी जवानों को रहने में काफी सुविधा हो जाएगी।

छोटी नदियां पुनर्जीवित होकर रोजगार का साधन बनीं

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में नदियों के पुनर्जीवन और जल संरक्षण को लेकर अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत न सिर्फ छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है, बल्कि इस कार्य से ग्रामीणों को भरपूर रोजगार भी मिला है। जल संरक्षण और रोजगार सृजन को समर्पित इस अभियान से गांव-गांव में खुशहाली आ रही है। नदी पुनरुद्धार कार्यों के माध्यम से प्रदेश में अब तक करीब एक करोड़ मानव कार्य दिवस के रोजगार सृजित किए गए हैं। इससे न केवल श्रमिकों को आजीविका मिली, बल्कि जल संसाधनों का भी व्यापक स्तर पर संरक्षण हो रहा है। यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक मजबूती का कारण बन रहा है। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन उत्तर प्रदेश के परियोजना निदेशक प्रभाष कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रत्येक जिले में एक नदी को पुनर्जीवित किया जा रहा है। यह कार्य मंडल स्तर पर मंडलायुक्त की अगुवाई में जिला गंगा समितियों तथा अन्य विभागों-मनरेगा, सिंचाई, लघु सिंचाई आदि के सहयोग से संचालित हो रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर भी जनभागीदारी सुनिश्चित हो रही है।

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत अब तक लगभग 2000 जल संरक्षण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए गए हैं। इनमें तालाबों की खुदाई, जल निकायों का गहरीकरण, नालों की सफाई और जल संचयन संरचनाओं के निर्माण प्रमुख हैं।

अंडर-19 यूथ टेस्ट : रेव और एकांश ने इंग्लैंड को दिलाई वापसी

चेल्म्सफोर्ड,21 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के खिलाफ दूसरे अंडर-19 यूथ टेस्ट के पहले दिन रविवार को इंग्लैंड की टीम ने खराब शुरुआत के बाद कप्तान थॉमस रेव और एकांश सिंह की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत जोरदार वापसी की। बारिश से प्रभावित पहले दिन इंग्लैंड ने सात विकेट पर 229 रन बनाए।

बारिश और बादलों से ढके वातावरण में भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और यह फैसला तुरंत सही साबित हुआ। पहले ओवर में ही आदित्य रावत ने बेन डॉकिन्स को पगबाधा आउट किया, और अगली ही गेंद पर हेनिल पटेल ने एडम थॉमस को भी एलबीडब्ल्यू कर दिया। इंग्लैंड का स्कोर बिना रन के दो विकेट हो गया।

रावत और पटेल की धारदार गेंदबाज़ी के सामने इंग्लैंड ने 46 रन पर चार विकेट गंवा दिए। इसके बाद बेन मेयस ने कुछ आक्रामक शॉट्स खेलकर हालात को संभालने की कोशिश की। उन्होंने रावत के खिलाफ शानदार चौका लगाकर अपना इरादा जाहिर किया और रेव के साथ 34 रन की साझेदारी की। लेकिन अम्बरीश की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में वे आउट हो गए। कप्तान थॉमस रेव ने संयम और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाज़ी की। शुरुआत में कुछ कैच चूकने से उन्हें जीवनदान मिला, लेकिन बाद में उन्होंने शानदार कट और ड्राइव शॉट्स खेले। उन्होंने केंट के ऑलराउंडर एकांश सिंह के साथ छठे विकेट के लिए 90 रन की अहम साझेदारी की। रेव ने 59 रन बनाए जबकि एकांश 66 रन बनाकर नाबाद लौटे।

भारत की ओर से आदित्य रावत और आरएस अम्बरीश ने दो-दो विकेट लिए, जबकि लेग स्पिनर नमन पुष्पक को भी दो सफलता मिली। पुष्पक ने रेव को गुगली पर स्लिप में कैच आउट करवाया, लेकिन इससे पहले उन्हें एक ओवर में 20 रन भी पड़े थे।

एकांश सिंह ने 53 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया, जिसमें उन्होंने स्वीप शॉट पर छक्का भी लगाया। अंत में राल्फी एल्बर्ट (16) और जेम्स मिंटो (18*) ने भी उपयोगी योगदान दिया और इंग्लैंड को प्रतिस्पर्धात्मक स्कोर तक पहुंचाया।

स्कोरकार्ड :

इंग्लैंड अंडर-19: 229/7 (एकांश सिंह 66* नाबाद, थॉमस रेव 59)

भारत अंडर-19: आदित्य रावत 2 विकेट, आरएस अम्बरीश 2 विकेट, नमन पुष्पक 2 विकेट।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में वाराणसी के राज पाण्डेय ने जीता कांस्य पदक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में 16 से 20 जुलाई तक आयोजित सीनियर राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश के वाराणसी के राज पाण्डेय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में देशभर के सभी राज्यों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। वाराणसी स्थित आर.बी. मार्शल आर्ट्स एकेडमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे राज पाण्डेय ने 63.5 किलोग्राम पुरुष सीनियर भार वर्ग में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार खेल का प्रदर्शन किया और पदक अपने नाम किया। उनके कोच अरविंद कुमार यादव ने बताया कि राज का यह प्रदर्शन उनकी मेहनत, अनुशासन और तकनीकी कौशल का परिणाम है। इस उपलब्धि पर किकबॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अरविंद शेरवालिया ने राज पाण्डेय को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा और संघर्षशीलता को दर्शाती है। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में राज और भी ऊंचाइयों को छुएंगे।

अमेरिकी गोल्फर स्कॉटी शेफ़लर ने जीता पहला ब्रिटिश ओपन खिताब

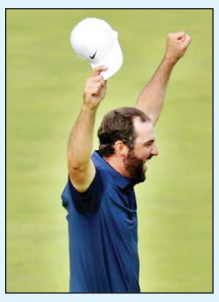

पोर्तरश, नॉर्दर्न आयरलैंड। अमेरिका के स्टार गोल्फर स्कॉटी शेफ़लर ने रविवार को रॉयल पोर्तरश में खेले गए ब्रिटिश ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला ब्रिटिश ओपन खिताब चार शॉट की बढ़त से जीत लिया। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शेफ़लर ने आखिरी राउंड में 68 का स्कोर किया। वे पहले से ही चार शॉट की बढ़त के साथ दिन की शुरुआत कर चुके थे। उन्होंने शुरू में तीन बर्डी लगाई, हालांकि आठवें होल पर एक बंकर से बाहर न निकल पाने के कारण उन्हें डबल-बोगी झेलनी पड़ी। इसके बावजूद, शेफ़लर की बढ़त कभी भी गंभीर खतरे में नहीं आई और उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में दबदबा बनाए रखा। यह शेफ़लर का चौथा मेजर खिताब और इस साल का दूसरा मेजर खिताब है। उन्होंने मई में पीजीए चैंपियनशिप भी जीती थी। 29 वर्षीय शेफ़लर ने कुल 17 अंडर पार के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। अमेरिका के ही हैरिस इंग्लिश और क्रिस गॉटेरअप क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे, जिससे शीर्ष तीन स्थानों पर अमेरिकी खिलाड़ियों का कब्जा रहा।

पाक कोच ने पहले टी20 में हार के बाद पिच पर उठाये सवाल

ढाका। बांग्लादेश ने यहां हुए पहले ही टी20 मैच में पाकिस्तान को हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है हालांकि इस हार का ठीकरा पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने पिच पर फोड़ दिया। हेसन ने कहा कि ये पिच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर की नहीं थी। इस मैच में पाकिस्तान की टीम 109 रन ही बना पाये और बांग्लादेश की टीम ने ये लक्ष्य 15.3 ओवर में ही तीन विकेट खोकर बड़े आराम से हासिल कर लिया। इस प्रकार उसने पाकिस्तान पर पहले टी20 में 7 विकेट से जीत हासिल कर ली। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और फखर जमान 44 रनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज मैदान पर टिक नहीं पाया। हेसन ने कहा, यह पिच किसी भी मैच के लिए भी सही नहीं है। टीमें एशिया कप या टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही हैं और उनके लिए इस प्रकार की पिच पर खेलना ठीक नहीं है। यह पिच अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं मानी जा सकती है। मुख्य कोच ने कहा कि ऐसी पिचों पर खेलने से बांग्लादेशी टीम को विदेशी धरती पर कोई लाभ नहीं बल्कि नुकसान ही होगा। उन्होंने साथ ही कहा, क्रिकेटरों को निखारने के लिए अच्छे विकेटों की जरूरत होती है। बीपीएल के दौरान कुछ अच्छे विकेट थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर को देखा जाये तो ये विकेट उतने अच्छे नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि यह पिच किसी के लिए भी अच्छी है। फिर भी हम अपनी टीम की खराब बल्लेबाजी के लिए कोई बहाना नहीं बना रहे।

कैमरून और मिचेल के अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त ली

जमैका,21 जुलाई (एजेंसियां)।

कैमरून ग्रीन और मिचेल ओवन के अर्धशतकों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जमैका में खेले गए पहले टी20 क्रिकेट मैच में तीन विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले खेलते हुए आठ विकेट पर 189 रन बनाए। इससे बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 18.5 ओवरों सात विकेट खोकर हासिल कर लिया।

कैमरून ग्रीन ने 26 गेंदों में 51 रन जबकि मिचेल ओवन ने 27 गेंदों में 50 रन बनाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 32 रनों पर ही सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग का विकेट गिर गया। इसके बाद कप्तान शाई होप ने रोस्टन चेज के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 91 रन बनाये। रोस्टन ने 32 गेंदों में दो छक्कों और नौ चौकों के साथ 60 रन बनाये जबकि शाई होप ने तीन छक्कों और चार चौकों के साथ 55 रन बनाये।

इनके अलावा शिमरोन हेटमायर ने 38 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने सबसे अधिक चार विकेट लिए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीमी भी लड़खड़ा गयी पर कैमरून ने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 80 रन बनाकर टीम को जीत की राह पर ला दिया।

कैमरून ने 26 गेंदों में पांच छक्के और दो चौके लगाकर 51 रन बनाये। वहीं मिचेल ने 27 गेंदों में छह छक्कों की सहायता से 50 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर, अल्जारी जोसेफ और गुडाकेश मोती ने दो-दो विकेट जबकि अकील हुसैन ने एक विकेट लिया।

रिंकू की मंगेतर प्रिया खेतों में काम करती नजर आयीं

जौनपुर। भारतीय टीम के क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर और सपा सांसद प्रिया सरोज जमीन से जुड़ी नेता हैं। उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा हुई हैं। इसमें वह अपने क्षेत्र की महिलाओं के साथ पानी से भरे खेतों में काम करती दिखीं। वीडियो में प्रिया पानी भरे खेत में धान की रोपाई करती नजर आ रही है। रिंकू से सगाई की बाद से ही प्रिया चर्चाओं में रही हैं। प्रिया सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उन्होंने सगाई की भी तस्वीरों को साझा किया था। वहीं अब प्रिया ने खेती करते हुए का एक वीडियो साझा किया है। उनके ये वीडियो जमकर वायरल भी हो रहा है। लोगों ने उनकी सादगी की सराहना की है। हाल ही में रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई लखनऊ में हुई थी जिसमें खेल और राजनीति जगत के दिग्गज भी शामिल हुए थे। रिंकू और प्रिया की शादी की पहले दिसंबर में वाराणसी में होने वाली थी पर रिंकू के व्यस्त क्रिकेट मैच के कार्यक्रम को देखते हुए शादी की तारीख आगे बढ़ा दी गई। रिंकू जहां एक मध्यवर्गीय परिवार से आते हैं और अपनी मेहनत के बल पर भारतीय टीम तक पहुंचे हैं। वहीं प्रिया एक राजनीतिक परिवार से आती हैं। रिंकू जहां क्रिकेट में व्यस्त रहने के कारण दसवीं भी नहीं कर पाये हैं। वहीं प्रिया उच्च शिक्षित हैं। रिंकू 2023 में कोलकाता नाइटराइडर्स की और एक पारी में लगातार पांच छक्के मारने के बाद से ही चर्चाओं में आये थे। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शमी अगले सत्र में बंगाल से खेलकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे

कोलकाता,21 जुलाई (एजेंसियां)।

फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब अगले सत्र में पश्चिम बंगाल टीम से खेल सकते हैं। शमी को इस सत्र के 50 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। वह 28 अगस्त से शुरु होने वाली दलीप ट्रॉफी में भी पूर्व जोन की ओर से खेल सकते हैं। इससे शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी।

उन्होंने टखने की सर्जरी के बाद भारतीय टीम के अंतिम बार 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था।

चैंपियंस ट्रॉफी में शमी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा ओर उन्होंने पांच मैचों में नौ विकेट लिए थे। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शमी की नई टीम सनराइजर्स हैदराबाद छठे स्थान पर रही थी। इसमें भी उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने नौ मैचों में केवल छह विकेट लिए और उनकी इकॉनमी 11.23 रन प्रति ओवर रही।

युनाइटेड के खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलते दिखे भारतीय क्रिकेटर

लंदन। कप्तान शुभमन गिल सहित कई अन्य भारतीय क्रिकेटर मैनचेस्टर में 23 जुलाई बुधवार से शुरु होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले फुटबॉल खेलते नजर आये। इस मैच से पहले भारतीय खिलाड़ियों की मुलाकात मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों से हुई। ऐसे में कई भारतीय खिलाड़ी क्लब की जर्सी पहनकर खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलने लगे। वहीं इस दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक फुटबॉलर को गेंदबाजी करते दिखे। भारतीय क्रिके बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के फुटबॉल की जर्सी पहने की तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया पर जारी की है। इसमें टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी रेड डेविल्स के साथ फुटबॉल खेलते दिख रहे हैं।

स्कोटी स्वीफर क्लेरेट जग ट्रॉफी को पकड़े हुए

उत्तरी आयरलैंड में अमेरिका के स्कोटी स्वीफर क्लेरेट जग ट्रॉफी को पकड़े हुए।

अगले माह होने वाले एशिया कप से पहले सुधार करें हॉकी टीम : श्रीजेश

नई दिल्ली,21 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगस्त में होने वाले एशिया कप के लिए टीम को काफी सुधार करना होगा। श्रीजेश के अुनसार एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और इससे टीम की आंखे खुल जानी चाहिये। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए, हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी पर अवसरों का लाभ नहीं उठाने से परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा।

यह परिणाम हमें एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले सुधार की जरुरत पर बल देने के संकेत दे रहा है। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। एशिया कप 2025 बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा। वहीं एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक खेले जाएंगे। पुरुष राष्ट्रीय अंडर-21 टीम के मुख्य कोच ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका मुख्य काम यह तय करना है कि खिलाड़ी दबाव का सामना करना सीखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, 'एक कोच के रूप में मेरा काम खिलाड़ियों पर से दबाव कम करना है। मैं उन्हें बताता हूँ कि जूनियर विश्वकप के दौरान लगभग 10 हजार दर्शक मैदान में रहेंगे जिनकी उम्मीदें आप पर रहेंगी और इससे स्वीकार करना होगा।

टेस्ट मैचों में गेंदें जल्दी खो रही हैं अपना आकार

नई दिल्ली,21 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज में अंपायरों को कई बार गेंद की शेप जांचते हुए देखा गया, खासकर 'रिंग टेस्ट' करते हुए। इसके मायने यह है कि गेंदें जल्दी अपना आकार खो रही हैं। ऐसे में सभी के मन में सवाल उठता है कि जब गेंद बदलनी होती है तो रिप्लेसमेंट गेंदें आती कहां से हैं, उन्हें कैसे परखा जाता है और इस्तेमाल में कैसे लाया जाता है हर टेस्ट मैच से पहले मेजबान राज्य या काउंटी एसोसिएशन चौथे अंपायर को अपने स्टेडियम में खेले गए फर्स्ट-क्लास मैचों में इस्तेमाल की गई पुरानी गेंदें देता है। उदाहरण के लिए, वानखेड़े में मैच हो तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन, और ओल्ड ट्रैफर्ड में हो तो लंकाशायर ये गेंदें देता है।

इन गेंदों को एक खास गेज या माप उपकरण से परखा जाता है। अगर गेंद एक रिंग से निकल जाती है लेकिन दूसरी से नहीं, तो उसे बॉल लाइब्रेरी में रखने योग्य माना जाता है। वहीं से रिप्लेसमेंट गेंदें मैच के दौरान ली जाती हैं। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर करीब 20 रिप्लेसमेंट बॉल्स रखी जाती हैं, लेकिन कुछ देशों में ये संख्या कम भी हो सकती है। अगर जरूरत से ज्यादा गेंदें खराब हो जाएं, तो चौथा अंपायर नई गेंदों के लिए एसोसिएशन से और गेंदें मंगवा सकता है। कभी-कभी टीमों से उनके नेट्स में इस्तेमाल हुई गेंदें भी ली जाती हैं, जिन्हें जांच के बाद रिप्लेसमेंट के लिए चुना जाता है। गेंदों की रिप्लेसमेंट में यह जरूरी नहीं होता कि नई गेंद उतने ही ओवर पुरानी हो जितनी पिछली थी। हरे मैदान पर 60 ओवर तक चली गेंद को सूखे मैदान की 30 ओवर पुरानी गेंद के बदले इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते उसकी गुणवत्ता ठीक हो। लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि रिप्लेसमेंट गेंद बिल्कुल वैसी नहीं होती जैसी खराब हुई हो।

भारत में एशिया कप हॉकी के लिए टीम नहीं भेजना चाहते : पीएचएफ

लाहौर। भारत में अगले माह होने वाले एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान के शामिल होने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। वहीं इसी बीच पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने कहा है कि वह सुरक्षा कारणों से वह अगले माह भारत में होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजना चाहता है। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा है कि उन्होंने इस मामले में एक पत्र भी भेज दिया है। उन्होंने कहा, ''हमने कहा भारत में खेलते समय हमें खतरा है। हमने साफ कर दिया है कि खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने तैयार नहीं हैं। गौरतब है कि एशिया कप विश्व कप के लिए एक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब इस प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में फैसला लेने की जिम्मेदारी एफआईएच और एएचएफ पर है। हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान दे पायेंगे ये सबसे कठिन रहेगा।'' वहीं पाक सरकार ने अभी तक इसपर कोई फैसला नहीं लिया है। हाल ही में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत दौरे पर नहीं जाएगी।

2025-26 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रॉनिक्स रेडीमेड गारमेंट्स में बढ़ा भारत का ग्राफ

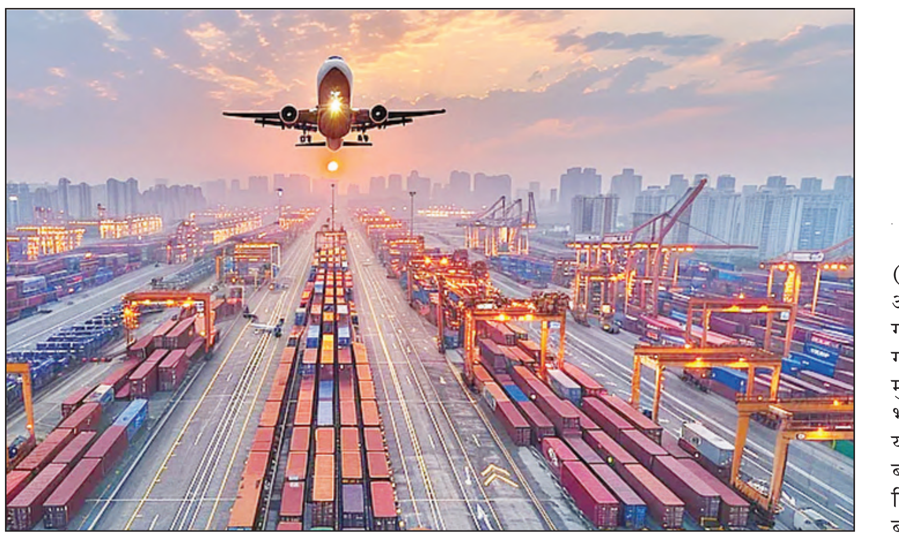

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए अच्छी रही है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडीमेड गारमेंट्स और समुद्री उत्पादों में बढ़ोतरी देखी गई है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून 2025-26 तिमाही में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए अमेरिका, यूएई और चीन शीर्ष तीन एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बनकर उभरे हैं। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़कर 12.41 अरब डॉलर तक पहुंच गई है।

अमेरिका, यूएई और चीन शीर्ष तीन एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बनकर उभरे

अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात का स्थान बन गया है। इसकी हिस्सेदारी 60.17 फीसदी है। रेडीमेड गारमेंट्स के लिए भी अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, जहां 34.11 फीसदी निर्यात होता है। समुद्री उत्पादों के निर्यात में भी 19.45फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसमें अमेरिका 37.63फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा आयातक है। ऐसे में जब भारत वैश्विक बाजारों में अपनी पैठ मजबूत कर रहा है तो दुनिया के सबसे बड़े निर्यातक चीन का टेंशन में होना स्वाभाविक है। भारत का यह बढ़ता ग्राफ न केवल उसकी आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक व्यापारिक समीकरणों में संभावित बदलाव की ओर भी इशारा करता है। स्नभारत का इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल से जून 2025-26 के बीच इस सेक्टर ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़े के मुताबिक भारत ने सबसे ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स सामान अमेरिका, यूएई और चीन को बेचा है। नीदरलैंड और जर्मनी भी भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदने वाले बड़े देश हैं।

इस साल अप्रैल से जून के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़कर 12.41 अरब डॉलर हो गई। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया कि भारत दुनिया के इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में तेजी से जुड़ रहा है। भारत एशिया में एक भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभर रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत की यूपीआई सेवा बनी डिजिटल भुगतान की दुनिया में नंबर वन

नई दिल्ली। भारत अब डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में सबसे आगे है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस सफलता का मुख्य आधार है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई शुरू किया था, जो भारत में पैसे भेजने और प्राप्त करने का सबसे तेज, आसान और भरोसेमंद तरीका बन चुका है। यूपीआई की सबसे बड़ी खासियत है कि यह एक ही मोबाइल ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ने की सुविधा देता है। इससे कोई भी व्यक्ति कुछ ही क्लिक में किसी भी बैंक में पैसे भेज या प्राप्त कर सकता है। जून 2025 तक यूपीआई के जरिए हर महीने लगभग 18.39 अरब लेन-देन होते हैं, जिनकी कुल रकम 24.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यूपीआई से हर महीने 18 अरब के लेनदेन, 49 करोड़ से ज्यादा यूजर्स यह पिछले वर्ष जून के मुकाबले 32 प्रतिशत की वृद्धि है। भारत में 49.1 करोड़ लोग और 65 लाख व्यापारी यूपीआई से जुड़े हैं। 675 बैंक यूपीआई नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे उपयोगकर्ता को बैंक के नाम की चिंता नहीं करनी पड़ती। भारत में डिजिटल लेन-देन का 85 प्रतिशत यूपीआई के जरिए होता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो दुनिया के आधे से अधिक रियल-टाइम डिजिटल भुगतान भारत के यूपीआई से होते हैं। यूपीआई की सेवा यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरिशस जैसे सात देशों में शुरू हो चुकी है। विशेष रूप से फ्रांस में यूपीआई की शुरुआत यूरोप में इसका पहला कदम है, जिससे वहां के भारतीय प्रवासियों को भुगतान करना और भी आसान हो गया है।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स का आईपीओ 24 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली। दक्षिण भारत की प्रमुख होटेल डेवलपर ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 85 से 90 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। कंपनी 24 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक आईपीओ के लिए आवेदन स्वीकार करेगी। एंकर निवेशक 23 जुलाई को बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ पूर्णतः नए शेयर जारी करने पर आधारित है, इसमें कोई ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं है। आईपीओ का कुल आकार 749.6 करोड़ रुपये है। जेएम फाइनेंशियल और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज इस प्रस्ताव के प्रबंधक हैं। कंपनी के शेयर 31 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हो सकते हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने हाल ही में 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट को शेयर बेचकर 126 करोड़ की फंडिंग भी प्राप्त की है।

त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए एडीबी देगा 975 करोड़

अगरतला। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 975.26 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया है। त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम (टीआईडीसी) के चेयरमैन ने बताया कि इस परियोजना के तहत औद्योगिक शेड, बिजली सबस्टेशन, भूमिगत बिजली लाइन, अग्निशमन सेवा स्टेशन और 34 सड़कों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एडीबी द्वारा यह ऋण त्रिपुरा के औद्योगिक क्षेत्रों को विश्वस्तरीय बनाने में मदद करेगा और परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस योजना के अंतर्गत बोधजंगनगर, आर.के. नगर, दुकली और ए.एन. नगर समेत कुल नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार ने दक्षिण त्रिपुरा के संतिरबाजार में 127 एकड़ और उनाकोटी जिले के फटीक्रोय में 28 एकड़ भूमि औद्योगिक क्षेत्रों के लिए आवंटित की है। टीआईडीसी ने इन नए क्षेत्रों में सीमांकन और बुनियादी ढांचा निर्माण का काम शुरू कर दिया है ताकि उद्योगों के लिए भूमि लंबे समय तक खाली न पड़े। वर्तमान में राज्य में दो प्लाईवुड निर्माण इकाइयां संचालित हो रही हैं, और भविष्य में सात और नई इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विपक्ष के हंगामे...

साथ ही, 'आयकर संशोधन विधेयक' पर लोकसभा में 12 घंटे तक विस्तृत चर्चा होगी। इसके अलावा, 'राष्ट्रीय खेल विधेयक' पर 8 घंटे की चर्चा निर्धारित की गई है और 'मणिपुर बजट' पर 2 घंटे की चर्चा होगी।

इसके साथ ही तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने 1975 के आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर चर्चा की मांग की है। वहीं, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ की स्थिति पर चर्चा का आग्रह किया है।उल्लेखनीय है कि इस बार मानसून सत्र 21 जुलाई से लेकर 21 अगस्त तक चलेगा। यह सत्र 32 दिन तक चलेगा। इस दौरान 21 बैठकें होंगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए संसद के दोनों सदन 12 अगस्त से 17 अगस्त तक स्थगित रहेंगे। इसके बाद 18 अगस्त को सत्र फिर से शुरू होगा।

उपराष्ट्रपति...

डॉ. धनखड़ के इस्तीफे के फौरन बाद ही भारत के उपराष्ट्रपति के एक्स हैंडल से धनखड़ की तस्वीर हटा दी गई। इससे भी यह संदेह होता है कि डॉ. धनखड़ के इस्तीफे की कुछ अन्य अंदरूनी वजहें भी हो सकती हैं। देश के राजनीतिक इतिहास में यह दूसरा वाकया है, जब किसी उपराष्ट्रपति ने अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले इस्तीफा दिया हो। इससे पहले वीवी गिरि ने 20 जुलाई 1969 को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

पिछले महीने उत्तराखंड के तीन दिवसीय दौरे पर गए थे। कुमाऊं विश्वविद्यालय में कार्यक्रम खत्म होने के बाद उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई थी। मौके पर चिकित्सकों की टीम ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया था। जिसके बाद वह राज्यपाल गुरमीत सिंह के साथ राजभवन को रवाना हो गए थे। इससे पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि ईश्वर की कृपा रही तो वह अगस्त, 2027 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का पांच साल का कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 को समाप्त हो रहा है। पेशे से वकील धनखड़ उपराष्ट्रपति चुने जाने से पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे।

उपराष्ट्रपति की गैरमौजूदगी में सभापति का पद खाली होने की स्थिति में राज्यसभा के उपसभापति अस्थायी तौर पर कार्यकारी सभापति के तौर पर पद संभालते हैं। मौजूदा समय में राज्यसभा के उपसभापति का पद हरिवंश नारायण सिंह के पास है। ऐसे में वे ही राज्यसभा के कार्यकारी सभापति के तौर पर जिम्मेदारी निभाएंगे। उपराष्ट्रपति पद खाली होने के बाद अगले उपराष्ट्रपति चुने जाने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी कराए जाने का प्रावधान है। चुनाव आयोग अब इस पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करेगा। संविधान के अनुच्छेद 66 के मुताबिक, उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की ओर से गुप्त मतदान द्वारा किया जाता है।

संविधान के अनुच्छेद 66 में उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया का जिक्र है। यह चुनाव अनुपातिक प्रतिनिधि पद्धति से किया जाता है। इसमें वोटिंग सिंगल ट्रांसफरेबल वोट सिस्टम से होती है। आसान शब्दों में इस चुनाव के मतदाता को वरीयता के आधार पर वोट देना होता है। मसलन वह बैलट पेपर पर मौजूद उम्मीदवारों में अपनी पहली पसंद के उम्मीदवार को एक, दूसरी पसंद को दो और इसी तरह से अन्य प्रत्याशियों के आगे अपनी प्राथमिकता नंबर के तौर पर लिखता है। ये पूरी प्रक्रिया गुप्त मतदान पद्धति से होती है। मतदाता को अपनी वरीयता सिर्फ रोमन अंक के रूप में लिखनी होती है। इसे लिखने के लिए भी चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए खास पेन का इस्तेमाल करना होता है।

ऑपरेशन सिंदूर...

अब यह लगभग दो प्रतिशत है। मानसून सत्र में पीएम ने विपक्ष से सकारात्मक बहस का आह्वान किया है।उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को पूरी तरह सफल बताते हुए कहा कि भारत की सैन्य शक्ति का, भारत के सैन्य के सामर्थ्य का रूप दुनिया देख रहा है। भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 फीसदी हासिल किया।आतंकियों के घर में घुसकर 22 मिनट में उसे ध्वस्त कर दिया। बिहार के कार्यक्रम के दौरान जो घोषणा की थी, बहुत ही कम समय में सेना ने वो कर के दिखा दिया। मेक इन इंडिया की ताकत पूरी दुनिया ने देखी है।पीएम ने कहा कि पहलगाम में हुए क्रूर नरसंहार ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया और आतंकवाद तथा उसके केंद्र की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया। दलगत भावना से ऊपर उठकर, पूरे भारत के प्रतिनिधि पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने के लिए एकजुट हुएउन्होंने कहा, हमारी सैन्य शक्ति में बहुत ही दमखम है ये दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्य शक्ति का नया औजार पर दुनिया अचंभित है। मेड इन इंडिया रक्षा उपकरण बन रहे हैं उससे भारत की सैन्य शक्ति को बल मिलेगा। नौजवानों के रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।

नक्सलवाद का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आज नक्सलवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। माओवाद और नक्सलवाद को पूरी तरह उखाड़ने का काम तेज गति से चल रहा है। मैं गर्व से कह सकता हूँ कि देश में सैकड़ों जिले नक्सल की चपेट से निकल कर मुक्ति का साँस ले रहे हैं।

पीएम ने भारत की अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि पहले हम दुनिया में 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे, लेकिन अब हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं।

पीएम ने कहा, देश ने एक स्वर का सामर्थ्य क्या होता है ये देखा है, इसलिए सदन में भी ये स्वर निकले। दल हित में मन मिले न मिले लेकिन देशहित में मन जरूर मिले। इसलिए देश की प्रगति को आगे ले जाने वाले बिल को पास करें।

पीएम ने कहा, बारिश हर परिवार की अर्थव्यवस्था के लिए अहम है। आने वाले दिनों में देश को इससे काफी फायदा मिलेगा। मानसून सत्र देश के लिए गौरवपूर्ण सत्र है। मानसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है। अब तक की खबरों के मुताबिक देश में मौसम बहुत ही अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है। बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था,देश की अर्थव्यवस्था और हर परिवार की अर्थव्यवस्था के लिए अहम है।

जस्टिस यशवंत...

संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत दायर इस महाभियोग प्रस्ताव को भाजपा, कांग्रेस, टीडीपी, जेडीयू, सीपीएम सहित विभिन्न दलों के सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ। प्रस्ताव पर अनुराग ठाकुर, रविशंकर प्रसाद, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, केसी वेणुगोपाल और पीपी चौधरी जैसे सांसदों में हस्ताक्षर किए।

उच्च सदन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्हें न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की मांग वाला एक प्रस्ताव मिला है, जिस पर 50 से अधिक राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर हैं। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हाई कोर्ट जज को पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए जरूरी संख्या से ज्यादा सांसदों का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि अगर एक सदन में प्रस्ताव आए तो प्रीसाइडिंग ऑफिसर के पास यह अधिकार होता है कि वह उसे स्वीकार करे या खारिज कर दे। लेकिन अगर दोनों सदनों में एक ही दिन मोशन आता है, तो यह सदन की प्रॉपर्टी हो जाता है।

राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश, हाई कोर्ट के एक चीफ जस्टिस और एक सदस्य को लेकर तीन सदस्यीय कमेटी बनाई जाती है। इस कमेटी की रिपोर्ट के बाद स्पीकर या चेयरमैन मोशन पर फैसला ले सकते हैं। सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्य सभा के सेक्रेटरी जनरल से इस बात की पुष्टि करने के लिए कहा कि क्या यह मोशन लोकसभा में भी आया है। इस पर कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि लोक सभा में भी सदस्यों ने स्पीकर को मोशन सौंपा है। इसकी पुष्टि होने के बाद राज्य सभा के सभापति ने सेक्रेटरी जनरल को महाभियोग प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। धनखड़ ने यह भी कहा कि उन्हें मिले मोशन पर 55 हस्ताक्षर हैं, लेकिन हस्ताक्षर करने वाले सदस्यों की संख्या 54 ही है। हम इस बात की पुष्टि करेंगे कि किस सदस्य ने दो बार हस्ताक्षर किए हैं। उस सदस्य का दूसरा हस्ताक्षर अमान्य कर दिया जाएगा। संविधान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए राष्ट्रपति के आदेश के बाद, कम से कम 100 लोकसभा या 50 राज्यसभा सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। प्रस्ताव को स्वीकार किया जाए या नहीं, इसका निर्णय अध्यक्ष या सभापति करते हैं।

सभी बारह ...

घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है।मुंबई में 11 जुलाई 2006 को शाम 6 बजकर 24 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट के बीच एक के बाद एक सात ब्लास्ट हुए थे। ये सभी ब्लास्ट मुंबई के पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में करवाए गए थे।खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए थे। ट्रेनों में लगाए गए बम आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था।

पुलिस ने चार्जशीट में बताया था कि मार्च 2006 में लश्कर-ए-तैयबा के आजम चीमा ने अपने बहावलपुर स्थित घर में सिमी और लश्कर के दो गुटों के मुखियाओं के साथ इन धमाकों की साजिश रची थी। पुलिस ने कहा था कि मई 2006 में बहावलपुर के ट्रेनिंग कैंप में 50 युवकों को भेजा गया। उन्हें बम बनाने और बंदूकें चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।

जगन मोहन रेड्डी ...

किया कि रिश्वत की शुरुआत आधार मूल्य के 12 प्रतिशत से हुई और बाद में इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया। तत्कालीन मुख्यमंत्री के सलाहकार, राज कासिरेड्डी उर्फ कासिरेड्डी राजशेखर रेड्डी जो इस मामले में मुख्य आरोपी हैं।

उनको मुख्य साजिशकर्ता और सह-साजिशकर्ता बताया गया है। उन्होंने कथित तौर पर आबकारी नीति में हेराफेरी की है। ऑटोमेटिकली ऑपरेट होने वाली (ओएफएस) प्रॉसेस को मैन्युअल प्रणालियों से बदल दिया और आंध्र प्रदेश राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड में अपने वफादार अधिकारियों को नियुक्त किया।

यह भी आरोप लगाया गया कि राजशेखर रेड्डी ने पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी के साथ मिलकर वाईएसआरसीपी के चुनाव अभियान के लिए 250-300 करोड़ रुपये नकद दिए। कथित तौर पर अपराध की आय को 30 से ज़्यादा फर्जी कंपनियों के ज़रिए पैसा भेजा गया और दुबई तथा अफ्रीका में जमीन, सोना और आलीशान संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया।आरोपियों ने कथित तौर पर उन डिस्टिलरियों से ओएफएस से रोक दिया, जिन्होंने रिश्वत की मांग का विरोध किया था। एसआईटी ने अदालत को बताया कि इस मामले में अब तक 62 करोड़ रुपये जब्त किए जा चुके हैं। एसआईटी ने मामले में 268 गवाहों से भी पूछताछ की।वाईएसआरसीपी सांसद पीवी मिधुन रेड्डी की गिरफ्तारी से एक घंटे पहले चार्जशीट दाखिल किया गया। एसआईटी ने उनसे करीब सात घंटे पूछताछ के बाद उन्हें शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था। लोकसभा में वाईएसआरसीपी के नेता मिधुन रेड्डी पर कथित घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है।

30 किमी लंबी...

इस टनल के निर्माण काम फिलहाल जोरों पर है। निर्माणाधीन परियोजना जोजिला सुरंग भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी द्वि-दिशात्मक टनल बनने के लिए तैयार है। यहां आपको ये जानकर हैरत होगी कि अभी तक ज़ोजिला टनल प्रोजेक्ट के लिए सेल 31,000 टन से भी ज्यादा स्टील की मुहैया करा चुकी है। अगर सबकुछ पहले से तय तरीके से हुआ तो यह टनल साल 2027 तक बन कर तैयार हो जाएगी।

तिरुपति मंदिर में ...

उनका इस मुद्दे पर क्या कहना है।

जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि आप जो भी अनुष्ठान करते हैं, वह ईश्वर के प्रेम का प्रतीक है, इससे बढ़कर कुछ नहीं है। फिर जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि हम आपको उच्च न्यायालय जाने की अनुमति देंगे या आपकी इस अर्जी को यहीं खारिज करेंगे।

जस्टिस सुंदरेश ने पूछा कि क्या इसमें कोई कानूनी आदेश है? इस पर वकील ने कहा कि हमारी प्रार्थना दो संवैधानिक पीठ के फैसलों के अंतर्गत आती है।

जस्टिस सुंदरेश ने पूछा कि क्या अब हम ये कहेंगे कि तिरुपति के लड्डू स्वदेशी होने चाहिए? पीठ ने कहा कि हमने वकील की बात सुन ली है। हम इस पर विचार नहीं करना चाहते हैं। आखिर में वकील ने कहा कि फिर हाई कोर्ट जाने की छूट के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति दें। इसके बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने की छूट दे दें।

ऑपरेशन सिंदूर ...

भारत जिन कंपनियों से संपर्क में है, उनमें अमेरिका की मैक्सर टेक्नोलॉजी भी शामिल है, जो दुनिया की सबसे हाईटेक सैटेलाइट सिस्टम में से एक संचालित करती है। इसके सैटेलाइट 30 सेंटीमीटर तक की उच्च-रिज़ोल्यूशन तस्वीरें ले सकते हैं, जिनसे इन्फ्रास्ट्रक्चर, हथियार प्रणाली और सैन्य वाहनों तक की स्पष्ट पहचान संभव है। हालांकि, मैक्सार के प्रवक्ता ने इस बारे में टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा, 'हम अनुबंध वार्ताओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देते।

अब तक कार्टोसैट और रीसैट जैसे भारतीय सैटेलाइटों ने दुश्मन की हलचलों पर नजर रखने, हमलों की पुष्टि करने और सैन्य रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि कार्टोसैट-3 की वास्तविक ऑपरेशनल रिज़ोल्यूशन करीब 50 सेंटीमीटर तक सीमित है और इसकी एकल उपस्थिति के चलते बार-बार एक ही क्षेत्र की स्कैनिंग करना संभव नहीं हो पाता - जो तेजी से बदलते युद्धक्षेत्र में बेहद जरूरी होता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने एसबीएस-3 (अंतरिक्ष आधारित निगरानी)कार्यक्रम के तहत 52 नए सैटेलाइटों की तैनाती की प्रक्रिया तेज़ कर दी है। इनमें ज़मीन और समुद्र दोनों सीमाओं की निगरानी के लिए उन्नत इमेजिंग और हर मौसम में काम करने वाले सैटेलाइट शामिल होंगे। एक अधिकारी ने बताया, 'इन सैटेलाइटों की लॉन्चिंग अगले साल से शुरू होगी और 2029 तक पूरी तैनाती पूरी कर ली जाएगी।'

पिछले वर्ष अक्टूबर में केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 3.2 बिलियन (करीब 26,000 करोड़ रुपये) की मंजूरी दी थी। इसमें शुरुआती 21 सैटेलाइट इसरो तैयार करेगा और लॉन्च करेगा, जबकि शेष 31 सैटेलाइट निजी कंपनियों द्वारा बनाए जाएंगे। इस पूरे सिस्टम का संचालन डिफेंस स्पेस एजेंसी के अधीन होगा।

यह कदम भारत की सुरक्षा रणनीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है, जिससे देश को सीमाओं पर हर गतिविधि की सटीक और तुरंत जानकारी मिल सकेगी और किसी भी चुनौती का प्रभावी जवाब समय पर दिया जा सकेगा।

स्मार्ट वॉर रूम...

भारतीय सेना को लगातार पावरफुल बनाने के लिए केंद्र सरकार अहम फैसले ले रही है। इस बीच इंडियन आर्म्ड फोर्सेज एआई तकनीक यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, एआई का इस्तेमाल ड्रोन, सैटेलाइट, हवाई जहाज और जमीन पर लगे सेंसर से मिलने वाली जानकारी को प्रोसेस करने में भी होगा। इस जानकारी को मिलाकर तेजी से फैसले लेने में मदद मिलेगी। पहले भी सेना में एआई के इस्तेमाल की बात हुई थी, लेकिन अब इसे तेजी से लागू किया जा रहा है।

सेना ने 2026-27 तक इन तकनीकों को पूरी तरह से अपनाने का लक्ष्य रखा है। सेना की योजना है कि इन तकनीकों का इस्तेमाल कई क्षेत्रों में किया जाए। इनमें खुफिया जानकारी जुटाना, निगरानी बढ़ाना, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन का प्रबंधन करना, सोशल मीडिया का विश्लेषण करना, दुश्मन की क्षमताओं का पता लगाना शामिल है। एआई चैटबॉट और वॉयस-टू-टेक्स्ट सिस्टम भी इस्तेमाल किए जाएंगे।नई तकनीक में चेहरे की पहचान और असामान्य पैटर्न या खतरों का पता लगाने के लिए भी एआई का इस्तेमाल होगा। सेना ने इन तकनीकों को तेजी से अपनाने का फैसला ऑपरेशन सिंदूर से मिली सीख के बाद लिया है। ऑपरेशन सिंदूर मई में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर किया गया था। इन तकनीकों को लागू करने के लिए एक एआई टास्क फोर्स बनाई जाएगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 22 जुलाई, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
निराश्रित गोवंश, गोशालाओं में आपकी नित्य सेवा का इंतज़ार कर रहा है
आपका छोटा सा सहयोग गौशालाओ में रह रहे गोवंश का कष्ट दूर करने में सहायक होगा
नित्य गोसेवा करें...
Scan for Donation
जय गो माता - जय गोपाल
सीए मुरली मनोहर पलोड़ 9849467807
ओमप्रकाश अग्रवाल 9246532277

पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल का 148वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल ने श्री सालासर हनुमान जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, जगदगिरीगुट्टा के सहयोग से 148वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया। यह शिविर जगदगिरीगुट्टा स्थित श्री सालासर हनुमान मंदिर में भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

स्वास्थ्य सेवाएं और विशेषज्ञ

किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट के सहयोग से शिविर में जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, और आरबीएस जैसी सेवाएं प्रदान की गईं। इसमें डॉ. शशिधर, डॉ. ध्रुव, नर्सिंग स्टाफ स्वप्ना, मीनाक्षी, और अथिरा गौतम (2डी इको), मोहन (बीएमडी), और विपणन विभाग के सहायक प्रबंधक उदय कुमार ने सहयोग दिया।

नेत्र जांच और उपचार

एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल, दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्र जांच की गई। इसमें 91 लोगों को चश्मे वितरित किए गए, और 18 रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए व्यवस्था की गई। ऑप्टोमेट्रिस्ट अजीत, भगवान, विजयलक्ष्मी, भास्कर, और नरसिंह ने इस सेवा में योगदान दिया।

अन्य चिकित्सा सेवाएं

सामान्य चिकित्सा के लिए डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ. अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), और डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस, डिप्लोमा मधुमेह) ने सेवाएं दीं। दंत चिकित्सा सेवाएं एसएनआर डेंटल के डॉ. निखिल और डॉ. नवनीत राज द्वारा प्रदान की गईं। फिजियोथेरेपी सेवाएं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज ने दीं।

आयोजक और स्वयंसेवक

शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, और दीपक गुप्ता थे। स्थानीय भागीदारों में श्री सालासर हनुमान जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, जगदगिरीगुट्टा के प्रहलाद गोयल, जगदीश सोंथालिया, नवीन तुलस्यान, पवन सोंथालिया, अजय सोंथालिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अरुण तुलस्यान, राम किशोर टिबरेवाल, मुकेश सिंह, शंकर सिंह, रामलाल भाटी, और प्रभु दयाल शामिल थे। स्वयंसेवकों में निर्मला केडिया, अनिता अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, सुनैना नरसया, वीरेश बी (सन फार्मा), अग्र महिला मंच, दीपा गर्ग, अंजू गोयल, वंदना अग्रवाल, और समाजसेवी गोपाल सिंह ने सहयोग दिया। इस शिविर का लाभ 187 से अधिक मरीजों ने उठाया।

मधुबाला कलूरी ने मिधानी के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सुश्री मधुबाला कलूरी ने 21 जुलाई, 2025 से मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) के निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले, वह मिधानी में महाप्रबंधक (वित्त) के रूप में कार्यरत थीं।

सुश्री मधुबाला आंध्र विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर हैं और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की फेलो सदस्य हैं।

करियर प्रोफाइल

1993 में मिधानी में लेखा अधिकारी के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली सुश्री मधुबाला ने 32 वर्षों से अधिक के अपने करियर में लेखांकन, लागत निर्धारण, वित्तीय प्रबंधन, बजट, परियोजनाओं, कराधान, और लेखा परीक्षा के क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने 31 मई, 2020 से 26 अक्टूबर, 2020 तक मिधानी में मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में भी कार्य किया।

योगदान और जिम्मेदारियां

वित्त प्रमुख के रूप में, सुश्री मधुबाला ने कंपनी की नीतियों और प्रक्रियाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कंपनी में मजबूत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली लागू करने में अहम भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, वह बोर्ड स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति की सदस्य भी रही हैं।

ईसीआईएल में संगठनात्मक उत्कृष्टता पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र में संगठनात्मक उत्कृष्टता व्यक्तिगत उत्कृष्टता पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शुभारंभ और उद्बोधन

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अनीश कुमार शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (तकनीकी) द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की उत्कृष्टता उसके कार्मिकों की व्यक्तिगत उत्कृष्टता पर निर्भर करती है। उन्होंने कर्मचारियों से अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रगतिशील दृष्टिकोण अपनाने और अपने अधीनस्थ सहकर्मियों को प्रोफेशनल विकास के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

विशेषज्ञों की प्रस्तुति

कार्यक्रम में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त) के. अग्रवाल ने संगठन को उन्नत बनाने के तकनीकी और मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित अधिकारियों को प्रेरित किया। साथ ही, ईसीआईएल के प्रणाली गुणवत्ता आश्वासन वर्ग की अपर महाप्रबंधक सीमा दुरवासिनी ने संगठन के विकास में विभिन्न उत्प्रेरक कारकों पर प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण केंद्र की भूमिका

कार्यक्रम का संचालन कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र (सीएलडीसी) के प्रबंधक एवं प्रभारी डॉ. राजनारायण अवस्थी ने किया। उन्होंने केंद्र द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों को रेखांकित करते हुए भविष्य में और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना की जानकारी दी।

प्रतिभागियों का योगदान और समापन

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जंगम विद्या (उप प्रबंधक), आर. स्वामी (उप अधीक्षक), और सीएलडीसी के प्रशिक्षु वर्षिणी, कृष्णावेनी, चरण, और सृजन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

तेलंगाना सरकार ने 681 नए डायलिसिस रोगियों के लिए पेंशन स्वीकृत की

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार ने 681 नए डायलिसिस रोगियों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत की है, जो पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों के प्रति अपनी कल्याणकारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। पंचायत राज, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दनसारी अनसूया सीतक्का ने पेंशन स्वीकृति के लिए फाइल पर हस्ताक्षर किए, जो राज्य की सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत नवीनतम पेंशन स्वीकृति है।वर्तमान जन सरकार के सत्ता में आने से पहले 4,011 डायलिसिस रोगी पेंशन प्राप्त कर रहे थे। इसके बाद से 4,029 रोगियों को पेंशन दी गई है। नवीनतम 681 लाभार्थियों के साथ अब राज्य में डायलिसिस रोगियों की कुल संख्या, जिन्हें पेंशन दी जा रही है, 4,710 से अधिक हो गई है।नए लाभार्थियों की पहचान अरोह्यश्री हेल्थ केयर ट्रस्ट द्वारा की गई, जिसने योग्य उम्मीदवारों को सहायता सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक सत्यापन प्रक्रिया पूरी की। ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसाइटी ने आवश्यक सत्यापन औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद अंतिम स्वीकृति प्रदान की।

नारनौल अग्रवाल समिति का स्वर्णिम कार्यकाल विजय कुमार जैन बने नए अध्यक्ष

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद-सिकंदराबाद की नारनौल अग्रवाल समिति की साधारण सभा और चुनाव का आयोजन होटल वैज पार्क, बशीर बाग में आयोजित किया गया। इस अवसर पर समिति के नए अध्यक्ष के रूप में विजय कुमार जैन की घोषणा की गई।

साधारण सभा का शुभारंभ समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल द्वारा माता महालक्ष्मी के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सभा का संचालन प्रवेश जैन ने किया। उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने गत साधारण सभा की मिनिट्स प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

पंकज अग्रवाल का स्वागत भाषण

अपने स्वागत भाषण में निवर्तमान अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन चिंतन का अभाव है। उन्होंने 2023-2025 के कार्यकाल को स्वर्णिम बताते हुए कहा कि इस दौरान समिति ने अभूतपूर्व कार्य किए, जिससे समिति का नाम चारों दिशाओं में गौरवान्वित हुआ।

उन्होंने सभा में सदस्यों की कम उपस्थिति पर चिंता जताई और जागरूक सदस्यों की आवश्यकता पर बल दिया। पंकज अग्रवाल ने कहा कि संस्था को मजबूत बनाने के लिए नियमावली से अधिक जागरूक सदस्यों की जरूरत है।

2023-2025: स्वर्णिम कार्यकाल

पंकज अग्रवाल ने अपने कार्यकाल में सभी सदस्यों के सहयोग से किए गए कार्यों को समिति के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय बताया।

उन्होंने सेवा-सहयोग स्कीम के 20 सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में सेवाएं प्रदान करने वाले सदस्यों का विशेष रूप से साधुवाद किया, जिन्होंने नारनौली समुदाय का नाम रोशन किया।

आर्थिक रिपोर्ट और धन्यवाद ज्ञापन

मंत्री तरुण कुमार अग्रवाल ने समिति के प्रति सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत आर्थिक रिपोर्ट को सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभा के अंत में राजेश अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

नए कार्यकारिणी का गठन

चुनाव प्रक्रिया में चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश अग्रवाल ने नए कार्यकारिणी की घोषणा की। निम्नलिखित पदाधिकारियों का चयन किया गया:

अध्यक्ष: विजय कुमार जैन
उपाध्यक्ष: आर. अशोक कुमार
कोषाध्यक्ष: विनोद कुमार जैन
महामंत्री: अशोक कुमार अग्रवाल
सह-मंत्री: सुनील कुमार अग्रवाल

कार्यकारिणी सदस्य: दीपक कुमार अग्रवाल, कपिल बंसल, विशाल बंसल, टी. सुनील कुमार, प्रवेश कुमार जैन, मनोज मित्तल, राजेंद्र अग्रवाल

समापन और बधाई

कार्यक्रम के अंत में निवर्तमान अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजय कुमार जैन का स्वागत कर उन्हें बधाई दी।

इस अवसर पर अनूप कुमार अग्रवाल, बबलू अग्रवाल, मनोज, कपिल, विशाल सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सीरवी समाज बगड़ी नगर, में श्रावण सैर का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के बगड़ी नगर, पिपलाद में सीरवी समाज द्वारा श्रावण सैर का आयोजन सिरी नेसुर्स वेली रिसॉर्ट में धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य सदस्यों और बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में समाज के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे, जिनमें-

अध्यक्ष: तेजाराम परिहार
सचिव: मांगीलाल सोलंकी
उपाध्यक्ष: मांगीलाल परिहारिया
सहसचिव: बाबूलाल सैणचा
कोषाध्यक्ष: राकेश परिहार
मीडिया प्रभारी: भुराराम सैणचा

सलाहकार: मोहनलाल सैणचा, बाबूलाल भायल, शेषाराम परिहारिया, पुरण सैणचा

विशेष अतिथि: मगलराम पंवार, शेषाराम पंवार, मंगल पंवार, बंशीलाल प्रजापति, दुर्गाराम मुलेवा, भंवरलाल काग शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, समस्त भाई-बंधु, महिला मंडल, और नन्हे-मुन्ने बच्चे भी उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

बच्चों के लिए खेल-कूद

प्रतियोगिता

श्रावण सैर के दौरान बच्चों के लिए विशेष रूप से खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिसने बच्चों में उत्साह और जोश का संचार किया।

मेडचल में गौ माता और शिव भोलेनाथ के नाम भजन संध्या का भव्य आयोजन

मेडचल, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेडचल, यल्मपेट विलेज स्थित श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर व नदीशाला में रविवार को एक शाम गौ माता व नदीशाला के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गौ भक्तों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वसमाज के अध्यक्ष, सचिव, कार्यकारिणी पदाधिकारियों, गौशालाओं के प्रतिनिधियों और अनेक गौ भक्तों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस भव्य समारोह में सभी ने एकजुट होकर गौ माता और शिव भोले नाथ की भक्ति में लीन होकर कार्यक्रम को यादगार बनाया।

कन्हैयालाल वैष्णव की भक्ति भजनों की प्रस्तुति

राजस्थान के प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैयालाल वैष्णव एण्ड पार्टी ने गौ माता और गौशालाओं के हित में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। उनके भजनों ने देर रात तक गौ भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। अतिथियों ने गौ माता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौ सेवा मानव जाति का परम कर्तव्य है।

गौशाला और ट्रस्ट का योगदान

श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारिणी अध्यक्ष और गौशाला के प्रमुख ने दानदाताओं व अतिथियों को सम्मानित किया। सभी गौ भक्तों ने तन, मन, धन से सेवा देकर इस आयोजन को सफल बनाया। गौ भक्तों ने दान-पुठ्ळे त्रीरपवश तरश्रश्रशून्य का लाभ उठाकर इस अवसर को विशेष बनाया।

वृक्षारोपण और नदीशाला के लिए संकल्प

रविवार सुबह 9 बजे मारवाड़ी युवा मंच, सिकंदराबाद की ओर से मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भजन संध्या के दौरान श्री रामदेव सेवा समिति ने नदीशाला के लिए एक बड़ा शेड बनाने का संकल्प लिया, जो गौ सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भोजन प्रसाद और सामुदायिक सहयोग

भोजन प्रसाद की व्यवस्था मेडचल के अल आर निवासी ट्रांसपोर्टर समिति के मित्र मंडली, दीपक शर्मा और उनके साथियों द्वारा की गई। भक्तों ने भजनों पर नाच-गाना किया और महाप्रसाद का आनंद लिया। श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर के चेयरमैन, सेवा कार्यकारिणी और गौ भक्तों का विशेष सहयोग इस आयोजन को सफल बनाने में रहा।

समापन और धन्यवाद

कार्यक्रम का समापन पंडित श्री बलवीर प्रसाद पैनोली द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और सामूहिक महा आरती के साथ हुआ। यह आयोजन भक्ति, सेवा और सामुदायिक एकता का प्रतीक रहा।

श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ, रसूलपुरा में 108 दीपक की भव्य महामंगल आरती

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रसूलपुरा में श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ मंदिर में रविवार को परम पूज्य साध्वीश्री भावरत्नाश्रीजी की पावन निश्रा में 108 दीपक की भव्य महामंगल आरती का आयोजन किया गया।

संघ के ट्रस्टी रमेश पी. तातेड़ ने बताया कि इस भव्य आयोजन में संघवी कमलाबाई छगनलालजी कोठारी परिवार, मुंडारा इस महा आरती के गौरवशाली लाभार्थी बने। इस पावन अवसर का लाभ निर्मल कोठारी, रमन कोठारी, रवींद्र कोठारी, आदित, निखिल, राज और सभी परिवारजनों को प्राप्त हुआ। परिवारजनों ने श्रद्धाभाव से आरती में सहभागिता कर इस अवसर की गरिमा को और भी दिव्य बनाया।

सामुदायिक सहभागिता

इस भक्ति पूर्ण आयोजन में संघ के सभी ट्रस्टीगण, श्रावक और श्राविकाओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने इस महामंगल आरती को उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न किया। यह आयोजन श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ मंदिर की आध्यात्मिक महत्ता और सामुदायिक एकता

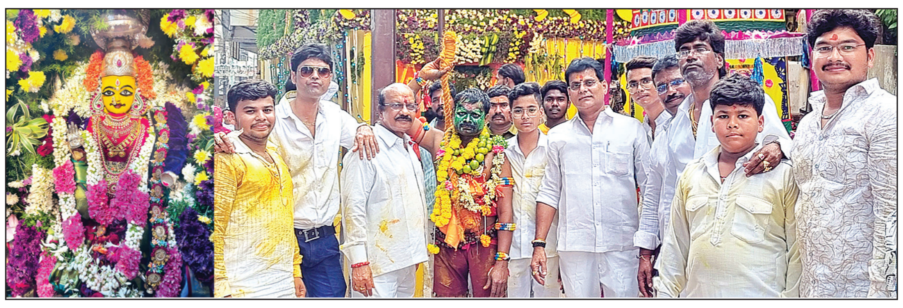

हैदराबाद के चूड़ी बाजार स्थित श्री महान काली माता मंदिर में आज आषाढ़ मास के अवसर पर बोनालु जात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस उत्सव में पोटराज रामू, सुनील साहू, संतोष साहू, नरसिंग प्रसाद, अनिल कुमार, सचिन कुमार, और नितिन कुमार सहित कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन धार्मिक उत्साह और भक्ति के साथ संपन्न हुआ।

श्री अक्कन्ना मदन्ना महानकाली मठ घटम जुलूस में भाग लेते हुए सेंट्रल पीस एंड वेल्फेयर कमेटी के ऑल जोन महासचिव एडवोकेट श्रीकिशन शर्मा, नारायण रेड्डी, मो. मोइज, डॉ. जैन, उमेंद्र, अब्दुल कादर एवं अन्य।

कांवड़ यात्रा का कुशाईगुडा से केसरगुट्टा तक भव्य आयोजन

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुशाईगुडा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से हर साल की तरह इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा प्रातः 10 बजे कुशाईगुडा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से शंकर भगवान के उद्घोष के साथ किशरगुट्टा शिवालयम के लिए प्रस्थान की गई।

किशरगुट्टा कल्याण मंडपम में भगवान भोलेनाथ को भजनों से सम्मानित करने के लिए शिवभक्त राजेश शर्मा, संपत पारीक, गिरिधर, और मुरारी शर्मा ने अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर और उप्पल मंडल अध्यक्ष राम प्रदीप ने कांवड़ को प्रस्थान के लिए रवाना किया।यात्रा में विकास शर्मा, कैलाश शर्मा, दामोदर शर्मा, बोदूलाल शर्मा, आनंद शर्मा, दुलीचंद शर्मा, किशोर शर्मा, सोहन, रामवतार, महेश सैनी, इंद्रपाल सैनी, केदार, ओमप्रकाश चौधरी, सत्यनारायण, आशीष, अमित, नरेश, केके बन्ना, सुरेंद्र सैनी, अखिलेश, शुभम शर्मा, महिला मंडल की कमला देवी शर्मा, ममता शर्मा, प्रेमलता शर्मा, किरण शर्मा, और समस्त शिवभक्त उपस्थित रहे। यह आयोजन धार्मिक उत्साह और भक्ति से परिपूर्ण रहा।

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा बृंदावन में अखिल भारतीय गोशाला महासम्मेलन की तैयारी जोरों पर

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा आगामी अगस्त 2025 में बृंदावन में अखिल भारतीय गोशाला महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह महासम्मेलन गो संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें देश भर से गोशाला संचालक, गोसेवक, और विशेषज्ञ भाग लेंगे।

सम्मानित अतिथियों को निमंत्रण

इस भव्य आयोजन में भाग लेने के लिए महामंडलेश्वर स्वामी श्री ध्यानमूर्ति गिरिज़ी महाराज, श्री चंद्रादासजी महाराज, और उदयन शर्मा को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इन संतों और प्रबुद्ध व्यक्तियों की उपस्थिति इस आयोजन को और अधिक गरिमामय बनाएगी।

आयोजन समिति

आयोजन की सफलता के लिए चेयरमैन श्री महेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक समर्पित समिति कार्य कर रही है। परामर्शदाता श्री बिहारीलाल वशिष्ठ और सहयोगी श्री गौरव रस्तोगी इस महासम्मेलन के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, श्री अनिल कृष्ण शास्त्री इस आयोजन के लिए आशीर्वाद प्रदाता के रूप में अपनी सहभागिता दे रहे हैं।

उद्देश्य और महत्व

यह महासम्मेलन गोशालाओं के सामने आने वाली चुनौतियों, जैसे चारा प्रबंधन, गोवंश की देखभाल, और गो-संरक्षण से संबंधित नीतियों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच प्रदान करेगा। इसके साथ ही, यह आयोजन गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने और गो-संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों को बल देगा।

अपेक्षित प्रभाव

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन का यह प्रयास न केवल गोशालाओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि गो-संरक्षण के क्षेत्र में नए विचारों और समाधानों को भी प्रोत्साहित करेगा। यह आयोजन देश भर में गोसेवा के प्रति लोगों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,02,700/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,17,740/- (प्रति किलोग्राम)

अलीजा कोटला स्थित श्री कोटा मैसम्मा माता मंदिर में बोनालू उत्सव के दौरान भक्तों ने दर्शन किए। इस अवसर पर घांसी बाजार डिविजन की अध्यक्ष नितेश अग्रवाल मंदिर के बाबू राजा और वेंकटेश प्रसन्न के साथ मौजूद रहीं। साथ ही पंकज वर्मा, अनिल बजाज, पवन मिश्रा, सुनील विजयवर्गी, कालीचरण और अन्य भक्त भी उपस्थित थे। उत्सव में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल रहा।

DAILY शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे — Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, PLV PADMAVATHI spouse of Service No. JC 732981P Sub SREENIVASA RAO POLISETTI of Unit:868 (I) FD WKSP, COY EME C/o 56 APO, Pin-906868 have changed my name and DOB from PLV PADMAVATHI, DOB:11-6-1982 to POLISETTI LAKSHMI VENKATA PADMAVATHI, DOB:11-6-1984 vide affidavit dt:21-7-2025 before G. Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Service No. JC 732981P Sub SREENIVASA RAO POLISETTI of Unit:868 (I) FD WKSP, COY EME C/o.56 APO, Pin-906868 that my son name is to be changed from P BHARATH to POLISETTI BHARATH.

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15828623N L/Nk SANDEEP GURJAR of 54 INF DOU hereby declare that my daughter name is to be changed from SNEHA GURJAR to MANYA GURJAR.

CHANGE OF NAME

I, Jennifer Angel R/o Door no. 15-2536/B, Street Jainagar Colony, P.O:Greamspet, Dist:Chittoor, State:Andhra Pradesh, Pin:517002 have changed my name from JENNIFER ANGEL to J. JENNIFER ANGEL vide affidavit dt :21-07-2025 before Judicial Magistrate, Hyderabad, Telangana

CHANGE OF NAME & DOB

I, **NAWAB ALI ANSARI,** S/o Late Md. Sadik Ansari, R/o. Village Tejpurwa Ujeeyar sonwal, P.S. Malahi Bazar, Dist. East Champaran. I have Changed My Daughter from **BABY NOORSHABBA & Date of Birth 01.01.2006** to **NOORSABA NAWAB & Date of Birth 19.11.2008**. Vide Affidavit Dt.03.07.2025 before Hari Om Shreshthi, Advocate & Notary. W. Champaran District.

CHANGE OF NAME & DOB

I, **BEGUM SHABNAM,** W/o Nawab Ali Ansari, R/o. Village Tejpurwa Ujeeyar sonwal, P.S. Malahi Bazar, Dist. East Champaran. I have Changed My name & DOB from **BEGUM SHABNAM ARA and DOB : 12.03.1985** to **SHABNAM ARA DOB : 15.03.1985** .Vide Affidavit Dt.03.07.2025 before Hari Om Shreshthi, Advocate & Notary. W. Champaran District.

CHANGE OF NAME & DOB

I, **NAWAB ALI ANSARI,** S/o Late Md. Sadik Ansari, R/o. Village Tejpurwa Ujeeyar sonwal, P.S. Malahi Bazar, Dist. East Champaran. I have Changed My Daughter from **BABY MUSKAN and DOB : 14.03.2004** to **NOOSRAT NAWAB and DOB : 14.11.2007**.Vide Affidavit Dt.03.07.2025 before Hari Om Shreshthi, Advocate & Notary. W. Champaran District.

CHANGE OF DOB

I, **NAWAB ALI ANSARI,** S/o Late Md. Sadik Ansari, R/o. Village Tejpurwa Ujeeyar sonwal, P.S. Malahi Bazar, Dist. East Champaran. I have Changed My son Abdul Warish Nawab Date of Birth from **15.05.2015** to **15.05.2017** .Vide Affidavit Dt.03.07.2025 before Hari Om Shreshthi, Advocate & Notary. W. Champaran District.

नाम व जन्मतिथि में परिवर्तन

मैं, **नवाब अली अंसारी** पुत्र : स्व. सादिक अंसारी, निवासी तेजपूर्वा उजीयार टोला सोनवल, पोस्ट-सोनवल थाना मलाही बाजार, जिला पूर्वी चम्पारण, मेरी पुत्री का नाम व जन्मतिथि सर्विस रिकॉर्ड में **बेबी नुरशाबा और जन्मतिथि** 01.01.2006 है, जो गलत है। सही नाम **नूरशाबा नवाब और जन्मतिथि** 19.11.2008 है। भविष्य में इसी नाम से जाना जाए। एफडेविट दि. 03.07.2025. एडवोकेट एवं नोटरी हरी ओम श्रेष्ठी.

नाम व जन्मतिथि में परिवर्तन

मैं, **शबनम आरा** पति : **नवाब अली अंसारी** हवलदार, निवासी तेजपूर्वा उजीयार टोला सोनवल, पोस्ट-सोनवल थाना मलाही बाजार, जिला पूर्वी चम्पारण, मेरा सही **शबनम आरा और जन्मतिथि** : 12.03.1985 है, पति के सर्विस रिकॉर्ड में **बेगम शबनम और जन्मतिथि** 15.03.1985 : **है जो गलत** है। सही नाम **शबनम आरा और जन्मतिथि** : 12.03.1985 **है,** भविष्य में इसी नाम से मुझे जाना जाए। एफडेविट दि. 03.07.2025. एडवोकेट एवं नोटरी हरी ओम श्रेष्ठी.

जन्मतिथि में परिवर्तन

मै, **नवाब अली अंसारी** पुत्र : स्व. सादिक अंसारी, निवासी तेजपूर्वा उजीयार टोला सोनवल, पोस्ट-सोनवल थाना मलाही बाजार, जिला पूर्वी चम्पारण, मेरे पुत्र की जन्मतिथि सर्विस रिकॉर्ड में 15.05.2015 है, जो गलत है। सही नाम **जन्मतिथि** 15.05.2017 है। भविष्य में इसी जन्मतिथि से जाना जाए। एफडेविट दि. 03.07.2025. एडवोकेट एवं नोटरी हरी ओम श्रेष्ठी.

नाम व जन्मतिथि में परिवर्तन

मैं, **नवाब अली अंसारी** पुत्र : स्व. सादिक अंसारी, निवासी तेजपूर्वा उजीयार टोला सोनवल, पोस्ट-सोनवल थाना मलाही बाजार, जिला पूर्वी चम्पारण, मेरी पुत्री का नाम सर्विस रिकॉर्ड में **बेबी मुस्कान और जन्मतिथि** 14.03.2004 है, जो गलत है। सही नाम **नूसर्त नवाब** और **जन्मतिथि** 14.11.2007 है। भविष्य में इसी नाम से जाना जाए। एफडेविट दि. 03.07.2025. एडवोकेट एवं नोटरी हरी ओम श्रेष्ठी.

मैसम्मा बोनालू उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

मंचेरियाल,21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वार्षिक गांधारी मैसम्मा बोनालु उत्सव मंदमरी मंडल के बोक्कालगुट्टा गांव में गांधारी मैसम्मा मंदिर में हर्षोल्लास और रंग के साथ मनाया गया जिले भर से श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर में उमड़ पड़े और पूजा-अर्चना के लिए लंबी कतारें लगा दी मंचेरियाल, रामकृष्णपुर, मंदमरी और आसपास के गांवों से श्रद्धालु उत्सव में भाग लेने के लिए विभिन्न परिवहन साधनों का उपयोग करके पहुंचे पारंपरिक अनुष्ठानों के तहत भक्त अपनी खुशहाली और मनोकामना पूर्ति के लिए देवी को मुर्गियाँ और बकरियाँ अर्पित करते थे महिलाएँ अपने सिर पर चावल और गुड़ से बना पवित्र भोजन बोनम रखकर देवी मैसम्मा को अर्पित करती थी कई श्रद्धालुओं ने अस्थायी तंबू लगाए और मंदिर के आसपास के पेड़ों के नीचे भोजन किया जिससे उत्सव का माहौल और भी बढ़ गया वाहनों की भारी भीड़ के कारण मंदिर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 363 पर यातायात अस्थायी रूप से रुक गया हालाँकि पुलिस ने वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की यातायात को नियंत्रित करने भीड़ को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग 100 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था पुलिस उपायुक्त ए. भास्कर और बेल्लमपल्ली के एसीपी रवि कुमार ने घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की।

राजस्थानी समाज की ओर से शिवजी की पूजा अर्चना सम्पन्न

मदनूर, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । हिन्दू पंचयनगन के अनुसार श्रावण महा को कुछ लोग पूर्णिमा से तो कुछ लोग आषाढ़ अमावस्या के बाद श्रावण माह प्रारंभ हुआ है समझाकर भोले नाथ की पूजा अर्चना कर रहे है श्रावण का महीना महादेव को प्रिय है, धार्मिक मान्यता है कि इस महीने में थोड़ी सी शिवजी की पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं और शिवजी भक्तों के सारे दुख दूर कर देते हैं।

सावन में पड़ने वाले सोमवार का खास महत्व माना गया है। मदनूर में राजस्थानी समाज के और से श्रावण मास का पूज्या पाठ पूर्णिमा के दूसरे दिन से ही प्रारंभ किया गया सावन का दूसरा सोमवार के दिन स्थानिक राजस्थानी समाज के लोग।

महादेव की आराधना करने में लगे है उन्होंने हर रोज स्थानिक सोमालिनग़ मंदिर में शिवजी को शुद्ध जलाभिषेक किया शिवजी पर बेल पत्र फूल माला चढ़ाकर आरती उतरी, व भगवान को भोग चढ़ाया गया इस के साथ साथ बालाजी मंदिर में हर रोज शिवजी की आराधना व किया ज्या रहा है इस समय राजेश काकाणी, संतोष व्यास, तोषनीवाल, रामदेव काकाणी, सुनील पारिख, के साथ नीलेश काकाणी व शर्मा उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत श्रावस मास के दूसरे सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नं. 1265 के समीप जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जरूरतमंदों की सेवा की।,कार्यक्रम में-सतीश गुप्ता,रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,संजय गोयल,किरण गोयल,दीपिका गोयल,मुकेश कैटर्स,श्याम सुन्दर अग्रवाल,प्रीतिका अग्रवाल,ई-जगन चम्पापेट,कैलाश चंद केडिया,निर्मला केडिया,युवान केडिया,गोपाल गोयल,हरीश हिंदुजा,शम्मी हिंदुजा,और राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मंचेरियाल में खाद्य विषाक्तता की घटना पर अधिकारियों की प्रतिक्रिया पर अभिभावकों ने जताया रोष

मंचेरियाल,21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल स्थित एक सरकारी छात्रावास में कीड़ों से भरा खाना खाने से कथित तौर पर बीमार पड़े तीन छात्रों के अभिभावकों ने सोमवार को अधिकारियों पर घटना को दबाने का आरोप लगाते हुए रोष व्यक्त किया छात्रों का सरकारी सामान्य अस्पताल में इलाज चल रहा है मीडिया से बात करते हुए अभिभावकों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने जानबूझकर कक्षा आठ की छात्रा थारुनी और कक्षा छह की दो छात्राओं अलकनंदा और रेवंती, के साथ हुए फूड पॉइज़निंग की घटना को छुपाया ये सभी छात्राएँ आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा संचालित एक छात्रावास में परोसे गए भोजन को खाने के बाद बीमार पड़ गई उन्होंने सवाल उठाया कि अधिकारियों ने उन्हें उनके बच्चों की हालत के बारे में क्यों नहीं बताया और इस घटना को छुपाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की माँग की हालांकि कलेक्टर कुमार दीपक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया कि केवल दो छात्राएँ, थारुनी और रेवती, बुखार और टॉन्सिलाइटिस से पीड़ित थीं और उनका मंचेरियल स्थित मातृ एवं शिशु अस्पताल में इलाज चल रहा था उन्होंने आगे कहा कि उनकी हालत स्थिर है कलेक्टर ने यह भी कहा कि कुछ लोग गलत सूचना फैलाकर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे है उन्होंने आगाह किया कि निराधार और झूठी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और लोगों से किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले तथ्यों की पुष्टि करने का आग्रह किया।

आवारा कुत्ते ने आठ लोगों को काटा

मदनूर, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर मंडल केंद्र के साथ विविध गांव में नऊ लोगों को कुत्ते के काटने से गंभीर चोट आई। पहली घटना रविवार श्याम में एक व्यक्ति को कटा ने से घायल हुआ व्यक्ति को

स्थानिक सरकारी दवाखाना में वैद्यकीय अधिकारियों ने उपच्यार करने के बाद अपने घर चले गया, सोमवार के दिन एक आवारा कुत्ते ने आठ लोगों को काटने पर सभी लोगों स्थानिक सरकारी दवाखाने में उपच्यार कराया स्थानिक वैद्यकीय अधिकारी ने बताया कि दो घायल लोगों को बांसवाड़ा दवाखाना में उपच्चार के लिय भेजा गया नउ लोगों को काटने के बाद कुत्ता एक नाले में बेहोश हो कर गिर पड़ा ।

राजस्थानी समाज गोदावरीखनी द्वारा स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी समाज गोदावरी खानी के मारवाड़ी बंधुओं ने हैदराबाद के सागर रोड, इब्राहिमपट्टनम स्थित सिरी रिसॉर्ट में एक भव्य स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों और बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन सामाजिक एकता और परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रमुख हस्तियों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज की: जसमत पटेल, ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन, स्वामी कमलेश महाराज, टीटीडी हिंदू धर्म प्रचार बोर्ड के सदस्य, रिद्धिश जागीरदार, लव फॉर काउ फाउंडेशन के ट्रस्टी, सतीश जाजु, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता, मुकेश जैन चौहान, जैन संस्कार वाटिका के प्रतिनिधि-उमेश शर्मा, बृजगोपाल रेनवा,

नर्सिंग इन्नानी, आनंद शर्मा, श्याम रेनवा, बृजगोपाल लाहोटी, महेंद्र अग्रवाल, पवन लाहोटी, कन्नू अग्रवाल, नीलेश राठी, गिरधारी लाल शर्मा एवं इनके साथ ही राजस्थानी समाज (गोदावरी खानी), हैदराबाद के अनेक सदस्यों ने भी इस आयोजन में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य

इस स्नेह मिलन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राजस्थानी समाज के सदस्यों के बीच आपसी मेलज-ोल, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण, और सामाजिक कार्यों में सहयोग को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में समाज के विकास, परंपराओं के संवर्धन, और सामुदायिक कल्याण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

आयोजन की विशेषताएँ

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ: कार्यक्रम में राजस्थानी संस्कृति को दर्शाने वाली विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें लोक नृत्य और संगीत शामिल थे।

सामाजिक चर्चा: समाज के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा की गई, जिसमें शिक्षा, गो-संरक्षण, और मंदिर जीर्णोद्धार जैसे विषय शामिल थे।सम्मान समारोह: समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिससे अन्य सदस्यों को प्रेरणा मिली।

प्रभाव और महत्व

यह स्नेह मिलन कार्यक्रम राजस्थानी समाज गोदावरी खानी के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जिसने समाज के सदस्यों को एकजुट होने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन ने न केवल सामुदायिक एकता को मजबूत किया, बल्कि समाज के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों के बीच सहयोग को भी बढ़ावा दिया।

भविष्य की योजनाएँ

आयोजकों ने भविष्य में इस तरह के आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की योजना बनाई है, ताकि समाज के सदस्यों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग बना रहे। इसके अतिरिक्त, समाज द्वारा शिक्षा, गो-संरक्षण, और सांस्कृतिक संवर्धन के क्षेत्र में और अधिक पहल शुरू करने की योजना है।

मीर आलम मंडी महाकाली मंदिर बोनालु उत्सव

टीटीडी चेयरमैन बी.एल. नायडू और जसमत पटेल का भव्य अभिनंदन

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मीर आलम मंडी स्थित ऐतिहासिक महाकाली मंदिर में चल रहे बोनालु उत्सव के दौरान, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के चेयरमैन बी.एल. नायडू और ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन श्री जसमत पटेल का भव्य अभिनंदन किया गया। मंदिर के चेयरमैन श्री गाजुला अंजय्या ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत और सम्मान किया।इस अवसर पर, श्री गाजुला अंजय्या ने मंदिर के विकास और बोनालु उत्सव के सफल आयोजन में सहयोग के लिए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। बोनालु उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति देखी गई जो मां महाकाली का आशीर्वाद लिया।

व्यास परिवार द्वारा श्रावण मास में महारुद्राभिषेक पाठ का आयोजन

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के सदस्यों की विशेष उपस्थिति

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रावण मास के पावन अवसर पर, व्यास परिवार द्वारा एक भव्य महा रुद्राभिषेक पाठ का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के सदस्यगण - जसमत पटेल, कमलेश महाराज, रिद्धिश जागीरदार, सतीश जाजू, और मुन्ना लाल छाङ्गानी विशेष रूप से उपस्थित रहे और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस धार्मिक आयोजन में व्यास परिवार के सदस्यों ने भी पूर्ण निष्ठा के साथ भाग लिया, जिनमें विपिन व्यास, गोपीलाल व्यास, संजय व्यास, दिलीप व्यास, अरुण व्यास, गोपाल व्यास, सागर व्यास, कृष्ण व्यास, साराव व्यास, सिद्धार्थ व्यास, और यश व्यास प्रमुख थे।

महा रुद्राभिषेक पाठ के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तिमय वातावरण ने पूरे परिसर को शिवमय बना दिया। इस आयोजन का उद्देश्य श्रावण मास की महिमा का गुणगान करना और समस्त जगत के कल्याण की कामना करना था।

बोक्कलगुट्टा गाँव से बहुत लगाव है यहीं से मेरी यात्रा शुरू हुई थी : विवेक वेंकटस्वामी

मंचेरियल, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि उन्हें बोक्कलगुट्टा गाँव से बहुत लगाव है। यहीं से मेरी यात्रा शुरू हुई थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे बोक्कलगुट्टा गाँव के विकास के लिए काम करेंगे। मंत्री विवेक ने रविवार (20 जुलाई) को मंत्री के रूप में पहली बार मंडमरी मंडल के बोक्कलगुट्टा गाँव का दौरा किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विवेक का भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि उन्हें बोक्कलगुट्टा गाँव में हर साल भव्य रूप से बोनालु उत्सव मनाने में खुशी होती है। उन्होंने सभी को बोनालु उत्सव की अग्रिम शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने गांधारी मैसम्मा मंदिर के लिए विशेष सड़क प्रकाश व्यवस्था की सुविधा उपलब्ध कराने का वादा किया। उन्होंने चेन्नूर में दो सब-स्टेशन बनवाए हैं और जल्द ही तीन और बनवाने का वादा किया है।उन्होंने कहा कि वे चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र में बिजली की समस्या को दूर करेंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्तम चावल से लोग खुश हैं। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार की दस सालों में तेलंगाना राज्य का खजाना खाली करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार गरीबों से किए गए वादों को पूरा करने के लि ईमानदारी से काम कर रही है, जिनकी राज्य में वित्तीय में कोई सुधार नहीं हुआ है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर भी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत श्रावण मास के दूसरे सोमवार को बेगम बाजार गौशाला के समीप माता के मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,अनिल भाई,गोविंद राम जी,विनोद तोशनीवाल,पन्नालाल जी,अशोक अग्रवाल,राधा अग्रवाल,पूजा विजयवर्गी,शिव भगवान,मीना अग्रवाल,लता गोयल,रजनी गुप्ता,शर्मिला अग्रवाल,आशीष,किशन पाल,रवि उपस्थित थे।

अक्काना मादन्ना मंदिर से ऐतिहासिक घटम जुलूस का आयोजन

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, आईपीएस, ने अपनी पत्नी श्रीमती ललिता आनंद के साथ सोमवार को ऐतिहासिक अक्काना मादनना मंदिर का दौरा किया और बोनालु उत्सव के एक प्रमुख अनुष्ठान, घटम जुलूस का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया।

इस धार्मिक आयोजन में भाग लेने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, आयुक्त आनंद ने मंदिर प्रबंधन और जुलूस आयोजकों के प्रति अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ और आभार व्यक्त किया। उन्होंने अक्काना मदनना मंदिर के 350 साल पुराने समृद्ध इतिहास को याद किया, जिसकी शुरुआत 1675 में कुतब शाही काल से हुई थी, जब एक दशक तक लगातार अनुष्ठान किए गए।

अक्काना और मदनना की दुखद मृत्यु के बाद पूजा-अर्चना बंद हो गई थी, जो भारत की स्वतंत्रता के बाद मंदिर के पुनर्निर्माण के साथ फिर से शुरू हुई।आयुक्त ने कहा, यह मंदिर हैदराबाद के लोगों के लिए गहरा महत्व रखता है। ऐतिहासिक रूप से, लोग यहाँ माँ महांकाली से प्लेग, बाढ़ और बीमारियों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते रहे हैं, और माँ ने हमेशा उनकी प्रार्थनाओं को सुना है।

बोनालु उत्सव की भव्यता

इस वर्ष के बोनालु उत्सव की भव्यता पर प्रकाश डालते हुए, आनंद ने तेलंगाना के मंत्रियों श्री पोन्नम प्रभाकर और श्रीमती कोंडा सुरेखा की सराहना की, जिन्होंने व्यक्तिगत रुचि लेकर शहर भर में उत्सव को भव्य पैमाने पर आयोजित करने में योगदान दिया।

सुरक्षा व्यवस्था

सुरक्षा के मोर्चे पर, आयुक्त ने भक्तों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

उन्होंने बताया, मंदिर और घटम जुलूस मार्ग पर पुलिस बलों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है ताकि भगदड़ जैसी स्थिति को रोका जा सके। शी टीमें और अपराध निरोधक टीमें छेड़खानी, जेबकतरी, और चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं पर नजर रखने के लिए सतर्क हैं।

आयोजन में सहयोग

आयुक्त ने बोनालु उत्सव को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित बनाने के लिए हैदराबाद पुलिस के सभी अधिकारियों और सहायक विभागों के अथक प्रयासों की सराहना की।

घटम जुलूस का मार्ग

बोनालु उत्सव का प्रमुख आकर्षण, घटम जुलूस, हरिबोवली में श्री अक्काना मदनना मंदिर से शुरू होकर गौलीगुडा, लाल दरवाजा, और शाह अली बांदा से होकर नयापुल पर समाप्त हुआ।

भगवती एसोसिएशन चूड़ीबाजार द्वारा 22वाँ पलाराम बंडी बोनालु उत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भगवती एसोसिएशन चूड़ीबाजार के तत्वावधान में, कासोजी वेंकटेश चारी पहलवान और कासोजी वीरा चारी पहलवान के नेतृत्व में हैदराबाद में 22वाँ पलाराम बंडी बोनालु उत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। यह आयोजन माँ महाकाली की पूजा-अर्चना और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया, जो तेलंगाना की सांस्कृतिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस भव्य आयोजन में परशुराम सेवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता श्री नवरतन इंदौरिया, भाजपा नेता श्री बालाजी हिवरे, श्री गोलकुंडा तूफान नितिन नंदकर, श्री गोपाल वाडेकर, उद्यमी श्री जितेंद्र अवस्थी, भाजपा नेता श्री राजा जोहारी, श्री शांतु कुमार जी, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इनकी उपस्थिति ने इस उत्सव को और अधिक गरिमामय बनाया।

बोनालु पूजा: कार्यक्रम में माँ महाकाली की विशेष पूजा और बोनम अर्पण किया गया, जिसमें महिलाओं ने पारंपरिक रूप से सजे हुए बर्तनों में चावल, दूध, और अन्य सामग्री मंदिर तक ले जाकर चढ़ाई।

ढोल-नगाड़ों की धुन और नृत्य प्रदर्शनों ने उत्सव में उत्साह और उमंग का माहौल बनाया।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंदों को भोजन सामग्री वितरित

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हैदराबाद के घाँसीबाज़ार में ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य श्री विनय किशोर तायल के निवास पर मासिक भोजन सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 30 जरूरतमंद परिवारों को भोजन सामग्री की किट वितरित की गईं। ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने इसकी जानकारी साझा की। इस सेवा कार्य में ट्रस्ट के सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। जिसमें- विनय किशोर तायल, संस्थापक सदस्य, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, संस्थापक सदस्य, मुकुंद लाल अग्रवाल, प्रचार व प्रसार संयोजक, श्री आर.ए. अग्रवाल, विशेष आमंत्रित, गोवर्धन लाल अग्रवाल, प्रदीप कुमार तुलसियान,

श्रीमती राजकुमारी अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, सपना तुलसियान,

मनीषा तुलसियान, नमिता अग्रवाल, रेखा तुलसियान, पिंकी अग्रवाल एवं जैना सोलंकी शामिल हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का यह मासिक आयोजन जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक भोजन सामग्री प्रदान कर उनकी सहायता करने के उद्देश्य से किया गया। यह प्रयास समाज के कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने और सामुदायिक सेवा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रभाव और महत्व

इस वितरण कार्यक्रम ने न केवल जरूरतमंद परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की, बल्कि सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत किया। ट्रस्ट के इस प्रयास को स्थानीय समुदाय ने सराहा और इसे समाज सेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण माना।

भविष्य की योजनाएँ

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट ने भविष्य में भी इस तरह के सेवा कार्यों को नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया है। ट्रस्ट का लक्ष्य अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक पहुँचकर उनकी सहायता करना और सामाजिक कल्याण के लिए नए कार्यक्रम शुरू करना है।

तेलंगाना भाजपा इंडोमेंट सेल के संयुक्त संयोजक ने दिल्ली में सुनील बंसल से की मुलाकात

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के इंडोमेंट सेल के संयुक्त संयोजक सुदर्शन प्रसाद तिवारी ने दिल्ली में तेलंगाना के प्रभारी और बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव माननीय सुनील बंसल से मुलाकात की। यह मुलाकात तेलंगाना में पार्टी के संगठनात्मक कार्यों और भविष्य की रणनीतियों को मजबूत करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

चर्चा के प्रमुख बिंदु

मुलाकात के दौरान श्री सुदर्शन प्रसाद तिवारी ने तेलंगाना में बीजेपी की गतिविधियों, विशेष रूप से इंडोमेंट सेल के कार्यों और सदस्यता अभियान की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की। श्री सुनील बंसल, जो तेलंगाना के लिए पार्टी के प्रभारी हैं, ने संगठन को और सशक्त बनाने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस मुलाकात में तेलंगाना में बीजेपी की स्थिति को और मजबूत करने के लिए विभिन्न रणनीतियों और योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

महत्व और प्रभाव

यह मुलाकात तेलंगाना में बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्री सुनील बंसल के नेतृत्व में पार्टी ने हाल के वर्षों में तेलंगाना में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है, और इस तरह की मुलाकातें स्थानीय नेताओं को प्रेरित करने और कार्यकर्ताओं में नए उत्साह का संचार करने में सहायक होंगी।

भविष्य की योजनाएँ

श्री सुदर्शन प्रसाद तिवारी ने इस मुलाकात के बाद तेलंगाना में इंडोमेंट सेल की गतिविधियों को और तेज करने का संकल्प लिया। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में तेलंगाना में बीजेपी की लोकप्रियता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद का शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप), हैदराबाद का शपथ ग्रहण समारोह आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी आदि ठाणा 4 के सान्निध्य में रविवार प्रातः 9:00 बजे जैन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, हैदराबाद में अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन, और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह समारोह जैन संस्कार विधि के अनुसार आयोजित किया गया, जिसमें संगठन के नए नेतृत्व ने शपथ ग्रहण की।

शपथ ग्रहण और मंगलाचरण

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसके बाद भिक्षु प्रज्ञा मंडली द्वारा विजय गीत का सुमधुर संगान किया गया। जैन संस्कार विधि के तहत शपथ ग्रहण संस्कारक ललित लूनिया और जिनेंद्र बैद द्वारा करवाया गया। सभा अध्यक्ष श्री सुशील संचेती ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। पूर्व अध्यक्ष श्री विमल पुगलिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राहुल गोलछा को शपथ दिलाई। पूर्व अध्यक्ष श्री निर्मल दूगड़ ने इस आयोजन की हृदय से प्रशंसा की और संस्कारकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष का उद्बोधन

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री राहुल गोलछा ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा, इस वर्ष हम सबको मिलकर नए कीर्तिमान स्थापित करने हैं। साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी के चातुर्मास में हमें नित नए कार्यक्रम आयोजित कर इसे अति सफल बनाना है। गुरुदेव के आशीर्वाद, साध्वी श्री जी की प्रेरणा, और संपूर्ण तेरापंथ समाज के सहयोग से तेयुप हैदराबाद को नई ऊँचाइयों पर ले जाना है। उन्होंने एकता में शक्ति है के मूल मंत्र के साथ सभी से संगठन को मजबूत करने की अपील की।

नवीन पदाधिकारियों की शपथ
अध्यक्ष श्री राहुल गोलछा ने निम्नलिखित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई:
उपाध्यक्ष: पीयूष बरडिया, ललित लूनिया
मंत्री: नीरज सुराणा
सहमंत्री: मनीष बुच्चा, जिनेंद्र सेठिया
कोषाध्यक्ष: नवीन सुराणा
संगठन मंत्री: चेतन मरलेचा

इसके अतिरिक्त, तेरापंथ किशोर मंडल के प्रभारी श्री अरिहंत गुजरराणी, सह-प्रभारी श्री प्रतीक बंबोली, संयोजक श्री जय पिंचा, सह-संयोजक श्री रुद्र बैद, श्री रौनक महर, श्री हिमांशु दूगड़, और श्री दिव्यांश बोथरा ने भी शपथ ग्रहण की।

साध्वी श्री का मंगल उद्बोधन

साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा, आज नए दिन का प्रारंभ है। सभी युवा कार्यकर्ताओं को संघ और संघपति के प्रति समर्पित रहना चाहिए। राहुल जी बहुत ही सरल, जागरूक, और कर्मठ कार्यकर्ता हैं। आपको छोटा पैकेट, बड़ा धमाका करना है। उन्होंने घोषणा की कि तेयुप जल्द ही बड़े और विशेष कार्यक्रमों के साथ समाज सेवा में नए आयाम स्थापित करेगा। साध्वी श्री मेरू प्रभा जी और दक्ष प्रभा जी ने सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की, जबकि साध्वी श्री मयंक प्रभा जी ने युवाओं को जोश और उत्साह के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

शुभकामनाएँ और उपस्थिति

नवनिर्वाचित अध्यक्ष को जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्री सुशील संचेती, महिला मंडल मंत्री श्रीमती निशा सेठिया, टीपीएफ अध्यक्ष श्री विरेंद्र घोषल, अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्री राजेंद्र बोथरा, तेलंगाना माइनॉरिटी मेंबर श्री हिमांशु बापना, ऑल इंडिया मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष श्री एम. सुरेश जैन, और सेटा अध्यक्ष श्री सुरेश सुराणा ने शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम में तेयुप के पूर्व अध्यक्ष श्री विमल पुगलिया, श्री लक्ष्मीपत बैद, श्री राजेंद्र बोथरा, श्री नवीन सुराणा, श्री प्रवीण बेंगानी, श्री श्रवण कोठारी, श्री प्रवीण श्यामसुखा, श्री विरेंद्र घोषल, श्री निर्मल दूगड़, श्री मनीष पटवारी, और समाज के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।मंत्री श्री नीरज सुराणा ने तेयुप द्वारा डी.वी. कॉलोनी में संचालित आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल्स, आचार्य महाश्रमण क्लिनिक, और हिमायत नगर भवन में तेरापंथ होम्यो क्लिनिक की जानकारी दी। इन पहलों से समाज के कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं में तेयुप के योगदान को रेखांकित किया गया।हर वर्ष आयोजित होने वाला यह शपथ ग्रहण समारोह तेरापंथ युवक परिषद की अनुशासित कार्यपद्धति और नेतृत्व की स्पष्टता को दर्शाता है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, सेवा, और संस्कारों को हस्तांतरित करने की एक प्रेरक परंपरा है। कार्यक्रम का संचालन श्री नवीन लूनिया ने किया, जबकि श्री नीरज सुराणा ने आभार ज्ञापन किया। यह आयोजन तेरापंथ समाज के एकजुट प्रयासों और सामुदायिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरमद्वारा आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह - 2025 में देशभर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित समारोह में हैदराबाद के नमन सुराणा (मीनाक्षी और विनीत सुराणा के सुपुत्र) को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।नमन सुराणा ने तेलंगाना स्टेट बोर्ड की परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए, सेंट पॉल हाई स्कूल, हैदरगुडा में स्कूल टॉपर का गौरव हासिल किया। इसके अतिरिक्त, उन्हें वर्ष 2024-25 के लिए बेस्ट आउटगोइंग स्टूडेंट अवार्ड से भी नवाजा गया, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और स्कूल में उत्कृष्ट योगदान को दर्शाता है।इस अवसर पर, आचार्य महाश्रमणजी ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान किया और उन्हें भविष्य में भी इसी लगन और निष्ठा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का यह आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए प्रेरित करने का एक सराहनीय प्रयास है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.